किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

दैनिक समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 276 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 15 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

अग्निवीरों और पैराट्रूपर्स की कड़ी ट्रेनिंग, हर चुनौती से निपटने को तैयार हो रहे जांबाज सैनिक

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारतीय सेना आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने जवानों को अत्याधुनिक और कठोर प्रशिक्षण दे रही है। सेना ने अग्निवीरों तथा शत्रुजीत ब्रिगेड के पैराट्रूपर्स की विशेष प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सैनिकों को शारीरिक, मानसिक और सामरिक रूप से पूरी तरह सक्षम बनाने के लिए वास्तविक परिस्थितियों जैसी कठिन ट्रेनिंग कराई जा रही है। सेना के अनुसार डोगरा रेजिमेंटल सेंटर में अग्निवीरों को कठिन बाधा-पार (ऑब्स्टेकल) प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जवानों में सहनशक्ति, फुर्ती, मानसिक दृढ़ता और दबावपूर्ण परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है। साथ ही टीमवर्क, अनुशासन और विपरीत परिस्थितियों में डटे रहने का जज्बा भी मजबूत किया जाता है।

भारतीय सेना ने बताया कि यह प्रशिक्षण युद्धक्षेत्र की वास्तविक शारीरिक और मानसिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को ऐसी परिस्थितियों से रूबरू कराया जाता है, जिनका सामना उन्हें आतंकवाद-रोधी अभियानों, विशेष सैन्य अभियानों और सीमावर्ती क्षेत्रों में करना पड़ सकता है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे किसी भी परिस्थिति में प्रभावी ढंग से कार्रवाई करने के लिए तैयार होते हैं।

इंडिया पोस्ट ने रचा नया कीर्तिमान, पहली तिमाही में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत सरकार के डाक विभाग (इंडिया पोस्ट) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अब तक का सर्वाधिक कारोबारी प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विभाग ने पहली बार 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दर्ज किया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विज्ञान भवन में आयोजित तिमाही बिजनेस रिव्यू बैठक में यह जानकारी देते हुए बताया कि इंडिया पोस्ट ने पहली तिमाही में 4,008.95 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 22.2 प्रतिशत अधिक है।

केंद्रीय मंत्री ने इस उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डाक विभाग के आधुनिकीकरण, डिजिटल परिवर्तन और सेवा विस्तार का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट आज केवल पारंपरिक डाक सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्सल, बैंकिंग, बीमा और नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में भी तेजी

से अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि "डाक सेवा, जन सेवा" के मूल मंत्र के साथ विभाग भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विज्ञान भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में देशभर के 23 डाक सर्किलों के प्रदर्शन का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। इस दौरान पहली तिमाही की उपलब्धियों के साथ-साथ वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विभाग की रणनीति, व्यवसाय विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विभाग का राजस्व लगभग 3,280 करोड़ रुपये था, जो इस वर्ष बढ़कर 4,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि विभाग के 30 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत शुरूआत है।

बैठक के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभिन्न डाक सर्किलों को सम्मानित भी किया गया। आंध्र प्रदेश पोस्टल सर्किल ने अपने तिमाही कारोबारी लक्ष्य का 100 प्रतिशत से अधिक हासिल किया। बिहार और तमिलनाडु ने पार्सल कारोबार में उल्लेखनीय सफलता दर्ज की, जबकि मेल ऑपरेशन में भी आंध्र प्रदेश ने लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन किया।

नागरिक-केंद्रित सेवाओं की श्रेणी में पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश डाक सर्किलों को सम्मानित किया गया। वहीं पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक श्रेणी में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और झारखंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। डाक जीवन बीमा (PLI/RPLI) के क्षेत्र में पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर सर्किलों ने सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां हासिल कर विभाग की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डाक विभाग का मानना है कि डिजिटल सेवाओं के विस्तार, आधुनिक तकनीक के उपयोग, पार्सल नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के कारण आने वाले समय में इंडिया पोस्ट की कारोबारी वृद्धि और अधिक तेज होगी। विशेषज्ञों का भी मानना है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मजबूत नेटवर्क के कारण इंडिया पोस्ट देश की सबसे विश्वसनीय सार्वजनिक सेवा संस्थाओं में अपनी पहचान और मजबूत करेगा।

भारत-मालदीव एफटीए वार्ता का पहला दौर सफल, व्यापार और निवेश को मिलेगी नई गति

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत और मालदीव के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। दोनों देशों के बीच एफटीए वार्ता का पहला दौर 29 जून से 7 जुलाई 2026 तक वर्चुअल माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस दौरान आठ तकनीकी सत्रों में व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग से जुड़े विभिन्न नीतिगत विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी। इस वार्ता को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारत की ओर से वार्ता का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव एवं मुख्य वातार्कार उज्ज्वल कुमार घोष ने किया, जबकि मालदीव की ओर से मुख्य वातार्कार यूसुफ रिजा ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दोनों पक्षों ने आठ प्रमुख नीतिगत क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए एफटीए के विभिन्न प्रावधानों पर सकारात्मक प्रगति दर्ज की। अधिकारियों ने वार्ता को

रचनात्मक और परिणामोन्मुख बताया।

एफटीए वार्ता के बाद 8 जुलाई 2026 को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मालदीव के आर्थिक विकास, परिवहन एवं व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद के साथ बैठक कर दोनों देशों के आर्थिक सहयोग की समीक्षा की। बैठक में मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) को शीघ्र अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की गई। दोनों नेताओं ने भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के दौरान पर्यटन, स्टार्टअप, डिजिटल भुगतान प्रणाली, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा व्यापारिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों का मानना है कि इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने से नए निवेश के अवसर सृजित होंगे, रोजगार में वृद्धि होगी तथा आर्थिक विकास को गति मिलेगी। साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार आधारित उद्योगों में भी साझेदारी का दायरा विस्तृत होगा। भारत वर्तमान में मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 771.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 679.70 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। इस प्रकार एक वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार में 13.54 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो दोनों देशों के मजबूत होते आर्थिक संबंधों का संकेत है।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के बाद दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार बढ़ेगा, निवेश प्रवाह को प्रोत्साहन मिलेगा, व्यवसायों को नए बाजार उपलब्ध होंगे तथा आर्थिक सहयोग और अधिक मजबूत होगा। साथ ही यह समझौता हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापारिक संपर्क और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को भी नई गति प्रदान करेगा।

भारत और मालदीव ने स्पष्ट किया है कि एफटीए को निष्पक्षता, पारस्परिक लाभ और संतुलित व्यापार के सिद्धांतों के आधार पर अंतिम रूप दिया जाएगा, ताकि दोनों देशों के उद्योगों, निवेशकों और उपभोक्ताओं को समान रूप से लाभ मिल सके।

(इनपुटः पीआईबी)

पूर्वोत्तर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार, वैज्ञानिक नवाचार का नया केंद्र बन रहा क्षेत्र : डॉ. जितेंद्र सिंह

समाज जागरण

नई दिल्ली/शिलांग। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक के दौरान पूर्वोत्तर भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वैज्ञानिक संस्थानों को सशक्त बनाने, आधुनिक तकनीकों का विस्तार करने तथा विज्ञान को आमजन के जीवन से जोड़ने के प्रयासों के कारण पूर्वोत्तर अब वैज्ञानिक नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का उभरता हुआ केंद्र बन गया है।

शिलांग स्थित उत्तर पूर्व प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं पहुंच केंद्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभिन्न संस्थानों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सिंह ने अत्याधुनिक भू-सूचना विज्ञान (जियो-इन्फॉर्मेटिक्स) प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक अनुसंधान तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक का लाभ किसानों, युवाओं, उद्यमियों और ग्रामीण समुदायों तक पहुंचाना भी है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से पहले पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में केवल दो मौसम रडार कार्यरत थे, जबकि आज उनकी संख्या बढ़कर 13 हो चुकी है। इसी प्रकार भूकंपीय वेधशालाओं की संख्या 84 से बढ़कर 171 हो गई है। मेघालय और त्रिपुरा में पहली बार बिजली गिरने का पूवार्नुमान लगाने वाले विशेष स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिससे आपदा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हुई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि NECTAR विज्ञान आधारित विकास का प्रभावी मॉडल बनकर उभरा है। यहां विकसित तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन करने तथा युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विज्ञान तभी सार्थक है, जब उसका प्रत्यक्ष लाभ आम नागरिकों के जीवन में दिखाई दे।

उन्होंने NECTAR और सीएस-ाआईआर-सीएफटीआरआई द्वारा विकसित मोबाइल फूड प्रोसेसिंग यूनिट का अवलोकन करते हुए इसे किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी पहल बताया। उनके अनुसार यह चलित प्रसंस्करण इकाई कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, खाद्य गुणवत्ता में सुधार, कौशल विकास तथा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है, जिससे छोटे एवं सीमांत किसानों की आय में वृद्धि की संभावना बढ़ी है।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री डिवाइन योजना के अंतर्गत स्थापित वसुंधरा मृदा कार्बनिक कार्बन पहचान प्रयोगशाला की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक मृदा परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक लगभग 2,500 किसानों को मृदा परीक्षण किट वितरित की जा चुकी हैं, जिससे क्षेत्र का व्यापक मृदा स्वास्थ्य डेटाबेस तैयार करने में सहायता मिल रही है और जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है।

युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से NECTAR की STEM शिक्षा प्रयोगशाला में रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग तथा 3डी प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आईआईटी कानपुर के सहयोग से पूर्वोत्तर में 50 STEM प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, जिनसे अब तक लगभग 25,000 विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। इसके अतिरिक्त 569 ड्रोन तकनीशियन, 247 जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ, 107 प्रमाणित ड्रोन पायलट तथा 4,500 से अधिक विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

(इनपुटः पीआईबी)

भारत टेक्स 2026 का शुभारंभ, 140 देशों के 7,000 से अधिक खरीदार हुए शामिल

समाज जागरण

नई दिल्ली, 14 जुलाई।

देश के सबसे बड़े वैश्विक वस्त्र आयोजन *भारत टेक्स-2026* का शुभारंभ सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में केंद्रीय वस्त्र मंत्री *गिरिराज सिंह* ने किया। चार दिवसीय इस आयोजन में 140 से अधिक देशों के 7,000 से अधिक विदेशी खरीदार, 1.30 लाख से अधिक व्यापारिक आगंतुक तथा हजारों प्रदर्शक भाग ले रहे हैं।

करीब 1.60 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में आयोजित इस भव्य मेले में रेशा, सूत, वस्त्र, परिधान, गृह सज्जा संबंधी वस्त्र, तकनीकी वस्त्र, हथकरघा, हस्तशिल्प, वस्त्र निर्माण मशीनें, नवाचार तथा

पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। आयोजन में 20 हजार से अधिक विशेष प्रदर्श प्रदर्शनियों के माध्यम से भारत की बढ़ती उत्पादन क्षमता और विश्वसनीय वैश्विक आपूर्ति केंद्र के रूप में उसकी सशक्त पहचान प्रस्तुत की जा रही है।

उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत टेक्स केवल तीन संस्करणों में ही व्यापार, निवेश, नवाचार और नीतिगत संवाद का अंतरराष्ट्रीय मंच बन गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *'फार्म से रेशा, रेशा से कारखाना, कारखाने से फैशन और फैशन से विदेश' (5एफ)* दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब केवल वस्त्रों का आपूर्तिकर्ता नहीं, बल्कि विश्व का विश्वसनीय और नवाचार आधारित भागीदार बन रहा है।

उन्होंने बताया कि देश में विकसित किए जा रहे *सात पीएम मित्र मेगा वस्त्र पार्कों* में लगभग *70 हजार करोड़ रुपये के निवेश* की संभावना है, जिससे *21 लाख से अधिक लोगों को रोजगार* मिलने का अनुमान है।

वहीं *समर्थ योजना* के अंतर्गत 5 लाख से अधिक लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें लगभग 88 प्रतिशत महिलाएं हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते भारतीय वस्त्र निर्यात के लिए नए अवसर खोल रहे हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक वस्त्र एवं परिधान निर्यात को वर्तमान लगभग *37.7 अरब अमेरिकी डॉलर* से बढ़ाकर *100 अरब अमेरिकी डॉलर* तक पहुंचाना है।

इस अवसर पर *भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन* और विश्व प्रसिद्ध फ्रांसीसी वस्त्र एवं फैशन मंच *प्रीमियर विजन पेरिस* के बीच रणनीतिक सहयोग के लिए आशय पत्र का आदान-प्रदान भी किया गया। इस साझेदारी से भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, निर्यातकों और डिजाइनरों को यूरोपीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी तथा भारत और यूरोप के बीच वस्त्र क्षेत्र में व्यापार, नवाचार और तकनीकी सहयोग को नई गति मिलेगी।

चार दिनों तक चलने वाले भारत टेक्स-2026 में हजारों व्यापारिक बैठकों, निवेश संबंधी चचाओं, नए उत्पादों के लोकार्पण तथा 100 से अधिक ज्ञान-वर्धक सत्रों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन भारत को विश्व के अग्रणी वस्त्र विनिर्माण एवं आपूर्ति केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव - प्रधानमंत्री मोदी की नवाचार वाली विदेश नीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की महत्वपूर्ण व एतिहासिक यात्रा संपन्न करने के बाद स्वदेश वापस आ गए हैं। हिंद प्रशांत महासागर के इन तीन देशों की यात्रा कई दृष्टियों से ऐतिहासिक सिद्ध हुई। इन यात्राओं में जहाँ एक ओर प्रधानमंत्री मोदी की लोगों से जुड़ाव बना लेने की अद्भुत क्षमता शिखर पर दिखाई दी वहीं दूसरी ओर कई ऐसे महत्वपूर्ण समझौतो पर हस्ताक्षर हुए जिनसे भविष्य की सुरक्षा व विकास का परिदृश्य पूरी तरह से बदलता दिखेगा।

तीन देशों की यात्रा के द्वितीय चरण में प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया पहुंचे जहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागरिक परमाणु सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया -भारत परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर हुए।जिसके अंतर्गत ऑस्ट्रेलिया भारत को यूरेनियम देगा। भारत ने वर्ष 2047 तक परमाणु ऊर्जा से एक लाख मेगावाट बिजली बनाने का लक्ष्य रखा है जिसके लिए ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त यूरेनिम बहुत ही किफायती होगा। यहाँ स्मरणीय है कि एक समय ऑस्ट्रेलिया ने भारत को यूरेनियम देने से मना कर दिया था । प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज की अध्यक्षता में मेलबर्न में संपन्न तृतीय वार्षिक सम्मेलन में कुल 18 समझौतों और सहयोग दस्तावेजों पर मुहर लगी। इनमें रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा, साइबर व क्रिटिकल प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र शामिल हैं।दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंकवाद के मुद्दे पर अत्यंत कड़ा रुख अपनाया ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के संयुक्त घोषणा पत्र में कहा गया कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की। उन्होंने सभी देशों द्वारा आतंकवाद के खतरे का व्यापक व निरंतर मुकाबला करने पर बल दिया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 समिति द्वारा सूचीबद्ध वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादियों, आतंकवादी संगठनों तथा उनके प्रॉक्सी सहयोगियों, प्रायोजकों और फाइनेंसर्स के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य यूरेनियम का समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अभी तक भारत केवल चार देशों कजाकिस्तान से 40 से 50 प्रतिशत, कनाडा से 20 से 30 प्रतिशत, रूस से 10 से 15 प्रतिशत और उज्बेकिस्तान से 10 प्रतिशत यूरेनियम खरीदता है जबकि दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश ऑस्ट्रेलिया है। भारत 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर चल रहा है, इसके लिए कोयले पर निर्भरता कम करने और परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की योजना है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य रक्षा और सुरक्षा सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने पर सहमति बनी। अंतरिक्ष सहयोग, समुद्री सुरक्षा, भारतीय तटरक्षक और ऑस्ट्रेलियाई मैरीटाइम बॉर्डर कमांड के मध्य समझौता हुआ है। व्यापार और निवेश को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा और नई तकनीक पर समझौता हुआ है। शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट को लेकर भी समझौता हुआ है, अब ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी के कैंपस भारत में आसानी से खुल सकेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच संबंधों को क्रिकेट व संस्कृति से भी जोड़ा। मेलबर्न के क्रिकेट स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी का अत्यंत भव्य स्वागत हुआ। क्रिकेट भारत -ऑस्ट्रेलिया संबंधों की कूटनीतिक भाषा है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की संयुक्त प्रेसवार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम दोनों की बैठकें भी क्रिकेट की तरह होती हैं। दोनों देशों के बीच खेल और खेल उद्योग में सहयोग बढ़ाने के लिए रोडमैप जारी किया गया। इससे स्पष्ट हो गया कि इसी वर्ष दिसंबर में चेन्नई के स्टेडियम में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बिग बैश लीग का उद्घाटन मैच सबसे बड़ा आकर्षण बनेगा। तय कार्यक्रम के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई पुरुष बिग बैश लीग का पहला मैच दिसंबर में चेक मेलबर्न रेनेगेड्स और वर्तमान विजेता पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच खेला जाएगा।यह भारत में आयोजित होने वाला पहला विदेशी क्रिकेट लीग मैच होगा। प्रधानमंत्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया प्रवास की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारतीय मूल की तीन प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है।इनमें एक पाषाण की नंदी प्रतिमा भी है।प्रधानमंत्री मोदी ने मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की गूंज सुनी। 21वीं सदी का भारत आज विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है, ये वो भारत है जो कहता है ग्रो मोर, अचीव मोर। उन्होंने कहा कि जब सोमवार के दिन आतंकवादियों के ठिकानों पर विस्फोट हो रहे थे तब दुनिया ने भारत के रक्षा उपकरणों की क्षमता और विश्वसनीयता देख रही थी। मेलबर्न का 30 हजार की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा था जिस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह शो तो पूरी तरह से हाउसफुल है।ऑस्ट्रेलिया में यह संभवतः पहला अवसर था जब किसी विदेशी नेता के लिए इतनी भीड़ आई जिसमें गजब का उत्साह था और वह मोदी -मोदी के नारे लगा रही थी।

न्यूजीलैंड- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की याात्रा का अंतिम पड़ाव न्यूजीलैंड रहा और वह भी मोदी के रंग में रग गया।भारत के प्रधानमंत्री की यह न्यूजीलैंड यात्रा 40 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद हुई थी।न्यूजीलैंड में तीन लाख प्रवासी भरतीय नागरिक रहते हैं जो वहां के विकास में सहभागिता कर रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के मध्य शिखर वार्ता के बाद 40 वर्षों का कूटनीतिक सन्नाटा टूट गया।दोनों प्रधानमंत्रियों ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और हिंद प्रशांत क्षेत्र की अहमियत के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर पहुंचा दिया। दोनों देशों ने रोडमैप 2030 को अनुमति प्रदान की है।दोनों देश 2030 तक व्यापार को दोगुना करेंगे, रक्षा -सुरक्षा संबंधों को भी बढ़ाएंगे। दोनों देशों के मध्य व्यापार 35 हजार करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। दोनों देशों के मध्य 10 समझौता ज्ञापनों और आठ अन्य प्रमुख फैसलों पर मुहर लगी।दोनों देशों ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, कृषि- प्रौद्योगिकी, खेल, शिक्षा, पर्यटन संस्कृति और लोगों के परस्पर रिश्तों सहित विभिन्न क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने पर सहमति जताई गई है।

भारत और न्यूजीलैंड के मध्य मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री मोदी के पहुंचने से पूर्व एक महत्वपूर्ण घोषणा करी कि उनके देश से भारत को होने वाले निर्यात का 57 प्रतिशत हिस्सा पहले दिन से ही शुल्क मुक्त होगा।ऑकलैंड में भी प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया, जहां उन्होंने भारत की विकास गाथा का वर्णन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते में यादे हैं- दोस्ती है, मूल्य और प्रतिबद्धता है। न्यूजीलैंड की सुंदर परंपरा में सदियों से एक शब्द वाका लोगो को जोड़ता आया है।भारत ड्रोन प्रौद्योगिकीऔरअंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में नई ऊचाईयां छू रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह आर्थिक साझेदारी समावेशी और टिकाऊ व्यापार का एक आदर्श मॉडल बन सकती है।

मृत्युंजय दीक्षित

क्या बदलेगा ताजमहल का इतिहास ?

महेन्द्र तिवारी

भारत का इतिहास केवल अतीत का वृत्तांत नहीं है, बल्कि वह देश की सांस्कृतिक स्मृति और राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण आधार भी है। जब किसी ऐतिहासिक स्मारक के मूल स्वरूप को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका प्रभाव केवल इतिहास की पुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राजनीति, संस्कृति और न्याय व्यवस्था तक पहुंचता है। इन दिनों ऐसा ही एक विषय व्यापक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। विश्व धरोहर के रूप में प्रसिद्ध ताजमहल को लेकर यह दावा किया जा रहा है कि उसका मूल स्वरूप एक प्राचीन शिव मंदिर था, जिसे तेजोमहालय कहा जाता था। इस दावे को लेकर वर्षों से समय समय पर बहस होती रही है, लेकिन हाल के दिनों में यह विवाद एक बार फिर न्यायालय तक पहुंच गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर याचिका के बाद यह विषय पुनः राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन गया है। न्यायालय ने केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस संबंध में जवाब मांगा है। यह कदम किसी दावे की पुष्टि नहीं है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत सभी पक्षों का दृष्टिकोण जानने का एक आवश्यक चरण है।

इस पूरे विवाद का केंद्र अधिवक्ता हरिशंकर जैन और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा प्रस्तुत याचिका है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ताजमहल का वास्तविक इतिहास अब तक सामने नहीं आया है और इसके मूल स्वरूप की वैज्ञानिक तथा न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। उनका आग्रह है कि न्यायालय की देखरेख में स्मारक का सर्वेक्षण कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वर्तमान इमारत के भीतर या उसके नीचे कोई पूर्ववर्ती धार्मिक संरचना मौजूद थी या नहीं। उनका कहना है कि यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक सत्य की खोज का प्रश्न है। दूसरी ओर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का वर्षों से यही आधिकारिक मत रहा है कि ताजमहल का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की स्मृति में कराया था और उसके मंदिर होने का कोई प्रमाण उसके अभिलेखों में उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि यह विवाद अब न्यायपालिका के समक्ष साक्ष्यों और कानूनी तर्कों के आधार पर विचाराधीन है।

याचिकाकताओं द्वारा सबसे अधिक चर्चा में लाया गया विषय ताजमहल के बंद कमरों का है। उनका कहना है कि परिसर के निचले हिस्से में अनेक ऐसे कमरे हैं जिन्हें लंबे समय से आम लोगों के लिए बंद रखा गया है। उनका दावा है कि इन कमरों की जांच होने पर ऐसे पुरातात्विक अवशेष या धार्मिक प्रतीक मिल सकते हैं जो इस इमारत के इतिहास पर नई रोशनी डालेंगे। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक वैज्ञानिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है जो इन दावों की पुष्टि करती हो। इसलिए वर्तमान स्थिति में यह केवल याचिकाकताओं का दावा है, न कि स्थापित तथ्य। न्यायालय के समक्ष भी इसी कारण सर्वेक्षण और निरीक्षण की मांग रखी गई है, ताकि अनुमान और वास्तविकता के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित किया जा सके।

इस विवाद में बादशाहनामा का उल्लेख भी बार बार किया जा रहा है। याचिकाकताओं का कहना है कि इस समकालीन मुगल दस्तावेज में राजा जय सिंह से संबंधित संपत्ति का उल्लेख मिलता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि यमुना किनारे पहले से एक विशाल संरचना मौजूद थी। दूसरी ओर मुख्यधारा के इतिहासकार इस उल्लेख की अलग व्याख्या करते हैं और इसे मकबरे के निर्माण के लिए भूमि अथवा संपत्ति के हस्तांतरण से जोड़ते हैं। यही कारण है कि एक ही ऐतिहासिक स्रोत की अलग अलग व्याख्याएं सामने आती हैं। इतिहास का अध्ययन केवल किसी एक पंक्ति के आधार पर नहीं किया जाता, बल्कि अनेक दस्तावेजों, पुरातात्विक साक्ष्यों, स्थापत्य शैली, अभिलेखों और समकालीन स्रोतों के संयुक्त विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं।

विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग भी है। आज ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार, त्रि आयामी मानचित्रण, डिजिटल स्कैनिंग और अन्य आधुनिक तकनीकें बिना संरचना को नुकसान पहुंचाए उसके भीतर की जानकारी देने में सक्षम हैं। यदि न्यायालय कभी ऐसे किसी वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अनुमति देता है, तो उससे प्राप्त निष्कर्ष इतिहास के अध्ययन में उपयोगी हो सकते हैं। विज्ञान का उद्देश्य किसी पक्ष का समर्थन करना नहीं, बल्कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जानकारी देना होता है। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि किसी विवाद का समाधान वैज्ञानिक जांच से संभव हो, तो उस विकल्प पर विचार किया जा सकता है। हालांकि ऐसा कोई निर्णय पूरी तरह न्यायालय और संबंधित संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में आता है।

यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि इतिहास केवल आस्था के आधार पर नहीं लिखा जाता। इतिहास लेखन में पुरातत्व, अभिलेख, साहित्य, स्थापत्य, विदेशी यात्रियों के विवरण, समकालीन दस्तावेज और वैज्ञानिक परीक्षण सभी का महत्व होता है। यदि किसी नई खोज से पुराने निष्कर्ष बदलते हैं तो इतिहासकार उन्हें स्वीकार भी करते हैं। विश्व के अनेक देशों में नई खुदाइयों और शोधों के आधार पर इतिहास की कई मान्यताओं में परिवर्तन हुआ है। इसलिए किसी भी नए दावे की जांच होना अस्वाभाविक नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने से पहले उसे अंतिम सत्य मान लेना भी उचित नहीं माना जाता।

न्यायपालिका की भूमिका इस पूरे प्रकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अदालत का दायित्व किसी ऐतिहासिक मत का समर्थन करना नहीं, बल्कि प्रस्तुत साक्ष्यों, कानून और संविधान के आधार पर निष्पक्ष निर्णय देना है। न्यायालय पहले सभी पक्षों की बात सुनता है, दस्तावेजों का अध्ययन करता है और आवश्यक होने पर विशेषज्ञों की राय भी ले सकता है। हाल में उच्च न्यायालय द्वारा केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से जवाब मांगना इसी न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। इसका अर्थ यह नहीं है कि अदालत ने किसी पक्ष के दावे को स्वीकार कर लिया है। अदालत केवल यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सभी संबंधित पक्षों की बात सुनने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाए।

इस विवाद का एक सामाजिक पक्ष भी है। भारत विविध धार्मिक परंपराओं वाला देश है और यहां अनेक ऐतिहासिक स्मारक विभिन्न कालखंडों के साक्षी रहे हैं। ऐसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा के दौरान संयम और तथ्यपरकता अत्यंत आवश्यक होती है। यदि कोई पक्ष अपने दावे के समर्थन में न्यायालय का दरवाजा खटखटाता है तो उसे संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। उसी प्रकार दूसरे पक्ष को भी अपने पक्ष में साक्ष्य प्रस्तुत करने का अधिकार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की विशेषता यही है कि विवादों का समाधान न्यायालय और कानून के माध्यम से किया जाता है, न कि भावनात्मक टकराव या सार्वजनिक दबाव से।

ताजमहल विश्व की सबसे प्रसिद्ध धरोहरों में से एक है। यह न केवल भारत की पहचान है, बल्कि विश्व विरासत सूची में भी शामिल है। इसके संरक्षण की जिम्मेदारी केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी मानी जाती है। इसलिए इसके संबंध में होने वाली हर कार्रवाई अत्यंत सावधानी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप होनी चाहिए। यदि भविष्य में किसी प्रकार की जांच या सर्वेक्षण होता है, तो उसका उद्देश्य भी ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट करना होना चाहिए, न कि किसी प्रकार का वैमनस्य उत्पन्न करना।

यह भी उल्लेखनीय है कि "तेजोमहालय" सिद्धांत लंबे समय से सार्वजनिक चर्चा का विषय रहा है। इसके समर्थक अपने पक्ष में विभिन्न तर्क प्रस्तुत करते हैं, जबकि अधिकांश पेशेवर इतिहासकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण उपलब्ध ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर इसे स्वीकार नहीं करते। यही कारण है कि इस विषय पर मतभेद बने हुए हैं और अंतिम निष्कर्ष को लेकर अभी भी बहस जारी है। जब तक न्यायालय और संबंधित संस्थाओं द्वारा किसी नए साक्ष्य की पुष्टि नहीं होती, तब तक स्थापित ऐतिहासिक दृष्टिकोण और वैकल्पिक दावों दोनों को उनके उचित संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए।

अंततः यह विवाद केवल ताजमहल की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह इस प्रश्न से भी जुड़ा है कि किसी राष्ट्र का इतिहास किस प्रकार लिखा जाए, नए साक्ष्यों का मूल्यांकन कैसे हो और न्यायपालिका की भूमिका क्या हो। यदि किसी ऐतिहासिक दावे की जांच की मांग की जाती है तो उसका निर्णय वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमाणिक दस्तावेजों और संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही होना चाहिए। एक परिपक्व लोकतंत्र की यही पहचान है कि वह इतिहास से जुड़े कठिन प्रश्नों से बचने के बजाय उन्हें तथ्यों की कसौटी पर परखे। आज ताजमहल और तेजोमहालय को लेकर जो बहस चल रही है, उसका अंतिम उत्तर न्यायालय, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रमाणिक साक्ष्यों के संयुक्त परीक्षण से ही सामने आएगा। तब तक यह विषय इतिहास, कानून और समाज के बीच चल रहे एक महत्वपूर्ण विमर्श के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले धैर्य, विवेक और तथ्यपरक दृष्टि बनाए रखना सबसे अधिक आवश्यक है।

आशाओं पर आकाश टिका है, सपनों के पीछे सार्थक कठोर श्रम ही सफलता श्रेष्ठ प्रतिफल है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कथन है भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आज आप क्या करते हैं। वर्तमान का प्रत्येक क्षण भविष्य की नींव रखता है। समय का सदुपयोग और नियमित परिश्रम ही आने वाले कल को उज्ज्वल बनाते हैं। मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह है आशा। आशा वह अदृश्य ऊर्जा है जो निराशा के घोर अंधकार में भी मनुष्य के भीतर प्रकाश जलाए रखती है। यही आशा मन में सपनों को जन्म देती है और वही सपने मनुष्य को साधारण से असाधारण बनने की प्रेरणा देते हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि केवल सपने देख लेने से मंज़िल नहीं मिलती। सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्प, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और कठोर श्रम की आवश्यकता होती है। इसीलिए कहा जाता है कि आशाओं पर आकाश टिका है और सपनों के पीछे किया गया सार्थक कठोर श्रम ही सफलता की वास्तविक कुंजी है।

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। संत कबीर। मानव सभ्यता का इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि संसार की प्रत्येक महान उपलब्धि किसी व्यक्ति के मन में जन्मे एक छोटे-से स्वप्न से प्रारंभ हुई। जब उन स्वप्नों को परिश्रम का आधार मिला, तब वे इतिहास बन गए। यदि राइट बंधुओं ने उड़ने का सपना न देखा होता, यदि एडिसन ने अंधकार मिटाने का संकल्प न लिया होता, यदि भारत के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में अपनी पहचान बनाने का सपना न देखा होता, तो मानव प्रगति का स्वरूप आज कुछ और होता।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था–

"सपने वे नहीं जो आप नींद में देखते हैं, सपने वे हैं जो आपको सोने नहीं देते।"

यह कथन बताता है कि वास्तविक सपना वही है जो व्यक्ति के भीतर बेचैनी पैदा करे और उसे निरंतर कर्म करने के लिए प्रेरित करे। डॉ. कलाम स्वयं अत्यंत साधारण परिवार से थे, लेकिन उनकी अटूट लगन, अनुशासन और अथक परिश्रम ने उन्हें "मिसाइल मैन" और भारत के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद तक पहुँचाया। स्वामी विवेकानंद का प्रेरक संदेश आज भी करोड़ों युवाओं के लिए जीवन-दर्शन है–

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।"

यह केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि सफलता का शाश्वत सूत्र है। जीवन में वही व्यक्ति आगे बढ़ता है जो कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका सामना करता है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं–

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।"

अर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता में नहीं। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना महाभारत के समय था। जो व्यक्ति बिना परिणाम की चिंता किए पूरी निष्ठा से कर्म करता है, सफलता अंततः उसी के चरण चूमती है।

वर्तमान का प्रत्येक क्षण भविष्य की नींव रखता है। समय का सदुपयोग और नियमित परिश्रम ही आने वाले कल को उज्ज्वल बनाते हैं।विश्व के सफल उद्यमी बिल गेट्स कहते हैं–

"धैर्य सफलता का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है।"वास्तव में अधीर व्यक्ति मंज़िल से पहले ही थक जाता है, जबकि धैर्यवान व्यक्ति अंततः अपने लक्ष्य तक पहुँच ही जाता है। महान आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने हजारों असफल प्रयोगों के बाद विद्युत बल्ब का सफल आविष्कार किया। उन्होंने कहा था प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानवे प्रतिशत परिश्रम है। यह कथन इस भ्रम को तोड़ देता है कि सफलता केवल प्रतिभाशाली लोगों को मिलती है। वास्तव में सफलता उसी को मिलती है जो लगातार प्रयास करता रहता है।

विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का कहना था–

"मैं कोई विशेष प्रतिभाशाली नहीं हूँ, मैं केवल समस्याओं के साथ अधिक समय तक बना रहता हूँ।"

यह कथन धैर्य और निरंतरता का महत्व स्पष्ट करता है। कठिन समस्याएँ प्रतिभा से नहीं, बल्कि धैर्य और लगातार प्रयास से हल होती हैं।

दक्षिण अफ्रीका के महान नेता नेल्सन मंडेला ने कहा था–

"काम तब तक असंभव लगता है, जब तक वह पूरा नहीं हो जाता।"

उन्होंने 27 वर्ष जेल में बिताए, लेकिन आशा का दामन नहीं छोड़ा। अंततः वही व्यक्ति रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष का वैश्विक प्रतीक बन गया।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था–

"सफलता अंतिम नहीं, असफलता घातक नहीं; आगे बढ़ते रहने का साहस ही सबसे महत्वपूर्ण है।"

जीवन में असफलताएँ अंत नहीं होतीं, बल्कि सफलता की सीढ़ियाँ होती हैं।

भारत के महान उद्योगपति जे.आर.डी. टाटा का मानना था कि–

"उत्कृष्टता संयोग से नहीं आती, बल्कि निरंतर प्रयास का परिणाम होती है।"

यही कारण है कि टाटा समूह आज विश्वसनीयता और उत्कृष्टता का पर्याय माना जाता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से अनेक अवसरों पर कहा है कि "सपनों को संकल्प बनाइए और संकल्प को पुरुषार्थ से सिद्ध कीजिए।" यह संदेश बताता है कि केवल कल्पना नहीं, बल्कि पुरुषार्थ ही सफलता का आधार है।

प्रकृति स्वयं हमें श्रम का संदेश देती है। सूर्य प्रतिदिन बिना रुके उदित होता है, नदी निरंतर बहती रहती है, वृक्ष वर्षों तक धूप, वर्षा और आँधियों को सहकर फल देते हैं। चींटी बार-बार गिरकर भी अपने लक्ष्य तक पहुँच जाती है। प्रकृति का प्रत्येक दृश्य यह सिखाता है कि निरंतर कर्म ही विकास का नियम है।

आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री या प्रतिभा पर्याप्त नहीं है। सफलता के लिए ज्ञान के साथ कौशल, अनुशासन, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। जो युवा अपने समय का सम्मान करते हैं, लक्ष्य निर्धारित करते हैं और कठिन परिश्रम से पीछे नहीं हटते, वही भविष्य के निमार्ता बनते हैं। इतिहास के पन्ने ऐसे असंख्य उदाहरणों से भरे पड़े हैं, जहाँ साधारण परिस्थितियों में जन्मे लोगों ने अपने परिश्रम से असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर भारतीय संविधान के निमार्ता बनने का गौरव अर्जित किया। लाल बहादुर शास्त्री ने अभावों के बीच सादगी, ईमानदारी और कर्मठता से देश का नेतृत्व किया। इन महान व्यक्तित्वों का जीवन बताता है कि परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि संकल्प और श्रम व्यक्ति का भविष्य तय करते हैं।

सफलता का मार्ग कभी सरल नहीं होता। उसमें संघर्ष है, असफलताएँ हैं, आलोचनाएँ हैं और अनेक बार अकेलापन भी है। किंतु जो व्यक्ति इन सबके बीच अपनी आशा को जीवित रखता है और अपने श्रम पर विश्वास करता है, वही अंततः इतिहास रचता है। असफलता केवल यह संकेत देती है कि अभी प्रयास अधूरा है; वह कभी भी अंतिम निर्णय नहीं होती।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हमारे युवाओं में केवल बड़े सपने देखने की प्रवृत्ति ही न हो, बल्कि उन सपनों को साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करने का साहस भी हो। मोबाइल और सोशल मीडिया के आकर्षण में समय नष्ट करने के बजाय यदि वही समय अध्ययन, कौशल विकास, नवाचार और आत्मविकास में लगाया जाए, तो भारत का भविष्य और भी उज्ज्वल हो सकता है।

यही कहा जा सकता है कि आशा जीवन का प्रकाश है, सपना उसकी दिशा है और परिश्रम उसकी गति। ये तीनों मिलकर ही सफलता का स्वर्णिम अध्याय लिखते हैं। भाग्य अवसर दे सकता है, लेकिन उपलब्धि केवल कर्म देता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को बड़े सपने देखने चाहिए, परंतु उनसे भी बड़ा अपना पुरुषार्थ बनाना चाहिए।।महान कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कहा था–

विश्वास वह पक्षी है जो भोर होने से पहले ही प्रकाश का अनुभव कर लेता है। यही विश्वास आशा को जन्म देता है और आशा से प्रेरित श्रम सफलता का द्वार खोल देता है। हम सब यह संकल्प लें कि जीवन में आशा का दीप कभी बुझने नहीं देंगे, बड़े सपने देखने का साहस बनाए रखेंगे और उन सपनों को अपने परिश्रम, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण से साकार करेंगे। क्योंकि सफलता किसी चमत्कार का परिणाम नहीं, बल्कि निरंतर श्रम, अटूट विश्वास और अडिग संकल्प का प्रतिफल है। सच ही कहा गया है–आशाओं पर आकाश टिका है और सपनों के पीछे सार्थक कठोर श्रम ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार,लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़,

लॉर्ड्स की जीत

लॉर्ड्स की धरा गूँज उठी हैं आज,
हिंदुस्तान का ऊँचा हुआ है ताज।
बेटियों ने ऐसा कमाल हैं दिखाया,
विश्व को झुका शिखर पर बैठाया।

बल्ले ने जब राग विजय का छेड़ा,
हरेक चौके-छक्के ने जोश बिखेरा।
यस्तिका का शतक चमक निराली,
यूं हर पारी बनी साहस की लाली।

ये क्रांति की गेंदों ने जाल बिछाया,
सात विकेट लेकर इतिहास रचाया।
उनका हर गेंद में था विश्वास अपार,
झुका इंग्लैंड का अभिमान साकार।

यह केवल मात्र टेस्ट जीत ही नहीं,
नारी शक्ति का वंदन-अभिनंदन है।
मेहनत, साहस व आत्मविश्वास का,
विश्व मंच पे महिला क्रिकेट वंदन है।

ये सलाम खिलाडी वीरांगनाओं को,
जिन्होंने तिरंगे का "मान" हैं बढ़ाया।
यूं लॉर्ड्स की पावन धरा पर जाकर,
भारत का स्वर्णिम इतिहास रचाया।
(संदर्भ - लॉर्ड्स फतह, बेटियों ने रचा इतिहास।)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

विश्व युवा कौशल दिवस पर नोएडा में रोजगार मेले का आयोजन, 257 युवाओं का चयन

राजकीय आईटीआई नोएडा में 12 कंपनियों ने लिया हिस्सा, 437 अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर

विश्व युवा कौशल दिवस (15 जुलाई) के उपलक्ष्य में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), नोएडा में मंगलवार को जनपद स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने किया।

रोजगार मेले में 12 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जबकि जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों से 437 अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 257 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों द्वारा चयन किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से अपने तकनीकी कौशल को निरंतर विकसित करने और रोजगार के नए अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा के प्रधानाचार्य अवनीन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि संस्थान गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि संस्थान समय-समय पर रोजगार मेलों का आयोजन कर उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित करता है, जिससे प्रशिक्षुओं एवं युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें।

रोजगार मेले के सफल आयोजन में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गौतमबुद्धनगर के जिला कौशल प्रबंधक रवि कुमार प्रजापति एवं पूनम सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

(सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल में किशोरियों के विधिक अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवैधानिक अधिकार, पॉक्सो एक्ट और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर दी गई जानकारी

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर (दादरी)

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में तहसील दादरी स्थित सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल में मंगलवार को "किशोरियों के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर की सचिव शिवानी रावत ने की।

कार्यक्रम में छात्राओं को संवैधानिक अधिकार, मौलिक अधिकार, शिक्षा का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, पॉक्सो अधिनियम तथा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के बारे में भी बताया।

इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन संदीप शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा, विद्यालय का शिक्षकीय स्टाफ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नामित पराविधिक स्वयंसेवक बालचंद नागर, रोहताश सिंह और सतपाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया और विधिक अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

(सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

हत्या के प्रयास के वांछित आरोपी को अवैध तमंचे सहित गिरफ्तार, अलीगंज पुलिस की कार्रवाई

समाज जागरण एटा

जनपद एटा के थाना अलीगंज पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को अवैध देशी तमंचे के साथ गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. इलामारन के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पाण्डेय एवं अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) योगेन्द्र सिंह के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार थाना अलीगंज पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 157/2026, धारा 115(2), 109(1), 190, 191(2), 191(3), 351(3), 352 एवं 329(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत वांछित आरोपी रामपाल पुत्र अतर सिंह, निवासी ग्राम गोरापम, थाना अलीगंज, जनपद एटा (उम्र लगभग 52 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध देशी तमंचा बरामद हुआ। इसके आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा 3/25 की भी बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार, हेड कांस्टेबल दिलीप कुमार, कांस्टेबल मोहित कुमार तथा आरक्षी पुष्पेन्द्र सिंह शामिल रहे।

बीओसीडब्ल्यू डिजिटल श्रम चौपाल मोबाइल ऐप से निर्माण श्रमिकों को मिलेगा रोजगार एवं सरकारी योजनाओं का लाभ

निर्माण श्रमिकों और नियोजकों के लिए विकसित डिजिटल मंच, पारदर्शी व्यवस्था से उपलब्ध होंगे रोजगार के अवसर

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर

अपर श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश राकेश द्विवेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा निर्माण श्रमिकों को रोजगार के अवसरों तथा शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बीओसीडब्ल्यू डिजिटल श्रम चौपाल मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। यह मोबाइल अनुप्रयोग निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों के मध्य एक प्रभावी डिजिटल माध्यम के रूप में कार्य करेगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक के माध्यम से श्रमिकों तक सुविधाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विकसित इस मोबाइल अनुप्रयोग पर भवन एवं अन्य सन्निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक अपना पंजीकरण करा सकेंगे। वहीं बिल्डर, ठेकेदार, निर्माण एजेंसियां तथा अन्य नियोजक भी अपनी आवश्यकता के अनुरूप श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इस मंच पर पंजीकरण कर सकेंगे।

अपर श्रमायुक्त ने बताया कि यह अनुप्रयोग एंड्रॉयड मोबाइल पर उपलब्ध होगा तथा डिजिटल श्रम बाजार के रूप में कार्य करेगा। इसमें श्रमिक अपनी कार्य उपलब्धता अंकित करेंगे, जबकि नियोजक अपनी आवश्यकता के अनुसार पंजीकृत श्रमिकों से सीधे संपर्क स्थापित कर सकेंगे। इससे श्रमिकों को रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी तथा नियोजकों को प्रशिक्षित एवं पंजीकृत श्रमिक समय पर उपलब्ध हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि इस मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से निर्माण श्रमिक उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा पात्रता के अनुसार उनके लिए आवेदन भी कर सकेंगे। इससे शासकीय सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध हो सकेंगी।

अपर श्रमायुक्त ने जनपद के समस्त निर्माण श्रमिकों, निर्माणकर्ताओं, ठेकेदारों, निर्माण संस्थाओं, श्रमिक संगठनों तथा नागरिकों से अपील की कि वे इस मोबाइल अनुप्रयोग का अधिकाधिक उपयोग करें तथा अपने आसपास कार्यरत निर्माण श्रमिकों और नियोजकों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने सभी नियोजकों से अपने प्रतिष्ठानों तथा वहां कार्यरत निर्माण श्रमिकों को भी इस मंच पर पंजीकरण कराने का आग्रह किया, जिससे अधिक से अधिक पात्र श्रमिक एवं नियोजक इस डिजिटल व्यवस्था का लाभ प्राप्त कर सकें।

(सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

आईएएस परीक्षित खटाना ने अपर आयुक्त राज्य कर, गौतमबुद्धनगर (नोएडा) जोन का कार्यभार संभाला

अधिकारियों को पारदर्शिता, ईमानदारी और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2020 बैच के अधिकारी परीक्षित खटाना ने मंगलवार को अपर आयुक्त राज्य कर, गौतमबुद्धनगर (नोएडा) जोन का कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के उपरांत उन्होंने राज्य कर विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विभागीय कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

बैठक में अपर आयुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की मंशा के अनुरूप पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग की कार्यप्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जिससे करदाताओं का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो तथा विभाग की छवि जनहितैषी एवं पारदर्शी बने। उन्होंने अधिकारियों से आमजन एवं व्यापारी वर्ग के साथ सम्मानजनक, संवेदनशील और सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रत्येक करदाता की समस्याओं का समयबद्ध एवं विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उल्लेखनीय है कि परीक्षित खटाना इससे पूर्व मुख्य विकास अधिकारी, आजमगढ़ के पद पर कार्यरत रहे हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

(सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

सेक्टर-63 स्थित बार और मॉडल शॉप का आबकारी विभाग ने किया आकस्मिक निरीक्षण

मदिरा स्टॉक, अभिलेखों और लाइसेंस की जांच, सीसीटीवी एवं पीओएस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री के दिए निर्देश

संदीप गर्ग / समाज जागरण गौतमबुद्धनगर (नोएडा)

आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश तथा जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर के मार्गदर्शन में जनपद में चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत सोमवार को आबकारी विभाग ने सेक्टर-63 स्थित एक बार एवं मॉडल शॉप का आकस्मिक निरीक्षण किया।

जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर के पर्यवेक्षण में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 द्वारा एफएल-7 बार अनुज्ञापन "द फ्लाइंग डचमैन" तथा एफएल-4ए मॉडल शॉप का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बार में उपलब्ध मदिरा के स्टॉक, क्रय-विक्रय अभिलेखों तथा अनुज्ञापन (लाइसेंस) की वैधता का सत्यापन किया गया। वहीं मॉडल शॉप पर गोपनीय टेस्ट परचेज कर बिक्री प्रक्रिया की जांच की गई तथा काउंटर के समीप विभिन्न ब्रांडों की मदिरा का प्रदर्शन नियमानुसार सुनिश्चित कराया गया।

आबकारी विभाग की टीम ने अनुज्ञापियों एवं विक्रेताओं को निर्देश दिए कि प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे वास्तविक समय (रियल टाइम) में संचालित रहें तथा सभी बिक्री पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन के माध्यम से शत-प्रतिशत दर्ज की जाए, जिससे बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं आबकारी नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

नेत्रोत्सव के साथ श्रद्धालुओं के लिए खुले भगवान जगन्नाथ के कपाट, 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा

सेक्टर-121 से बाबा बालकनाथ मंदिर तक निकलेगी शोभायात्रा, भक्तों से शामिल होने की अपील

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडा

नोएडा के सेक्टर-121 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में मंगलवार को भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलराम, माता सुभद्रा एवं सुदर्शन महाराज का पावन नेत्रोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। देवस्नान पूर्णिमा के उपरांत परंपरा के अनुसार अनसर काल समाप्त होने के बाद भगवान के नवयौवन स्वरूप के प्रथम दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खोले गए।

नेत्रोत्सव के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान के दिव्य नेत्रों के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हुए सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। मंदिर परिसर पूरे दिन भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर रहा।

मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद बहल ने बताया कि 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य एवं पारंपरिक रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा दोपहर 3 बजे श्री जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-121 से प्रारंभ होकर सेक्टर-71 स्थित बाबा बालकनाथ मंदिर तक पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि रथयात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलराम, माता सुभद्रा एवं सुदर्शन महाराज दिव्य रथ पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। इस दौरान भक्तों को भगवान का रथ खींचने एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिलेगा। प्रमोद बहल ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में रथयात्रा में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में सम्मिलित होना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का महापर्व है, जिसमें शामिल होकर श्रद्धालु भगवान का विशेष आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

फेस-3 पुलिस ने मोबाइल लुटेरा गिरोह के दो बदमाश दबोचे, चोरी की बाइक व पांच मोबाइल बरामद

संदीप गर्ग समाज जागरण नोएडा

थाना फेस-3 पुलिस ने बीट पुलिसिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से मोबाइल लूट और चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, लूट एवं चोरी के पांच मोबाइल फोन तथा 2,800 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 13 जुलाई 2026 को सेक्टर-71 स्थित डंपिंग ग्राउंड सर्विस रोड के पास से विष्णु गुप्ता और सौरभ कुमार को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से एक चोरी की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 19 मई 2026 को सेक्टर-66 स्थित मामूरा क्षेत्र की एक इमारत से तीन मोबाइल फोन चोरी किए थे। इसके अलावा वे चोरी की मोटरसाइकिल से घूमकर राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनने की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विष्णु गुप्ता (34 वर्ष) निवासी गढ़ी चौखंडी, थाना फेस-3 (मूल निवासी जनपद एटा) तथा सौरभ कुमार (20 वर्ष) निवासी गढ़ी चौखंडी, थाना फेस-3 (मूल निवासी जनपद औरैया) के रूप में हुई है।

चोरी की एक हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (फर्जी नंबर प्लेट सहित) लूट एवं चोरी के पांच मोबाइल फोन 2,800 रुपये नकद पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया। साथ ही उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है, ताकि पूर्व में दर्ज मामलों में उनकी संलिप्तता का पता लगाया जा सके।

'सूचना प्रवाह' यूट्यूब चैनल पर मिलेगी सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की प्रामाणिक जानकारी

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की पहल, आमजन से आधिकारिक चैनल से जुड़ने की अपील

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर

उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यों की प्रामाणिक एवं विश्वसनीय जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल सूचना प्रवाह का शुभारंभ किया है।

अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने बताया कि निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के निदेशों के क्रम में यह पहल की गई है। इस चैनल के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, पूर्ण किए गए प्रमुख विकास कार्यों तथा शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों से संबंधित संक्षिप्त और प्रमाणिक जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि इस मंच के माध्यम से जनपदों की विकास यात्रा, नवाचारों एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को भी व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की सत्य एवं आधिकारिक जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो सके।

अपर निदेशक ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल सूचना प्रवाह को अधिक से अधिक संख्या में सब्सक्राइब करें और सरकारी योजनाओं, नीतियों तथा विकास कार्यों से संबंधित प्रमाणिक जानकारी प्राप्त करें।

(सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

ऑटो में बैठाकर लूट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार, एक किशोर अभिरक्षा में

लूटा गया मोबाइल, नकदी, वारदात में प्रयुक्त ऑटो और अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण नोएडा

थाना सेक्टर-63 पुलिस ने ऑटो में बैठाकर यात्रियों से लूटपाट करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी, वारदात में प्रयुक्त ऑटो और एक अवैध चाकू बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार पीड़ित ने थाना सेक्टर-63 में शिकायत दर्ज कराई थी कि तीन अज्ञात युवकों ने उसे बरौला जाने के बहाने ऑटो में बैठाया और पर्थला पुल से सेक्टर-80 की ओर सर्विस रोड पर सुनसान स्थान पर ले जाकर उसका मोबाइल फोन, एक हजार रुपये नकद लूट लिए। इसके बाद आरोपियों ने उसके मोबाइल से ऑनलाइन भी रुपये ट्रांसफर कर लिए।

शिकायत के आधार पर थाना सेक्टर-63 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4), 3(5) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-सी एवं 66-डी के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने बी-1 चौराहे के पास बंद पड़े पेट्रोल पंप की ओर जाने वाले सर्विस रोड से दानिश मलिक और चंदन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया एक मोबाइल फोन, 2,250 रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त ऑटो तथा एक अवैध चाकू बरामद किया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दानिश रात में ऑटो चलाता था, जबकि चंदन चाय की दुकान संचालित करता था। दोनों ने मिलकर लूटपाट की योजना बनाई थी। वे नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों से सवारी बैठाकर उन्हें सुनसान स्थान पर ले जाते, मोबाइल और नकदी लूट लेते तथा मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन धनराशि भी ट्रांसफर कर लेते थे। इसके बाद पीड़ित को सुनसान स्थान पर छोड़कर फरार हो जाते और लूटी गई रकम आपस में बांट लेते थे।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दानिश मलिक मूल रूप से सीतापुर जनपद का निवासी है और वर्तमान में छिजारसी कॉलोनी, थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में रहता है। वहीं चंदन शर्मा बिहार के नवादा जनपद का मूल निवासी है और वर्तमान में छिजारसी कॉलोनी में रह रहा है। प्रारंभिक जांच में दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है तथा उनके विरुद्ध विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध खनन व परिवहन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 87 वाहन सीज/चालान, 46.39 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

एक माह में 8 अवैध खनन और 79 अवैध परिवहन मामलों में प्रभावी कार्रवाई, सेक्टर-80 व सेक्टर-107 में भी चला अभियान

संदीप गर्ग समाज जागरण गौतमबुद्धनगर जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के निर्देश पर गौतमबुद्धनगर में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी ने बताया कि बीते एक माह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए 8 अवैध खनन एवं 79 अवैध परिवहन के मामलों में कुल 87 वाहनों को सीज अथवा चालान किया गया तथा 46,39,860 रुपये का अर्थदंड वसूला गया।

उन्होंने बताया कि 12 जुलाई 2026 को नोएडा के सेक्टर-80 स्थित ग्राम ककराला में रॉम्बस इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अवैध खनन किए जाने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक एक्सकैवेटर मशीन जब्त की गई। राजस्व विभाग द्वारा मौके पर पैमाइश कराई गई तथा उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली, 2021 के अंतर्गत नियमानुसार दंडात्मक एवं विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्राप्त शिकायत के आधार पर सेक्टर-107 में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), सिटी मजिस्ट्रेट एवं जिला खनन अधिकारी ने संयुक्त निरीक्षण किया। जांच में लगभग 4,065 घनमीटर साधारण मिट्टी का बिना अनुमति खनन एवं परिवहन पाया गया। इस मामले में 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए विधिक कार्रवाई की गई।

जिला खनन अधिकारी ने बताया कि अन्य मामलों में कासना थाना क्षेत्र से एक, रबूपुरा से एक, जेवर से एक तथा दनकौर से पांच एक्सकैवेटर मशीनें जब्त की गईं। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अभियान आगे भी निरंतर और कठोरता के साथ जारी रहेगा।

(सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

रात्रिकालीन निरीक्षण में हाईमास्ट व स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का लिया गया जायजा, जल्द पूरी तरह रोशन होगा ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र

आईबीए और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण, डार्क स्पॉट समाप्त करने पर जोर

संदीप गर्ग समाज जागरण ग्रेटर नोएडा

ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र को पूरी तरह प्रकाशमय एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण और इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए) ने संयुक्त रूप से रात्रिकालीन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हाईमास्ट एवं स्ट्रीट लाइटों की कार्यप्रणाली, प्रकाश की गुणवत्ता तथा शेष स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था को शीघ्र पूरा करने की कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

आईबीए के अध्यक्ष अमित उपाध्याय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक, विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक अजीतभाई पटेल, प्रबंधक विपिन कुमार एवं तकनीकी अधिकारी नेत्रपाल के साथ ईकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान हाईमास्ट लाइटों एवं स्ट्रीट लाइटों की रोशनी, उनकी कार्यक्षमता तथा जिन स्थानों पर पोल नहीं होने के कारण प्रकाश व्यवस्था अधूरी है, उनका विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। अधिकारियों ने ऐसे सभी स्थानों पर शीघ्र पोल स्थापित कर स्ट्रीट लाइट लगाने का आश्वासन दिया। साथ ही, पेड़ों की शाखाओं से बाधित प्रकाश व्यवस्था को सुचारु करने के लिए हॉर्टिकल्चर विभाग को आवश्यक छंटाई कराने के निर्देश दिए गए।

संयुक्त टीम ने चौगानपुर गोलचक्कर से घंटा चौक तथा घंटा चौक से पुलिस लाइन जाने वाले मार्ग का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि इन मार्गों पर भी शीघ्र बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा ईकोटेक-3 के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर आकर्षक सजावटी प्रकाश व्यवस्था विकसित कर क्षेत्र को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

आईबीए अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल समस्याएं उठाना नहीं, बल्कि प्राधिकरण के साथ समन्वय स्थापित कर उनका स्थायी समाधान सुनिश्चित कराना है। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट लाइट, सड़क, जल निकासी एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए आईबीए लगातार सुझाव और फॉलो-अप करता रहा है, जिसका सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है।

आईबीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण शर्मा ने कहा कि रात्रिकालीन निरीक्षण से स्पष्ट है कि प्राधिकरण गुणवत्तापूर्ण कार्य कर रहा है। संस्था आगे भी विकास कार्यों की सकारात्मक निगरानी करती रहेगी ताकि औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकें।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एन.जी. ने कहा कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों को आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाओं से युक्त बनाना प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्ट्रीट लाइट, सड़क, जल निकासी एवं अन्य विकास कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं।

ओएसडी अभिषेक पाठक ने कहा कि दो वर्ष पूर्व जहां ईकोटेक-3 में कई स्थानों पर अंधेरा और डार्क स्पॉट थे, वहीं आज अधिकांश मार्ग हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटों की रोशनी से जगमगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शेष स्थानों पर भी शीघ्र प्रकाश व्यवस्था पूरी कर दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान आईबीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण शर्मा, उपाध्यक्ष नरेश चौहान, सेक्टर सचिव (ईकोटेक-3) अरविंद भाटी, कार्यकारिणी सदस्य संजय पांचाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। आईबीए ने प्राधिकरण के अधिकारियों और तकनीकी टीम की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि आपसी समन्वय से ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों को देश के सबसे आधुनिक और सुव्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल किया जाएगा।

आबकारी अधिकारी कुकर शराब विक्रेताओं की चेकिंग की।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में एवं उप आबकारी आयुक्त ,आगरा प्रभार एवं जिला आबकारी

अधिकारी ,फिरोजाबाद के कुशल निर्देशन में आज दिनाँक 14/07/2026 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद मय स्टाफ क्षेत्र अंतर्गत फुटकर देशी मदिरा दुकान एवं कंपोजिट दुकान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान पर एवं कैंटीन परिसर में साफ सफाई रखने, दुकान के बाहर मदिरा का सेवन न करने देने, दुकान पर मांग के अनुरूप ब्रांडो की उपलब्धता बनाए रखने, पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किए जाने, सीसीटीवी कैमरा निरंतर संचालित रखने, पोस मशीन से (100%) शत-प्रतिशत बिक्री किए जाने अभिलेखों को अद्यतन रखने, ऑनलाइन पेमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मूल्य पर ही मदिरा की बिक्री किए जाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बी०डी०एम० गर्ल्स डिग्री कॉलेज, स्टेशन रोड।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। फिरोजाबाद में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर उ०प्र० कौशल विकास मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्ययोजना, राजकीय आई०टी०आई एंव सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले का उद्घाटन श्री विजय प्रताप यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फिरोजाबाद द्वारा फीता काटकर किया गया, जिसमें जिला समन्वयक, श्रीमती नेहा वाजपेयी, प्राचार्या, श्रीमती गीता यादवेन्दु, आदि द्वारा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जी का बुके देकर स्वागत किया गया। मेले में 10 नियोक्ता कम्पनियों एंव 354 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया

गया। जिसमें से 116 प्रशिक्षणार्थियो को नियोक्ता कम्पनियों द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा समस्त नियोक्ता कम्पनियों से वार्ता कर जॉब के बारे में विस्तृत जानकारी ली गयी। मौके पर मुख्य अतिथि महोदय द्वारा लगभग 25 युवक-युवतियों को ऑफर लेटर वितरित किये गये। कौशल विकास मिशन से जिला समन्वयक,नेहा बाजपेयी, जिला कौशल प्रबन्धक सत्येन्द्र श्रीवास्तव, पंकज यादव व जिला प्रोग्राम मैनेजर, बीपीएम हरि बाबू, व कॉलेज से मुकेश कुमार, जिला सेवायोजन कार्यालय से सुमन राजकीय आई.टी.आई. शिकोहाबाद से अलका, व यूपीएसडीएम के केन्द्र प्रबन्धक सैय्यद सावेज अली, वीरपाल सिंह, शैलेश कुमार शिवकान्त, कुलदीप यादव, व अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

बिहार से चरस लाकर यूपी में सप्लाई करने वाले चार तस्कर गिरफ्तार, 20 लाख की चरस बरामद।

फिरोजावाद। रसूलपुर पुलिस और एएनटीएफ आगरा की संयुक्त कार्रवाई, अंतर्राज्यीय गैंग का खुलासा

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। बिहार से चरस लाकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गैंग का रसूलपुर पुलिस और एएनटीएफ आगरा की टीम ने पदार्फाश किया है। संयुक्त टीम ने चार शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 किलो 781 ग्राम चरस बरामद की है। बरामद चरस की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी बिहार से सस्ते दामों पर चरस खरीदकर आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा समेत प्रदेश के अन्य जिलों में चार से पांच गुना अधिक कीमत पर बेचते थे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी एएनटीएफ आगरा व क्षेत्राधिकारी नगर फिरोजाबाद के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने रेलवे रोड स्थित गली नंबर दो के पास से चारों तस्करों को गिरफ्तार किया।

तलाशी में पुलिस को आरोपियों के पास से 6 किलो 781 ग्राम चरस, चार मोबाइल फोन, 2900 रुपये नकद, तीन बैग, एक डेबिट कार्ड, आधार कार्ड और एक एक्टिवा स्कूटी बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर थाना रसूलपुर में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बिहार से लाते थे चरस, यूपी में करते थे सप्लाई पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बिहार से चरस खरीदकर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में थोक और फुटकर में बिक्री करते थे। पुलिस गिरोह के बैकवर्ड और फारवर्ड लिंक खंगाल रही है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों पर गैंगस्टर और पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाएगी।

ये हुए गिरफ्तार लोगों के नाम बबलू कुमार पुत्र रमेश सहनी, निवासी बेगूसराय (बिहार)अरविंद साहनी पुत्र अशोक साहनी, निवासी आगरा विजय कुमार पुत्र अनिल कुमार महतो, निवासी समस्तीपुर (बिहार) मनोज कुमार पुत्र राम चरण, निवासी आगरा

डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में IMA के चिकित्सकों का संयुक्त परिवार द्वारा सम्मान।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद।अखिल भारतीय देववाणी परिषद, संस्कृत भारती परिवार एवं "संयुक्त परिवार सुखी परिवार" के संयुक्त तत्वाधान में डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में एम.जी. गर्ल्स इंटर कॉलेज में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गणेश शर्मा ने की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ क्टअ अध्यक्ष डॉ. जलज गुप्ता, सचिव डॉ. विनोद अग्रवाल व अन्य चिकित्सकों द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। संचालन जिला प्रवक्ता डॉ. मयंक भटनागर ने किया।

कार्यक्रम की प्रमुख बातें:

- अनुप चंद्र जैन एडवो. ने चिकित्सकों को "धरती का देवता" बताते हुए कहा कि "सिम्पथी" से बड़ी कोई दवा नहीं होती।
- डॉ. देवेंद्र शास्त्री ने कहा कि आज समाज को संयुक्त परिवार की विशेष आवश्यकता है।
- कुलगुरु देवब्रत पांडेय ने बताया कि एकल परिवार से संयुक्त परिवार की यात्रा ही एक राष्ट्र को एक परिवार बनाने की भावना जागृत करेगी।

अनिल उपाध्याय ने कहा कि संयुक्त परिवार का विचार भले ही राजेश दुबे के मन में आया हो, पर यह किसी व्यक्ति विशेष की नहीं बल्कि पूरे जनपद की मुहिम है। इस अवसर पर सभी ने मिलकर नारा दियाः

"सुहाग नगरी फिरोजाबाद की आवाज - हम बनाएं एक राष्ट्र-एक परिवार, संयुक्त परिवार-सुखी परिवार"

डॉ. विनोद अग्रवाल ने संयुक्त परिवार

द्वारा डॉक्टर्स का सम्मान किए जाने तथा "परिवार जोड़ो अभियान" की विशेष प्रशंसा की।

इस अवसर पर डॉ. संतोष शर्मा, डॉ. अशोक द्विवेदी, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. मनीष जैन, डॉ. विवेक अग्रवाल, डॉ. वरुण शर्मा, डॉ. गौरव अग्रवाल, डॉ. भरत गुप्ता, डॉ. पीयूष शर्मा, डॉ. अभय गुप्ता, डॉ. कविता द्विवेदी, डॉ. कविता अग्रवाल, डॉ. मिली जैन, डॉ. आयुषी गुप्ता, सहित अनेक चिकित्सकों ने अपने संबोधन में आयोजन की सराहना की।

सभी चिकित्सकों का,,भानु उपाध्याय, डॉ. विवेक अग्रवाल, विवेक पचौरी, मोहित गर्ग, मनीष शर्मा, उमेश शर्मा, गौरव शर्मा, मनु शर्मा, विष्णु दुबे एवं खुशी दुबे, द्वारा चंदन तिलक, पीत-पट्टिका एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से पधारे S.N. मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद के प्राचार्य डॉ. योगेश कुमार गोयल ने कहा कि "एकल परिवार से संयुक्त परिवार की यात्रा करते हुए बिना भेदभाव, धर्म-जाति से ऊपर उठकर राष्ट्र को अपना परिवार मानने का यह प्रयास निश्चित ही राष्ट्र को जोड़ने का कार्य करेगा। आज इस परिवार का हिस्सा बनकर विशेष आत्मीय सम्मान पाकर अत्यंत खुशी महसूस हो रही है।"

अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. गणेश शर्मा ने कहा कि "क्टअ परिवार के डॉक्टर्स का इतने हर्षोल्लास के साथ सम्मान का यह पहला अवसर है। हम सभी डॉक्टर्स संयुक्त परिवार की विचारधारा से खुश हैं और जहां भी सहयोग चाहिए हम आपके साथ हैं।"

अंत में डॉ. मयंक भटनागर ने सभी का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

जलभराव से ग्रामीण परेशान, घरों तक पहुंचा गंदा पानी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर । बादशाहपुर गांव में तालाब का पानी लगातार घरों और गलियों में घुसने से ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर जमा हो गया है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के मौसम में हर साल यह समस्या उभरती है, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला जा रहा है। जलभराव के कारण मक्खी-मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और

महिलाएं सबसे अधिक परेशान हैं।खंड विकास अधिकारी ने बताया कि समस्या को देखते हुए जल्द ही गांव में नाला निर्माण कार्य कराया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे आश्वासन हर साल मिलते हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से कुछ नहीं होता।ग्राम प्रधान के पति मुला सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष तालाब की सफाई कराई गई थी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है। कि सफाई केवल कागजों पर हुई। वास्तविकता में तालाब की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि वे स्वयं गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लें और तालाब की समुचित सफाई के साथ स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि इस समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के जिलाध्यक्ष व नगराध्यक्ष का हुआ सम्मान

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद जनपद बिजनौर के नजीबाबाद मौहल्ला हवेलीतला में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की और से एक कार्यक्रम नगर अध्यक्ष नौशाद सैफी जी के आवास पर हाशिम अहमद भाई के 5वीं बार संगठन का जिलाध्यक्ष व नौशाद सैफी को तीसरी बार नगर अध्यक्ष नजीबाबाद बनने पर रखा गया। जिस में संगठन की ओर से जिलाध्यक्ष हाशिम अहमद व नगर अध्यक्ष नौशाद सैफी को संगठन के सभी सदस्यों शॉल ओढाकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार मरगूब हुसैन नासिर, अशरफ अली, शादाब जफर, डॉक्टर वसीम बारी, अल्ताफ रजा, मयंक कश्यप, शाही अराफात सैफी, शमीम सिद्दीकी, अब्दुल रऊफ,नसीम उस्मानी, सुहेल राजू ने दोनों मनोनीत पदाधिकारियो को मुबारकबाद देते हुए संगठन को मजबूत बनाने, एकता भाईचारे से चलाने और जनसमस्याओ को अपने अपने समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित करने का आवाहन किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हाशिम अहमद ने केक काटकर सभी लोगों का मुंह मीठा कराया। बैठक के अंत में डॉक्टर वसीम बारी व अल्ताफ रजा.की ओर से रात्रि भोज का आयोजन किया गया।

बैठक के अंत में संगठन के वरिष्ठ सदस्य डॉक्टर आफताब नोमानी जी की सास के इंतेकाल पर रंजोगम का इजहार करते हुए दुआएं मगफीरत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार मरगूब हुसैन नासिर ने की व संचालन डॉक्टर वसीम बारी ने किया बैठक में हाशिम अहमद, नौशाद सैफी, मरगूब हुसैन नासिर, अशरफ अली, शादाब जफर, डॉक्टर वसीम बारी, अल्ताफ रजा, मयंक कश्यप, शाही अराफात सैफी, शमीम सिद्दीकी, अब्दुल रऊफ,नसीम उस्मानी, सुहेल राजू आदि लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर से निकली 'स्कूल चलो अभियान' रैली, जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत आज जनपद बिजनौर के कलेक्ट्रेट परिसर से 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को जिलाधिकारी जसजीत कौर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों ने शिक्षा के महत्व एवं प्रत्येक बच्चे के विद्यालय में नामांकन को बढ़ावा देने संबंधी संदेशों से युक्त तख्तियां हाथों में लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली के दौरान छात्र-छात्राएं शिक्षा जागरूकता से जुड़े प्रेरक नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट परिसर से निर्धारित मार्गों पर निकले।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराने तथा नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : जिलाधिकारी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विदुर सभागार में आयुष्मान कार्ड, फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, आईजीआरएस तथा विकास खंडों में मिनी स्टेडियम एवं खेल मैदानों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकताओं की संतुष्टि का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत डिफॉल्टर श्रेणी में नहीं जानी चाहिए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त तथा जिला पूर्ति अधिकारी के स्तर पर असंतुष्ट फीडबैक की अधिक संख्या पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। वहीं, प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) के स्तर पर भी अधिक असंतुष्ट फीडबैक मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। विद्युत विभाग के संबंध में लगातार अधिक असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होने पर प्रबंध निदेशक को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

फैमिली आईडी की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। जलीलपुर एवं नूरपुर विकास खंडों की अपेक्षाकृत खराब प्रगति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए।

मिनी स्टेडियम एवं खेल मैदानों के निर्माण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने भूमि चिन्हीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही खेल मैदानों के लिए एक मानक डिजाइन तैयार कर कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने को कहा।

बैठक में उन्होंने चरागाह भूमि के चिन्हीकरण का कार्य शीघ्र पूरा कराने तथा इन चरागाहों की गौशालाओं के साथ मैपिंग कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त चिन्हित तालाबों की खुदाई शीघ्र प्रारंभ कराकर जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक शरदपाल सिंह, डी सी जी राम जी आरबी, उप कृषि निदेशक डॉ घनश्याम वर्मा समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृत सम्भाषण शिविर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

समाज जागरण

संभल। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा संचालित "गृहे-गृहे संस्कृत" योजना के अंतर्गत ग्राम धुरैटा के दिव्यलोक वाटिका में आयोजित 12 दिवसीय सरल संस्कृत सम्भाषण शिविर में संस्कृत शिक्षार्थियों ने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया।

शिविर की प्रशिक्षिका उर्वशी आर्य के नेतृत्व में संस्कृत सीख रहे बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में एक-एक पौधा रोपा और उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर बच्चों ने संस्कृत में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रेरक श्लोकों एवं वाक्यों का उच्चारण करते हुए प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया।

यह लाइव कार्यक्रम उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के समन्वयक अनिल गौतम और पूरी टीम ने देखा। और साथ ही संस्थान के समन्वयक ने सभी संस्कृत शिक्षार्थियों और ग्राम के गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, प्रकृति-प्रेम और जीवन मूल्यों की संवाहक है। जिस प्रकार माता हमें जीवन देती हैं, उसी प्रकार वृक्ष संपूर्ण मानवता को प्राणवायु, फल, छाया और शुद्ध पर्यावरण प्रदान करते हैं। इसलिए "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान मातृभक्ति और प्रकृति संरक्षण का अद्भुत संगम है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान तथा पौधारोपण महायज्ञ जन-जन को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का एक राष्ट्रीय अभियान है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। यदि हर व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाले वर्षों में देश हरित, स्वच्छ और पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक समृद्ध बन सकता है।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षार्थियों और ग्राम प्रधान ने ग्रामवासियों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, जल संरक्षण करने तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए "पौधारोपण महायज्ञ" को जनआंदोलन बनाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। संस्कृत, संस्कार और प्रकृति संरक्षण के अद्भुत समन्वय से सम्पन्न यह कार्यक्रम सभी के लिए प्रेरणादायी रहा तथा शिविर में अध्ययनरत बच्चों ने यह संदेश दिया कि "माँ का सम्मान और प्रकृति का संरक्षण–दोनों ही हमारे जीवन का सर्वोच्च दायित्व हैं।"

एक दर्जन बाइकों के चालान।

समाज जागरण

बबराला इंद्रा चौक पर यातायात पुलिस ने एक दर्जन मोटिफाइड बाइकों के चालान करने के साथ ही एक नाबालिग के द्वारा गाड़ी चलाने पर चालान किया है।

मंगलवार शाम को यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल सचिन डाबर ने यातायात नियमों का उलंघन करने पर दर्जन भर नोटिफाइड बाइकों का चालान कर दिया। जबकि एक नाबालिग को वाहन चलाते समय पकड़ कर चालान काटा है। यातायात पुलिस की इस कार्रवाई से इंदिरा चौक बबराला पर हड़कंप मचा रहा। लेकिन लोग यातायात पुलिस की इस कार्यवाही की सराहना करते नजर आए हैं।

स्केटिंग प्रतियोगिता में एबीसी किड्ज मॉन्टेसरी स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

समाज जागरण

चन्दौसी। स्केटिंग प्रतियोगिता में एबीसी किड्ज मॉन्टेसरी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साह, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के बच्चों ने कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत के बल पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित दर्शकों एवं निर्णायकों ने भी सराहना की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता भारती एवं विद्यालय परिवार ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि "खेल केवल जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और टीम भावना विकसित करने का सर्वोत्तम साधन है। ऐसे आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।जिसमें प्रथम - आर्यांश, एविशा ,कियारा ,आईश ,कौरव, रुद्र ,चौधरी प्रवेश, वैष्णवी, नयन अयनांश ,अन्नया ,मनस्वी ,वान्या ,अभियान ,मान ,ओर मेरारा ,

दुतीय - नक्श ,अश्वि ,मायषा ,विवान ,जय कुमार ,अहान ,प्रज्वल ,ईशिता ,अबूबकर ,अहमद ,अद्विका ,साँची, अन्य राय अग्रवाल

तृतीय - दर्श, मेशा ,मयंक ,आव्हान ,संवित अद्विक माधव ,अग्रवाल ,पूर्वांश आदि विजेता रहे।

इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएँ निशा, सोनल, स्मृति, खुशी, राधा, योगिता एवं अंकुल राणा सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

वृक्षारोपण मानव जीवन के लिए वरदान : मो. इसरार खान

समाज जागरण

संभल। केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा सरवर हुसैन इंटर कॉलेज, नूरियो सराय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वृक्षारोपण को मानव जीवन के लिए वरदान बताया गया।

केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों ने विद्यालय परिसर में बेल, नीम, सहजन, नींबू आदि के पौधे लगाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिल्बेंजा अस्पताल के स्वामी मो.इसरार खान ने कहा कि मानव बिना ऑक्सीजन के जीवित नहीं रह सकता और ऑक्सीजन केवल और केवल वृक्षों से ही प्राप्त होती है। इसलिए मानव के लिए वृक्ष प्राण के समान हैं।

उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अपने जीवनकाल में पांच-पांच वृक्ष लगाने का आह्वान किया और उन वृक्षों को अपने बच्चों या परिवार के सदस्य की तरह पालन-पोषण करने पर बल दिया।

केमिस्ट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष मो. शाहनवाज आलम ने बताया कि केमिस्ट एसोसिएशन समाज, राष्ट्र और मानव कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में साफ-सफाई अभियान, वृक्षारोपण अभियान के साथ-साथ समाज द्वारा अपेक्षित कार्य संपादित किए जाते रहते हैं।

इस अवसर पर सरवर हुसैन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य, शबाब आलम, दुर्वेश सैनी आदित्य शर्मा, सिराज अहमद, सुहेल खान, आरिफ अल्वी, असलम खान, तालिब हुसैन आदि सहित अनेक सदस्यों ने वृक्षारोपण किया। सभी ने वृक्षों की सुरक्षा, सिंचाई और परवरिश की जिम्मेदारी लेने का संकल्प भी व्यक्त किया।

केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री अजय कुमार शर्मा के निर्देशन में संपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

भौमवती अमावस्या पर्व पर गंगा पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी

समाज जागरण

बबराला आषाढ़ अमावस्या और दुर्लभ भौमवती अमावस्या के पावन संयोग पर मंगलवार को राजघाट गंगा घाट श्रद्धालुओं की आस्था से सराबोर रहा। तड़के ब्रह्ममुहूर्त से ही गंगा तट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। सूर्योदय के साथ ही हर-हर गंगे और जय मां गंगे के जयघोष से पूरा घाट क्षेत्र गूंज उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि और पितरों की कृपा की कामना की।

गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा अपने पितरों का स्मरण करते हुए उन्हें धोक (प्रणाम) लगाया। अनेक श्रद्धालुओं ने तिल, जल और पुष्प अर्पित कर पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ अमावस्या पर पितरों का स्मरण, तर्पण और दान करने से पितृ दोष शांत होता है तथा पूर्वजों के आशीर्वाद से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

घाट पर महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और दक्षिणा का दान भी किया। पूरे दिन घाट पर धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ का सिलसिला चलता रहा।

इस बार बना विशेष धार्मिक संयोग गंगा आरती पुरोहित सत्यम मिश्र ने बताया कि इस वर्ष की आषाढ़ अमावस्या अपने साथ एक विशेष और दुर्लभ धार्मिक संयोग लेकर आई है। जब अमावस्या मंगलवार के दिन पड़ती है तो उसे भौमवती अथवा भौमबारी अमावस्या कहा जाता है। सनातन धर्म में इस अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य, पितृ तर्पण और पूजा-अर्चना करने से सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक पुण्य फल की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि भौमवती अमावस्या पर पितरों का स्मरण करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है और जीवन में आने वाली अनेक बाधाएं दूर होती हैं। इस दिन किए गए दान और धार्मिक कार्यों का अक्षय फल प्राप्त होता है।

भक्ति और आस्था से सराबोर रहा गंगा तट

दिनभर राजघाट गंगा घाट पर धार्मिक वातावरण बना रहा। घाट पर कहीं श्रद्धालु गंगा पूजन करते दिखाई दिए तो कहीं परिवार सहित लोग पितरों का स्मरण कर आशीर्वाद मांगते नजर आए। गंगा की लहरों के बीच श्रद्धा, विश्वास और सनातन परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला।

आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण इस दिन राजघाट गंगा घाट एक बार फिर हजारों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था का केंद्र बना रहा। श्रद्धालुओं का मानना था कि मां गंगा की गोद में लगाई गई यह पुण्य डुबकी उनके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संदेश लेकर आएगी।

साइबर ठगी में जन सेवा केंद्र संचालक पर मुकदमा, गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना। मोबाइल पर लिंक भेजकर क्रेडिट कार्ड से 41928 रुपये ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जन सेवा केंद्र संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। हल्का इंचार्ज उपनिरीक्षक सतीश सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि तीन नवंबर 2025 को गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर–137 निवासी तनु गर्ग के मोबाइल पर पार्सल डिलीवरी के नाम पर एक लिंक भेजा गया। इसके बाद उसने लिंक खोलकर उसमें अपने क्रेडिट कार्ड की जानकारी भर दी। इसके बाद उसके क्रेडिट कार्ड से 41928 रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के बाद पता चला कि एमएमएस पर गांव मन्नामाजरा निवासी जन सेवा केंद्र संचालक अल्ताफ के मोबाइल नंबर से लिंक भेजा गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी अल्ताफ को गिरफ्तार करते हुए चालान कर दिया है।

अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

समाज जागरण

कैराना। आषाढ अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं ने यमुना नदी में आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं में सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया और परिवार की

खुशहाली के लिए कामना की। मंगलवार को आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर हरियाणा और यूपी के श्रद्धालुओं ने पहुंचकर यमुना नदी में स्नान किया। श्रद्धालुओं ने यमुना के पवित्र जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया। श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों को दान दक्षिणा और वस्त्र आदि भेंट किए। इस अवसर पर यमुना तट पर पुलिस और प्राइवेट गोताखोर तैनात रहे।

कैराना में यमुना का जलस्तर हुआ सामान्य

समाज जागरण

कैराना। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में बारिश बंद हो जाने के चलते यमुना का जलस्तर 12 सेंटीमीटर घटकर 228.82 मीटर हो गया। इससे बहाव सामान्य हो गया है। पांच दिन पूर्व पहाड़ों पर बारिश आने के चलते यमुना नदी का जलस्तर बढ़कर 229.41 मीटर हो गया था। लेकिन उसके बाद से पहाड़ों और मैदान इलाकों में बारिश बंद हो गई, जिससे चलते हथिनीकुंड बैराज पर पानी का दबाव कम होता चला गया। सोमवार सुबह आठ बजे हथिनीकुंड बैराज से यमुना में छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा 5108 क्यूसेक दर्ज की गई, जबकि मंगलवार सुबह आठ बजे हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा न्यूनतम स्तर 352 क्यूसेक दर्ज की गई। सोमवार सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर समुद्र तल से 228.94 मीटर पर बह रहा था, जो मंगलवार सुबह आठ बजे 12 सेंटीमीटर घटकर 228.82 मीटर पर दर्ज किया गया।

गोमांस प्रकरण में पांच आरोपियों की जमानत पर अब शुक्रवार को होगी सुनवाई

समाज जागरण

कैराना। गोमांस प्रकरण में जेल में बंद पांच आरोपियों की जमानत याचिका पर अदालत में सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि तय की है। गत 18 जून की रात पुलिस ने यमुना के किनारे से गोवंश का कटान पकड़ा था। बाद में पुलिस ने मोहल्ला रेतावाला में मुगल गार्डन पर छापा मारा था। मुगल गार्डन में मोहल्ला छड़ियान निवासी फरमान की वलीमे की दावत में गोवंश के मीट से खाना बनाया गया था। पुलिस ने मौके से दूल्हे फरमान और उसके मामा सलमान को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद मुगल गार्डन के मालिक हाजी अनीस, दूल्हे के पिता फुरकान और हलवाई खलील फरीदी सहित करीब नौ आरोपियों को जेल भेज दिया था। मामला में मंगलवार को दूल्हे के पिता फुरकान, मुगल गार्डन के मालिक हाजी अनीस, हलवाई खलील फरीदी, झिंझाना निवासी अशवाक और सादिक की जमानत याचिका पर अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में सुनवाई की गई। जमानत पर कोई फैसला नहीं होने पर अदालत ने सुनवाई के लिए अपनी तारीख शुक्रवार की लगाई है।

साइबर ठगी से बचाव को आदर्श मंडी पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन में मंगलवार को आदर्श मंडी थाना पुलिस ने क्षेत्र में साइबर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के प्रति जागरूक किया।पुलिस ने फर्जी निवेश, ऑनलाइन ट्रेडिंग, डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई फ्रॉड, ओटीपी ठगी, फर्जी कस्टमर केयर

नंबर और सोशल मीडिया हैकिंग जैसे साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए लोगों से बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने की अपील की। साथ ही संदिग्ध लिंक, क्यूआर कोड और फर्जी ऐप से सावधान रहने की सलाह दी।पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें www.cybercrime.gov.inपर शिकायत दर्ज कराएं। आमजन से सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया गया।

दहेज में बुलेट की मांग पर विवाहिता से मारपीट, मां को भी पीटा

--बच्चों के विवाद से लेकर गाय बांधने तक कई झगड़े, अलग-अलग मामलों में पुलिस ने की जांच शुरू

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर मारपीट की कई घटनाएं सामने आई हैं। दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल की मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट करने का मामला सामने आया है। वहीं बच्चों के मामूली विवाद, पड़ोसियों के झगड़े और गाय बांधने को लेकर भी संघर्ष हुआ। पुलिस ने सभी मामलों में तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव सुन्ना निवासी शाहरुख पर उसकी पत्नी आसमा ने दहेज में बुलेट मोटर साइकिल की मांग को लेकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। आसमा मूल रूप से जनपद बागपत के गांव गेडबरा की रहने वाली है। उसकी शादी करीब दस वर्ष पहले शाहरुख पुत्र आसक अली के साथ हुई थी।पीड़िता का आरोप है कि पति ने दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की। सूचना मिलने पर उसकी मां गफ्फारी और भाई तालिब हालचाल जानने के लिए ससुराल पहुंचे। आरोप है कि वहां शाहरुख और उसके परिजनों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी, जिसमें गफारी घायल हो गईं। इसके बाद विवाहिता अपनी मां और भाई के साथ थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी।दुसरी और कस्बे के गंगेरू मार्ग पर बच्चों के मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया।

बताया गया कि इमरान का पुत्र अरहम पड़ोस से दूध लेने गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर पड़ोसी साद पुत्र साबिर से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।मारपीट में दोनों युवक घायल हो गए। घायलों ने अपना डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।वहीं गांव नाला निवासी विपिन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पड़ोस के दो लोगों के बीच झगड़ा हो रहा था। इसी दौरान किसी ने उसके सिर पर ईंट मार दी, जिससे वह घायल हो गया।गंगेरू निवासी नदीम और उसकी पत्नी शबनम ने आरोप लगाया कि गाय बांधने के विवाद को लेकर परिवार के कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने सभी मामलों में कार्रवाई का आश्वासन देते हुए जांच शुरू कर दी है।

मुख्य बाजार में कूड़े के ढेर से लोगों में रोष, निस्तारण की मांग

समाज जागरण कांधला।

कस्बे की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मंगलवार सुबह पुराने पंजाब नेशनल बैंक से जैन स्थानक तक सड़क किनारे और नालियों के पास कूड़े के ढेर लगे मिले। मुख्य बाजार क्षेत्र में फैली गंदगी से परेशान लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद नगर पालिका की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे।आसपास के लोगों और दुकानदारों का आरोप है कि इस मार्ग पर कई दिनों से नियमित सफाई नहीं हो रही। सुबह दुकान खोलते ही उन्हें कूड़े और बदबू का सामना करना पड़ता है, जबकि यह कस्बे का प्रमुख बाजार है। लोगों का कहना है कि संबंधित क्षेत्र का सफाई नायक करीब एक माह से ड्यूटी पर नहीं आ रहा, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कीलोगों ने नगर पालिका

अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है

कि यदि जल्द सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

समाचार लिखे जाने तक नगर पालिका परिषद का आधिकारिक पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में अफकार इंडिया फाउंडेशन की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ता आबिद मजीदी ने संस्था द्वारा शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सोशल वर्क के छात्र नदीम पाशा और अदनान ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन कर छात्राओं को एडीएचडी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं से अवगत कराया। राहुल कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारणों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्था के रिजवान सैफी ने प्रधानाचार्या श्रीमती कविता, शिक्षकों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर निःशुल्क काउंसलिंग सुविधा की जानकारी दी। इस दौरान संस्था के कार्यकर्ता विद्यालय का स्टाफ का छात्राएं मौजूद रही।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में सख्त दिखे डीएम, लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के आधार पर विकास एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और स्पष्ट कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान पर्यटन एवं पशुपालन विभाग का कोई अधिकारी उपस्थित न मिलने पर जिलाधिकारी ने विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए। फैमिली आईडी कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अभियान

चलाकर शत-प्रतिशत कार्य पूरा कराने तथा लापरवाही बरतने वाले सचिवों को निलंबित करने के निर्देश दिए। यूपीनेडा को सभी सरकारी एवं अर्द्धसरकारी भवनों में ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के प्रस्ताव तैयार करने तथा विकास भवन में प्राथमिकता के आधार पर सोलर प्लांट स्थापित कराने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और लघु सिंचाई विभाग को मनरेगा के तहत 'कैच द रेन' अभियान को प्राथमिकता देने को कहा गया।जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को सभी नोडल अधिकारियों से स्कूलों का शत-प्रतिशत निरीक्षण कराने, निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा कराने तथा पूर्ण परियोजनाओं का हैंडओवर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कृषि, उद्यान, समाज कल्याण, आईसीडीएस, मत्स्य, एनआरएलएम, पीडब्ल्यूडी समेत अन्य विभागों के कार्यों और राजस्व मामलों की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्येन्द्र सिंह, सभी एसडीएम तथा संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

-24 घंटे में चेन स्नैचिंग का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल गिरफ्तार

--लूटी गई सोने की चेन, तमंचा और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद, साथी फरार

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

कोतवाली क्षेत्र के गाव खेड़ीकरमू में महिला से हुई चेन स्नैचिंग की घटना का पुलिस और स्वाट टीम ने 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया। मंगलवार को हुई पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, अवैध तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त होंडा एसपी-125 मोटर साइकिल बरामद की गई, जबकि उसका साथी अंधेरे और खड़ी फसल का फायदा उठाकर फरार हो गया।पुलिस के अनुसार 13 जुलाई को ग्राम खेड़ीकरमू निवासी महिला अंजली पत्नी सतीश कुमार अपने बच्चों को स्कूल छोड़कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो

बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली शामली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर घटना के खुलासे के लिए विशेष टीमें गठित की गईं।मंगलवार को कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम बाईपास पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया गया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें फहीम उर्फ छोला पुत्र सलीम निवासी किदवई नगर, थाना खालापार, जनपद मुजफ्फरनगर पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, .315 बोर का अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त होंडा मोटरसाइकिल बरामद की गई। घायल बदमाश को सीएचसी शामली में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।मुठभेड़ के दौरान आरोपी का साथी आदी उर्फ अदनान पुत्र नसीम अहमद निवासी किदवई नगर, थाना खालापार, जनपद मुजफ्फरनगर अंधेरे और खड़ी फसल का लाभ उठाकर फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कांबिंग और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी फहीम उर्फ छोला पर मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। इस मामले में भी कोतवाली शामली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसान कें फार्म हाउस से आयशर ट्रैक्टर चोरी , नौकर पर शक

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव गुर्जरपुर निवासी एक किसान के फार्म हाउस से चोर आयशर ट्रैक्टर चोरी कर ले गए। पीड़ित किसान ने अपने नौकर पर शक जताते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई और ट्रैक्टर बरामद कराने की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव गुर्जरपुर निवासी किसान परमेंद्र पुत्र जयपाल ने बताया कि उसका आयशर ट्रैक्टर फार्म हाउस पर खड़ा था। मंगलवार सुबह जब वह फार्म हाउस पहुंचा तो ट्रैक्टर वहां से गायब मिला। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा।पीड़ित का आरोप है कि थाना तीतरों क्षेत्र के गांव खानपुर कला निवासी उसका पूर्व नौकर अमित कुमार ट्रैक्टर चोरी की घटना में शामिल हो सकता है। इसी आधार पर उसने पुलिस को तहरीर देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने तथा चोरी हुआ ट्रैक्टर बरामद कराने की मांग की है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर आशा कार्यकर्ता पर एक हजार रुपये लेने का आरोप

--तीन माह बाद भी नहीं मिला प्रमाण पत्र, पीड़ित ने सीएमओ से कार्रवाई और धन वापसी की लगाई गुहार

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र की हमजा कॉलोनी, सलेमपुर रोड निवासी फारुख ने क्षेत्र की एक आशा कार्यकर्ता पर जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर एक हजार रुपये लेने और तीन माह बाद भी प्रमाण पत्र उपलब्ध न कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी शामली से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को हमजा कॉलोनी निवासी पीड़ित फारुख ने आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र में बताया कि क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता माया ने उसके बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का आश्वासन देकर उससे एक हजार रुपये नकद लिए थे। इसके बाद से वह लगातार प्रमाण पत्र दिलाने का भरोसा देती रही, लेकिन तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो जन्म प्रमाण पत्र बनवाया गया और न ही रुपये वापस किए गए। पीड़ित व्यक्ति का कहना है की कई बार आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर प्रमाण पत्र के संबंध में जानकारी ली, लेकिन हर बार अलग-अलग बहाना बनाकर उसे टाल दिया गया। इससे उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।पीड़ित ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि सरकारी कार्य के नाम पर धनराशि लेना और समय पर कार्य न करना नियमों के विरुद्ध है। उसने मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित आशा कार्यकर्ता के खिलाफ उचित कार्रवाई करने, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र शीघ्र उपलब्ध कराने अथवा ली गई धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त थाना प्रभार का किया स्वागत

समाज जागरण कांधला।

भाजपा मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को नवनियुक्त थाना प्रभारी बच्चू सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र की कानून व्यवस्था और जनसहयोग को लेकर चर्चा हुई।प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मंडल उपाध्यक्ष प्रतिभा उर्फ सिमरन ने किया। उन्होंने विश्वास जताया कि थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र की कानून व्यवस्था और मजबूत होगी। मंडल महामंत्री दीपक गुप्ता ने पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया।इस मौके पर भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट एवं ट्रेडिंग के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग के नाम पर ठगी किए जाने संबंधी एक शिकायत साइबर पोर्टल पर प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के दौरान आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कस्बा एलम के विकास नगर निवासी अमरीत पुत्र चन्द्रपाल को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ और जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

अग्रवाल समाज अब वोट बैंक नहीं, राष्ट्र निर्माण की शक्ति बनेगा"

विनीत अग्रवाल शारदा बोले - मेरठ में बनेगा भव्य अग्रसेन धाम

समाज जागरण

बागपत। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि अब अग्रवाल समाज किसी का वोट बैंक नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बनेगा। मंगलवार को बागपत में अग्रवाल समाज

की सभा को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता अभि मन्यु गुप्ता ने की। विनीत शारदा ने कहा कि मेरठ में श्री अग्रसेन धाम बन रहा है। इसमें मंदिर, 50 बेड का अस्पताल, वृद्धाश्रम, यज्ञशाला और 51 फुट की हनुमान प्रतिमा होगी। यह सनातन संस्कृति का राष्ट्रीय केंद्र बनेगा। उन्होंने कपिल गुप्ता को जिला अध्यक्ष, मनोज गोयल को नगर अध्यक्ष, दीपक गोयल को टटीरी अध्यक्ष, संजय गोयल को बड़ौत और संजय गर्ग को अमीनगर सराय अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज है। पीएम मोदी और योगी सरकार की योजनाओं से प्रदेश में विकास का नया इतिहास लिखा गया है। सभा में बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय कोताना में बच्चों को बांटे पौधे

समाज जागरण बागपत।

प्राथमिक विद्यालय कोताना नंबर 1 में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पौधे वितरित किए गए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक अंतिल ने बताया कि उन्होंने बच्चों को एक पेड़ मां के नाम लगाए जाने का संकल्प दिलाया। साथी बच्चों ने पेड़-पौधों की

देखरेख करने का वचन लिया। अशोक अंतिल ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वच्छ एवं ताजा रखते हैं और हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं। इसलिए सभी लोगों को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और अन्य लोगों को भी पेड़-पौधे लगाने के प्रति जागरूक करना चाहिए, तभी पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। इस मौके पर माहिरा, नजमा, रिया, सुमैया, जोया, सिंह खान हमजा, हिमांशु, देव वर्मा आदि बच्चों को पेड़-पौधे वितरित किए गए।

राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने भाजपा कार्यकताओं की समस्याएं सुनीं , शीघ्र निस्तारण का दिया आश्वासन

बिजली लोड बढ़ाने, व्यापारियों को गलत नोटिस और कोचिंग सेंटर खोलने का मुद्दा उठा; मंत्री ने अधिकारियों से वार्ता का भरोसा दिलाया

समाज जागरण बागपत।

उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी ने मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय पहुंचकर कार्य कताओं की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का भरोसा दिलाया। जिला महामंत्री अमित चौधरी ने मंत्री के समक्ष समस्या रखी कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में जाकर अनावश्यक रूप से विद्युत लोड बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता समस्या लेकर संबंधित विभाग में जाए तो उसका त्वरित समाधान किया जाए। जिला मंत्री एडवोकेट अंकित लपराना ने बताया कि विकास प्राधिकरण द्वारा बड़ौत नगर के व्यापारियों को गलत नोटिस जारी कर उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार की मंशा के विरुद्ध कार्य करने वाले अधिकारियों के खिलाफ शासन स्तर से कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों की सुविधा

के लिए कोचिंग सेंटरों को जल्द खोलने का अनुरोध किया। जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं और उनके सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाएगा। मंत्री जसवंत सैनी ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि कार्यकताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर विधायक योगेश

धामा, पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज पाल सिंह, सुदेश चौहान, जिला उपाध्यक्ष संजीव राठी, श्यामसुंदर गर्ग, जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल, अजय शर्मा, सरिता चौधरी, जिला सह मीडिया प्रभारी अमित उपाध्याय, दीपक भारती, सुधीर त्यागी, नवीन प्रधान सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महासाध्वी श्रेष्ठा जी एवं डॉ. चन्दना जी म.सा. का कालांवाली में मंगल प्रवेश, श्रद्धालुओं ने किया भव्य स्वागत

समाज जागरण

कालांवाली, 14 जुलाई (सुरेश जोरसिया) एस.एस. जैन सभा कालांवाली के तत्वावधान में मंगलवार को शाने पंजाब प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी श्री श्रेष्ठा जी महाराज साहिबा एवं श्रमणी गौरव महासाध्वी डॉ. श्री चन्दना जी महाराज साहिबा (ठाणा-5) का कालांवाली में मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने जयघोष, नवकार महा मंत्र के सामूहिक जाप एवं मंगल गीतों के साथ साध्वी मंडल का भव्य स्वागत किया। महासाध्वी श्री श्रेष्ठा जी म.सा. एवं महासाध्वी डॉ. श्री चन्दना जी म.सा. ने नरेश गर्ग जैन की नवकार कॉटन मिल, रोडी रोड से मंगल विहार करते हुए बाईपास रोड स्थित लवलीन जैन, पुत्र संथारा साधक स्वर्गीय श्री रुलदू राम जैन के निवास पर सुखसाता पूर्वक विराज मान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन एवं वंदन का सौभाग्य प्रदान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं और धर्म लाभ प्राप्त किया।

एस.एस. जैन सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि बुधवार, 15 जुलाई को सुबह 06 वजे महासाध्वी मंडल का कालांवाली में मंगलमय चातुर्मास प्रवेश होगा। जैन धर्म में चातुर्मास को अत्यंत पवित्र एवं आध्यात्मिक साधना का काल माना जाता है। इस अवधि में साधु-साध्वियां एक ही स्थान पर विराजमान रहकर धर्म प्रवचन, स्वाध्याय, तप, आराधना तथा संस्कारमय कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रवचन, सामायिक, प्रति क्रमण, स्वाध्याय एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन आयोजित किए जाएंगे। सभा अध्यक्ष सन्दीप जैन ने बताया कि चातुर्मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, सदाचार, अहिंसा, क्षमा और आत्म शुद्धि का अनुपम अवसर है। इस पावन काल में अधिक से अधिक लोग धर्म आराधना से जुड़कर अपने जीवन को सकारा त्मक दिशा देने का प्रयास करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महासाध्वी मंडल के प्रेरणादायी प्रवचनों से समाज में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं जैन सिद्धांतों से निकटता से जुड़ने का अवसर मिलेगा। जैन समाज एवं एस.एस. जैन सभा कालांवाली ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे प्रतिदिन दर्शन, वंदन एवं प्रवचनों का लाभ लेकर अपने जीवन को धर्ममय बनाएं तथा परिवार सहित चातुर्मास के सभी धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता निभाएं। एस.एस. जैन सभा कालां वाली के पदाधिकारी अध्यक्ष सन्दीप जैन एवं कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। एस.एस. जैन सभा कालांवाली ने समस्त जैन समाज एवं क्षेत्रवासियों से आग्रह किया कि वे महासाध्वी श्री श्रेष्ठा जी म.सा. एवं महासाध्वी डॉ. श्री चन्दना जी म.सा. के पावन सान्निध्य में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर दर्शन, वंदन एवं धर्मश्रवण का लाभ प्राप्त करें तथा मंगलमय चातुर्मास को सफल बनाने में अपना सहयोग दें।

बिजली विभाग की घोर लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश शिकायतों के बावजूद नहीं जागा बिजली विभाग

एसडीओ कालांवाली ने भी नहीं उठाया फोन

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) कंड्रा फैक्ट्री गांव कालांवाली में सुबह से ही बिजली के वोल्टेज में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। कभी लो वोल्टेज तो कभी हाई वोल्टेज के कारण घरेलू उपकरण खराब होने का खतरा बना रहा, और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार बिजली विभाग को बिजली सप्लाई हेल्पलाइन नंबर पर कई सुचना दि गई यह सिनसला सुबह 9बजे लेकर सांय 6 बजे तक आ रहे है, बिजली विभाग का खेल यूही चलता रहा। वर्जन विक्रमजीत एसडीओ कालांवाली को फोन के माध्यम से सुचना देना चाहा तो एसडीओ विक्रमजीत ने फोन उठाने की जहमत नही कि' क्या अधिकारी कोई अप्रिय घटना घटती होने का इंतजार करते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी जनता की शिकायत सुनने तक को तैयार नहीं हैं, तो आम लोगों को राहत कैसे मिलेगी? विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है और उनका कहना है कि यदि समय रहते बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर लापरवाही बरतने वाले अधि कारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को तत्काल सुधार किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

बिजली संकट पहुंचा मुख्यमंत्री दरबार, सांसद कुमारी सैलजा ने लिखा पत्र

स्थायी समाधान की उठाई मांगी

समाज जागरण

कालांवाली 14जुलाई (सुरेश जोरा सिया) चोरमार से कालांवाली आने वाली मुख्य विद्युत लाइन में लगातार आ रही तकनीकी खराबियों और बार-बार बाधित हो रही बिजली आपूर्ति का मामला अब मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर इस गंभीर जनसमस्या पर तत्काल हस्तक्षेप करने और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

13 जुलाई 2026 को लिखे गए पत्र में सांसद सैलजा ने कहा कि मुख्य विद्युत लाइन में लगातार आने वाली तकनीकी खामियों के कारण कालांवाली शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है। इसका सीधा असर आम नागरिकों, व्यापारियों, किसानों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्य संस्थानों, लघु उद्योगों और अन्य आवश्यक सेवाओं पर पड़ रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

सांसद ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस जनहित के महत्वपूर्ण विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने मांग की कि चोरमार-कालांवाली मुख्य विद्युत लाइन का तकनीकी परीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत, क्षमता वृद्धि, लाइन अपग्रे डेशन अथवा वैकल्पिक व्यवस्था जल्द से जल्द लागू की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से स्थायी राहत मिल सके। सांसद के इस हस्तक्षेप ने क्षेत्रवासियों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। लंबे समय से बिजली संकट झेल रहे लोगों को अब सरकार से त्वरित कार्रवाई की आस है। वहीं, यह पत्र बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है कि जब समस्या लंबे समय से बनी हुई है, तब भी उसका स्थायी समाधान क्यों नहीं किया गया। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री के निदेशों के बाद बिजली विभाग कितनी तेजी से कार्रवाई करता है और कालांवाली क्षेत्र को इस गंभीर समस्या से कब तक राहत मिलती है।

अनाज मंडी कालावाली की टूटी सड़कों की मरम्मत की मांग, मार्केट कमेटी चेयरमैन एवं सचिव को सौंपा प्रार्थना पत्र

समाज जागरण

कालावाली, 14 जुलाई (सुरेश जोरासिया) अनाज मंडी कालावाली में लंबे समय से टूटी एवं जर्जर सड़कों की समस्या को लेकर भाजपा मंडल महामंत्री श्री महेश आजाद ने मार्केट कमेटी के चेयरमैन एवं सचिव को प्रार्थना पत्र सौंपकर शीघ्र मरम्मत करवाने की मांग की।

श्री महेश आजाद ने कहा कि मंडी की अधिकांश सड़कें अत्यंत खराब स्थिति में हैं। जगह-जगह बने गड्ढों के कारण किसानों, आढ़तियों, मजदूरों तथा मंडी में आने वाले वाहन चालकों को प्रतिदिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है और मंडी की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि अनाज मंडी किसानों और व्यापारियों की आर्थिक गति विधियों का प्रमुख केंद्र है। इसलिए यहां की आधारभूत सुवि धाओं का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने मार्केट कमेटी के चेयरमैन एवं सचिव से आग्रह किया कि मंडी की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र सर्वे करवाकर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य शुरू कराया जाए, ताकि किसानों, आढ़तियों और मजदूरों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

श्री आजाद ने विश्वास व्यक्त किया कि मार्केट कमेटी के चेयरमैन एवं सचिव जनहित को सर्वोच्च प्राथ मिकता देते हुए इस महत्वपूर्ण समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे।

केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने हैदराबाद में 15वें ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया

श्री मांडविया ने सामाजिक न्याय, जिम्मेदार नवाचार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा द्वारा संचालित कार्य के मानव-केंद्रित भविष्य का आह्वान किया

उन्होंने कहा कि भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा २015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर २0२6 में एक अरब से अधिक लोगों तक पहुंच जाएगा

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज हैदराबाद में 15वें ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम (टीयूएफ) शिखर सम्मेलन 2026 का उद्घाटन किया और एक श्रमिक-केंद्रित वैश्विक व्यवस्था के निर्माण का आह्वान किया, जहां प्रोद्योगिकीय प्रगति सामाजिक न्याय, जिम्मेदार नवाचार और मानवीय गरिमा द्वारा निर्देशित हो। उद्घाटन सत्र में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय, "मजबूती, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण," यह सुनिश्चित करने की देश की प्रतिबद्धता को दशार्ता है कि कार्य का भविष्य समावेशी, न्यायसंगत और श्रमिकों के कल्याण पर केंद्रित रहे।

ब्रिक्स परिवार के सभी देशों के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, औद्योगिक सद्भाव को मजबूत करने और आर्थिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में ट्रेड यूनियनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन के प्रति प्रतिबद्ध है, जहां आर्थिक विकास और श्रमिकों का कल्याण सतत विकास के पूरक स्तंभ हैं। सरकार के श्रम सुधारों पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चार श्रम संहिताओं ने 29 श्रम कानूनों को एक सरल ढांचे में समेकित किया है, साथ ही श्रमिकों के अधिकारों को भी मजबूत किया है। ये सुधार सार्वभौमिक न्यूनतम मजदूरी, नियुक्ति पत्र, बेहतर व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, डिजिटल अनुपालन प्रणाली और पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करते हैं। डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत ने श्रम गवर्नेंस में बदलाव लाने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लाभ उठाया है। उन्होंने बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर 31.7 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है, जिससे वे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। वहीं, राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल रोजगार मंच के माध्यम से नौकरी चाहने वालों, नियोक्ताओं, कैरियर केंद्रों और प्रशिक्षण प्रदाताओं को जोड़ता है। भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), जिसके 8 करोड़ से अधिक सक्रिय सदस्य और 80 लाख पेंशनभोगी हैं, विश्व के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा संगठनों में से एक है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) 15 करोड़ से अधिक बीमित व्यक्तियों और उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि ईपीएफओ और ईएसआईसी में निरंतर सुधारों से कवरेज का विस्तार हुआ है, प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है और सेवा वितरण में सुधार हुआ है।

मंत्री महोदय ने कहा कि भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गया है, जिससे लगभग 94 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। वहीं, 2026 के प्रारंभिक अनुमान दशार्ते हैं कि यह दायरा एक अरब नागरिकों को पार कर गया है। रोजगार सृजन के विषय पर डॉ. मांडविया ने कहा कि पिछले दशक में लगभग 17 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का उद्देश्य रोजगार-संबद्ध प्रोत्साहनों के माध्यम से अगले दो वर्षों में औपचारिक क्षेत्र में 3.5 करोड़ रोजगार सृजित करना है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत का श्रम गवर्नेंस ढांचा सरकार, नियोक्ताओं और ट्रेड यूनियनों के बीच त्रिपक्षीय संवाद पर आधारित है। ईपीएफओ, ईएसआईसी और श्रम संहिता के अंतर्गत आने वाले वैधानिक निकाय जैसी संस्थाएं त्रिपक्षीय तंत्र के माध्यम से कार्य करती हैं, जो सहभागी श्रम गवर्नेंस के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देश मिलकर विश्व की लगभग आधी आबादी तथा विश्व के सबसे बड़े कार्यबलों में से एक का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा, श्रम गतिशीलता, कौशल विकास, एआई प्रशासन और सम्मानजनक कार्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से प्राप्त सिफारिशें आगामी ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

इससे पहले, ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम शिखर सम्मेलन 2026 के अध्यक्ष और भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनकारी मल्लेशम ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन श्रमिकों के कल्याण को मजबूत करने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है।

भारतीय मजदूर संघ के संगठन सचिव और ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम के मुख्य समन्वयक श्री बी. सुरेंद्रन ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और विश्वास व्यक्त किया कि विचार-विमर्श से सार्थक परिणाम प्राप्त होंगे। उद्घाटन सत्र में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें श्री कार्लोस ऑगस्टो मुलर (ब्राजील), फडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट ट्रेड यूनियन्स ऑफ रशिया के अध्यक्ष श्री सर्गेई चेनोर्गेव (रूस), श्री हुक्सियांग झू (चीन), श्री मसाले गॉडफ्रे सेलेमात्सेला (दक्षिण अफ्रीका), आईएलओ-नई दिल्ली की श्रमिक विशेषज्ञ सुश्री युकी ओत्सुजी और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एन. नागेश शामिल थे।

भाकियू असली ने भारत अमेरिका समझौता रद्द करने को लेकर एसडीएम को सोपा ज्ञापन

बाइक रैली लेकर पहुंचे किसान यूनियन को कार्यालय पर एसडीएम नहीं मिलने पर किया धरना प्रदर्शन

समाज जागरण

गुन्नौर तहसील क्षेत्र के कस्बा बबराला मंडी समिति पर भारतीय किसान यूनियन असली अराजनी तिक पूर्व के सदा कार्यक्रम के तहत एकत्रित होकर बाइक रैली एसडीम उद्यापन दैनिक पहुंचे जहां एसडीएम को मौके पर न मिलने पर यूनियन दे दिया वही 1 घंटे के बाद इंटेलिजेंस पुलिस को एसडीएम ना होने के लिए अवगत कराया इंटेलिजेंस पुलिस के द्वारा मिली एसडीएम को सूचना पर किसानों के बीच पहुंचकर एसडीएम ने हर अंबिंदु को सुना गया जिसमें किसानों ने कहा कि भारत अमेरिका समझौता रद्द करने वह एसपी की लीगल गारंटी कानून बनाने सहित आदि बिंदुओं को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंप दिया। वही स्थानीय समस्याओं को लेकर दूसरा ज्ञापन स्थानीय समस्याओं को लेकर जिसमें आवारा गोवंश सुरक्षित टूटे हुए सड़क मार्गों बाधों की मरम्मत करने गांव में जल भराव के निकासी जंगली जानवरों को संरक्षित करने की मिट्टी वालों को खनन से बाहर करना मुरादाबाद अलीगढ़ एक्सप्रेस में अधिकृत जमीनों के सर्किल रेट के चार गुना मुआवजा अवैध कब्जे राशन वितरण आदि विभिन्न मुद्दों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सोपा दिया इस मौके पर संचालन जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह यादव, प्रमुख सचिव रिशिपाल, मास्टर जयवीर सिंह, जाकिर हुसैन, सतीश, मोरध्वज, देवेंद्र आदि किसान मौजूद रहे

युवती को भगा ले गया दूसरे गांव का युवक ,रिपोर्ट दर्ज।

समाज जागरण

बबराला थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को दूसरे गांव का एक युवक बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है ।पीड़ित पिता ने थाना बबराला में युवक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। थाना बबराला के एक निकटवर्ती गांव में एक 25 वर्षीय अविवाहित युवती को एक दूसरे थाना क्षेत्र के गांव का निवासी युवक मंगलवार की सुबह युवती को ले गया। पिता द्वारा युवती की काफी तलाश की। लेकिन वह नहीं मिली। तो पिता ने थाने में पहुंचकर तहरीर दी। बबराला चौकी प्रभारी लोकेश कुमार

ने बताया कि अभियुक्त पप्पू पुत्र हर प्रसाद निवासी बिजुआ नगला के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार : डॉ. जितेंद्र सिंह

2014 से पहले, पूरे उत्तर पूर्व में केवल दो मौसम रडार थे, जिनमें मेघालय में केवल एक ही था, जबकि चेरापुंजी में विश्व में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की जाती है। आज, इस क्षेत्र में 13 मौसम रडार हैं। इसी प्रकार, भूकंपीय वेधशालाओं की संख्या 2014 से पहले 84 से बढ़कर वर्तमान में 171 हो गई : डॉ. जितेंद्र सिंह डॉ. जितेंद्र सिंह ने शिलांग में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों की समीक्षा की और एनईसीटीएआर को प्रौद्योगिकी-आधारित विकास का उत्प्रेरक बताया उत्तर पूर्व वैज्ञानिक नवाचार और प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के केंद्र के रूप में उभर रहा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह डॉ. जितेंद्र सिंह ने एनईसीटीएआर में भू-सूचना विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया और उत्तर पूर्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों की समीक्षा की केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में उत्तर पूर्वी क्षेत्र में वैज्ञानिक अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिससे इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व और अद्वितीय भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद दशकों की उपेक्षा दूर हुई है। वैज्ञानिक क्षमताओं में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 से पहले पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में केवल दो मौसम रडार थे, जिनमें से एक मेघालय में था, जबकि चेरापुंजी में विश्व में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की जाती है। आज इस क्षेत्र में 13 मौसम रडार हैं। इसी प्रकार, भूकंपीय वेधशालाओं की संख्या 2014 से पहले 84 से बढ़कर वर्तमान में 171 हो गई है। विशेष बिजली गिरने का पता लगाने वाले स्टेशन, जो पहले इस क्षेत्र में विद्यमान नहीं थे, अब मेघालय और त्रिपुरा में स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये पहल उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में वैज्ञानिक तैयारियों, आपदा से निपटने की क्षमता और प्रौद्योगिकी आधारित विकास को मजबूत करने के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने शिलांग स्थित उत्तर पूर्व प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं पहुंच केंद्र (एनईसीटीएआर) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत आने वाले विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये टिप्पणियां कीं। बैठक के दौरान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभिन्न संस्थानों के प्रमुखों ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी प्रसार और क्षमता निर्माण से संबंधित अपने चल रहे कार्यक्रमों, प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की पहलों पर अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की। डॉ. सिंह ने एनईसीटीएआर की अत्याधुनिक भू-सूचना विज्ञान प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी सुविधा केंद्रों का अवलोकन करते हुए वैज्ञानिकों, शोधकताओं, छात्रों, लाभार्थी किसानों और अधिकारियों से बातचीत की।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी से आम नागरिकों के जीवन में सीधा सुधार होना चाहिए और उन्होंने पूर्वोत्तर के किसानों, युवाओं, उद्यमियों और ग्रामीण समुदायों को लाभ पहुंचाने वाली व्यावहारिक तकनीकों में प्रयोगशाला के नवाचारों को सफलतापूर्वक रूपांतरित करने के

लिए एनईसीटीएआर की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनईसीटीएआर जैसे संस्थान यह सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं कि वैज्ञानिक अनुसंधान के लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचें।

डॉ. सिंह ने एनईसीटीआर और सीएसआईआर-सीएफटीआरआई द्वारा संयुक्त रूप से विकसित मोबाइल खाद्य प्रसंस्करण इकाई (एमपीयू) का प्रदर्शन देखा और इसे एक अभिनव "चलती-फिरती प्रसंस्करण इकाई" बताया जो खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों को सीधे किसानों के घर तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए कृषि स्तर पर मूल्यवर्धन को सक्षम बनाती है, साथ ही कौशल विकास, खाद्य गुणवत्ता आश्वासन और उद्यमिता को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास छोटे कृषि उत्पादों से भी आजीविका के अवसर पैदा करके किसानों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। पीएम-डिवाइन कार्यक्रम के तहत एनईसीटीएआर के प्रयासों की समीक्षा करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) से प्राप्त तकनीक का उपयोग करके स्थापित वसुंधरा मृदा कार्बनिक कार्बन

पहचान प्रयोगशाला-सह-विनिर्माण इकाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सुविधा सटीक स्व-स्थाने मृदा परीक्षण और वैज्ञानिक अनुशंसाएँ प्रदान करती है, जिससे किसानों, कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को अत्यधिक लाभ होगा। उन्हें बताया गया कि लगभग 2,500 किसानों को पहले ही मृदा परीक्षण किट प्राप्त हो चुकी हैं और यह पहल अंततः क्षेत्र के लिए एक व्यापक मृदा स्वास्थ्य डेटाबेस बनाने में सहायक होगी। डॉ. सिंह ने एनईसीटीआर की एसटीईएम शिक्षा प्रयोगशाला का भी दौरा किया, जो रोबोटिक्स, कोडिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 3डी प्रिंटिंग और नवाचार-आधारित कार्यकलापों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से प्रयोगशाला ने स्कूली छात्रों के बीच उल्लेखनीय उत्साह पैदा किया है और आईआईटी कानपुर के सहयोग से उत्तर पूर्वी राज्यों में 50 एसटीईएम प्रयोगशालाएं स्थापित करने की पहल की सराहना की, जिससे विशेष रूप से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में लगभग 25,000 छात्रों को लाभ हुआ है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने एनईसीटीआर की उन्नत भू-सूचना विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया और इसे उत्तर पूर्वी क्षेत्र की सबसे परिष्कृत भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी सुविधाओं में से एक बताया। लिडार और हाइपरस्पेक्ट्रल-सक्षम वीटीओएल प्लेटफॉर्म सहित 17 उन्नत ड्रोनों से सुसज्जित, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग प्रणालियों और विशेष भू-स्थानिक सॉफ्टवेयर द्वारा समर्थित, इस प्रयोगशाला ने वन कार्बन आकलन, जैव विविधता संरक्षण, खनन बहाली और आपदा प्रतिरोध जैसे क्षेत्रों में 2,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करने वाली परियोजनाओं को पहले ही पूरा कर लिया है। ड्रोन-आधारित मानचित्रण ने स्वमित्वा योजना के तहत 700 से अधिक गांवों के साथ-साथ पीएम-डिवाईन के तहत वैज्ञानिक जैविक कृषि परियोजनाओं में भी सहायता प्रदान की है, जिसमें लगभग 25,000 किसान शामिल हैं। डॉ. सिंह ने क्षमता निर्माण पर एनईसीटीआर के जोर की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने 569 ड्रोन तकनीशियनों, 247 जीआईएस और रिमोट सेंसिंग पेशेवरों, अपने रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन के माध्यम से 107 प्रमाणित ड्रोन पायलटों और उभरती प्रौद्योगिकियों में 4,500 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है। इन पहलों से उत्तर पूर्वी क्षेत्र के 190 से अधिक युवाओं के लिए आजीविका के अवसर भी सृजित हुए हैं, साथ ही भारत के ड्रोन मिशन और आत्मनिर्भर भारत के विजन में भी योगदान मिला है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक जैविक कृषि, सामुदायिक बीज बैंक, केले के रेशे का मूल्यवर्धन, फसल कटाई के बाद का प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, बांस और प्राकृतिक रेशे की प्रौद्योगिकियों, प्रौद्योगिकी संवर्धन और उद्यमिता प्रोत्साहन जैसी पहलों के माध्यम से नेक्टर पूर्वोत्तर में एक प्रमुख प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से किसान संगठनों को मजबूती मिल रही है, बाजार तक पहुंच में सुधार हो रहा है

जलभराव में बन रहा पंचायत सरकार भवन! वीडियो में कैद हुए सवाल, ग्रामीणों ने उच्च स्तरीय तकनीकी जांच की मांग की

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

14 जुलाई। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत किशनगंज प्रखंड की पिछला पंचायत के वार्ड संख्या-2 में निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य सवालों के घेरे में आ गया है। निर्माण स्थल से सामने आए वीडियो और स्थानीय ग्रामीणों की शिकायतों ने निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

मौके से सामने आए वीडियो में जलभराव के बीच फाउंडेशन और कॉलम की ढलाई होती दिखाई दे रही है। वीडियो में मजदूर घुटने भर पानी में खड़े होकर कंक्रीट डालते नजर आ रहे हैं। वहीं निमार्णाधीन एक पिलर के झुकाव की भी शिकायत सामने आई है। सरिया और नींव का हिस्सा पानी में डूबा दिखाई देने से भवन की गुणवत्ता और उसकी दीर्घकालिक मजबूती को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे इस पंचायत सरकार भवन के निर्माण स्थल पर अब तक सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है। इसके कारण निर्माण एजेंसी, स्वीकृत लागत, कार्य अवधि और तकनीकी स्वीकृति जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां सार्वजनिक नहीं हैं। इससे निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि जहां डिजाइन के अनुरूप डबल रिइन्फोर्समेंट का उपयोग होना चाहिए, वहां इसका पालन नहीं किया जा रहा। अधिकांश पिलरों की ढलाई रात के समय कराई जा रही है तथा निर्माण स्थल पर पर्याप्त तकनीकी निगरानी भी नहीं रहने है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य की स्वतंत्र एवं उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग किया है। वही मामले में जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि निर्माण कार्य से जुड़ी शिकायतों और सामने आए तथ्यों की जांच कराई जाएगी।

14 वर्षीय नाबालिग के लापता होने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, सकुशल बरामदगी की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

14 जुलाई।जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत जिरनगच्छ पंचायत के झरुवाडां गांव के समीप निमार्णाधीन सड़क परियोजना में कार्यरत एक मजदूर पर 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। आदिवासी समाज के लोगों ने सड़क निर्माण स्थल के समीप धरना-प्रदर्शन कर नाबालिग की शीघ्र एवं सकुशल बरामदगी की मांग की।

सूचना मिलते ही ठाकुरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों को मामले में त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। इधर, पीड़िता के परिजनों ने

ठाकुरगंज थाना में लिखित आवेदन देकर नाबालिग की बरामदगी तथा आरोपी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

वार्ड सदस्य दिनेश कुमार हेमरम ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से समाज में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नाबालिग की जल्द सकुशल बरामदगी नहीं हुई तो आदिवासी समाज व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा।

साहेब मरांडी ने कहा कि नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप अत्यंत गंभीर है और पुलिस को इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं कुमार मुर्मू ने पुलिस प्रशासन पर भरोसा जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही नाबालिग को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार करेगी तथा कानून के अनुरूप सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पंचायत समिति प्रतिनिधि रईस कैसर ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पंचायत क्षेत्र में इस प्रकार की घटनाएं किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दोषी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए तथा वे पीड़ित परिवार और आदिवासी समाज के साथ हर स्तर पर खड़े रहेंगे।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। नाबालिग की तलाश के लिए विभिन्न संभावित स्थानों पर छापेमारी और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

500 मीटर की बदहाल सड़क से परेशान बिरनाबाड़ी के ग्रामीण, जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

14 जुलाई, जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत चुरली पंचायत के वार्ड संख्या-4 स्थित बिरनाबाड़ी गांव में करीब 500 मीटर लंबी सड़क की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों में नाराजगी है। बारिश के दौरान सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाने से लगभग 35 परिवारों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग करते हुए जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप लगाया है।

ग्रामीण मोहम्मद ऐनूल, सागरा खातून समेत अन्य लोगों ने बताया कि यह गांव का मुख्य संपर्क मार्ग है, जिससे होकर सभी ग्रामीणों का दैनिक

आवागमन होता है। बरसात में सड़क पर जलजमाव और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं, स्कूली बच्चों और मरीजों को होती है। कई बार लोगों को मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ता है।

ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि विकास के बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद गांव की मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। उनका कहना है कि गांव की घनी आबादी वाले हिस्से में सड़क निर्माण नहीं कराया गया, जबकि खेतों के बीच सड़क का निर्माण कर दिया गया। इससे लोगों में आक्रोश है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई तो वे जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगेंगे और आंदोलन करने को भी विवश होंगे।

इधर, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बाउद्दीन ने बताया कि संबंधित सड़क पहले भूमि विवाद के कारण लंबित थी। विवाद समाप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में इस सड़क के लिए कोई सरकारी योजना स्वीकृत नहीं हुई। हालांकि, ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने अपने निजी खर्च से सड़क पर मिट्टी भराई कराई थी। साथ ही पूर्व विधायक एवं वर्तमान मुखिया को भी लिखित आवेदन देकर सड़क निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। उन्होंने सड़क निर्माण में हो रही देरी के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि गरीब बस्तियों की अनदेखी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने संबंधित विभाग से अविलंब सड़क निर्माण कराने की मांग की, ताकि ग्रामीणों को आवागमन की समस्या से निजात मिल सके।

महिला के खाते में अचानक दिखे 740 करोड़ रुपये, बैंक ने तकनीकी गड़बड़ी बताकर खाता किया फ्रीज

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

कोचाधामन प्रखंड क्षेत्र की सोन्था पंचायत के नेहाल भाग सोन्था निवासी एक महिला के बैंक खाते में अचानक करीब 740 करोड़ रुपये दिखाई देने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। यह जानकारी महिला को तब हुई, जब वह रुपये निकासी के लिए स्थानीय ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) पहुंची।

बताया जाता है कि महिला के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते में 10 जुलाई को अचानक 7 अरब 40 करोड़ 68 लाख 72 हजार 895 रुपये प्रदर्शित होने लगे। इससे पहले उसके खाते में लगभग 23 हजार रुपये जमा थे। उसी दिन महिला ने अपने खाते से 10 हजार रुपये की निकासी भी की।

इसके बाद 12 जुलाई को जब वह दोबारा राशि निकालने के लिए सीएसपी पहुंची, तो खाते का बैलेंस शून्य दिखा। साथ ही बैंक की ओर से खाते को फ्रीज कर दिया गया था। यह देखकर महिला घबरा गई।

महिला के पिता, बुजुर्ग मोहम्मद अतवारी ने बताया कि उनकी बेटी की शादी बहादुरगंज थाना क्षेत्र के झिलझिली गांव में हुई थी। पति की करीब 20 वर्ष पूर्व मृत्यु हो जाने के बाद वह अपने मायके, सोन्था पंचायत के नेहाल भाग में रह रही है। उनके दो पुत्र हैं। एक पुत्र करीब पांच महीने पहले रोजगार के लिए मलेशिया गया है, जबकि दूसरा पंजाब के लुधियाना में रहकर मजदूरी करता है।

महिला के खाते में अचानक इतनी बड़ी राशि दिखाई देने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई। वहीं, बैंक सूत्रों का कहना है कि यह मामला प्रथम दृष्टया तकनीकी गड़बड़ी का प्रतीत होता है। बैंक द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

टाटा स्टील लीज नवीनीकरण से पहले 18 मौजा के मूल रैयतों का सर्वे हो : झारखंड मूलवासी अधिकार मंच

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर झारखंड मूलवासी अधिकार मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मंच के मुख्य संयोजक हरमोहन महतो के नेतृत्व में कोल्हान आयुक्त रवि रंजन विक्रम से मुलाकात कर टाटा स्टील के प्रस्तावित लीज नवीनीकरण से पूर्व जमशेदपुर के 18 मौजा क्षेत्र के मूल रैयतों, आदिवासियों और टाटा

विस्थापित परिवारों का व्यापक सर्वेक्षण कराने तथा उन्हें न्याय दिलाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में आयुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए भूमि अधिकार, विस्थापन और पुनर्वास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

मंच ने ज्ञापन में कहा कि टाटा स्टील के लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले उन सभी मूल रैयत परिवारों और विस्थापितों के अधिकारों एवं दावों का निष्पक्ष समाधान किया जाना आवश्यक है, जिनकी जमीनों पर उद्योग, आवासीय क्षेत्र अथवा अन्य परियोजनाएं विकसित की गई हैं। मंच का कहना है कि दशकों से कई परिवार अपने भूमि अधिकारों और पुनर्वास से जुड़े मामलों में न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि वर्ष 1908 और 1937 के खतियान को भूमि स्वामित्व निर्धारण का आधार माना जाए तथा वर्ष 1996 के खतियान को निरस्त किया जाए। मंच का आरोप है कि बाद के वर्षों में तैयार किए गए रिकॉर्ड के कारण कई मूल रैयत परिवारों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही बिना लीज, बिना वैधानिक अधिग्रहण अथवा बिना स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया के कब्जे में ली गई भूमि की पहचान कर उसे मूल रैयतों को वापस करने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में कहा गया है कि जमशेदपुर के 18 मौजा क्षेत्रों का विस्तृत और पारदर्शी सर्वे कराया जाए, ताकि वास्तविक भूमि धारकों और प्रभावित परिवारों की पहचान सुनिश्चित हो सके। मंच ने वर्ष 2005 में हुए लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया की पुनः समीक्षा करने की भी मांग उठाई है। उनका कहना है कि उस समय हुए कई निर्णयों और प्रक्रियाओं की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

झारखंड मूलवासी अधिकार मंच ने अवैध कब्जों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने तथा ग्रामसभा की लिखित सहमति के बिना किसी भी भूमि संबंधी निर्णय पर रोक लगाने की मांग की है। मंच का कहना है कि संविधान और पंचायत विस्तार अधिनियम की भावना के अनुरूप स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना भूमि से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लिए जाने चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि टाटा विस्थापितों और मूल रैयतों को लीज नवीनीकरण प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व दिया जाए, ताकि उनकी बात सीधे तौर पर संबंधित अधिकारियों और निर्णय लेने वाली संस्थाओं तक पहुंच सके। इसके अलावा भूमि उपयोग, लीज की शर्तों और राजस्व रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

मंच ने विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। इसके लिए जिला स्तर पर एक निगरानी समिति गठित करने तथा प्रभावित रैयतों को विस्थापित प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की मांग की गई है, जिससे वे सरकारी योजनाओं और पुनर्वास संबंधी सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

ज्ञापन में वर्ष 1909, 1912 और 1929 में हुए समझौतों के साथ-साथ 20 अगस्त 2005 के लीज नवीनीकरण से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की गई है। मंच का कहना है कि इन सभी मामलों की समीक्षा कर मूल रैयत खतियानधारियों को न्याय दिलाना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

मुख्य संयोजक हरमोहन महतो ने आयुक्त से आग्रह किया कि भू-राजस्व विभाग को आवश्यक प्रस्ताव भेजकर टाटा विस्थापितों और मूल रैयतों का सर्वे कराया जाए तथा किसी भी लीज नवीनीकरण प्रक्रिया से पहले उनके अधिकारों और दावों का निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान हरमोहन महतो के अलावा प्रहलाद गोप, सानंद प्रधान, मनोज बोदरा और अभिषेक प्रधान सहित मंच के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने जिला खनन विभाग की समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

वीरेंद्रचौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

14 जुलाई, जिला पदाधिकारी नवीन कुमार की अध्यक्षता में जिला खनन विभाग के संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिला खनन कार्यालय में पदस्थापित पदाधिकारियों एवं कर्मियों की कार्यप्रणाली, राजस्व संग्रहण, बालू घाटों की नीलामी एवं संचालन, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध की गई कार्रवाई, ईंट भट्ठों की स्थिति तथा कार्य विभागों से संबंधित बिहार खनिज नियमावली के प्रावधानों एवं रॉयल्टी तथा मालिकाना शुल्क की कटौती से जुड़े विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस क्रम में जिलाधिकारी ने जिला खनन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला खनन पदाधिकारी ने बैठक में जानकारी दी कि राजस्व संग्रहण के अंतर्गत बालू, कार्य विभागों से प्राप्त राशि, दंड, मिट्टी एवं ईंट मद से कुल 1,113.45 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि जिले में बालू घाट क्लस्टर की संख्या पाँच है। वहीं, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध की गई कार्रवाई के तहत 13 जुलाई, 2026 तक लगभग 219.26 लाख रुपये राजस्व की वसूली की गई है। जिले में कुल 171 ईंट भट्ठे संचालित हैं।

बैठक में जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाए। सभी कार्रवाई का समुचित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए।

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी, खनन निरीक्षक सहित विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मानगो नगर निगम बोर्ड की बैठक नहीं होने पर सरयू राय ने उठाए सवाल, अपर नगर आयुक्त को लिखा पत्र

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर पश्चिम के विधायक एवं मानगो नगर निगम बोर्ड के पदेन सदस्य सरयू राय ने मानगो नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए अपर नगर आयुक्त को पत्र लिखकर निगम बोर्ड की बैठक शीघ्र बुलाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नगर निगम प्रशासन नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं कर रहा है, जिससे विकास एवं प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

अपने पत्र में विधायक सरयू राय ने उल्लेख किया है कि मानगो नगर निगम बोर्ड की पहली बैठक 16 अप्रैल 2026 को आयोजित की गई थी, जिसकी सूचना उन्हें बोर्ड के पदेन सदस्य के रूप में दी गई थी और उन्होंने उसमें भाग भी लिया था। हालांकि, उस बैठक के बाद अब तक दूसरी बैठक आयोजित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पहली बैठक के बाद तीन महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन नगर निगम प्रशासन की ओर से अगली बैठक बुलाने की दिशा में कोई पहल नहीं की गई है।

सरयू राय ने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि नगरपालिका अधिनियम के अनुसार नगर निगम बोर्ड की बैठक प्रत्येक माह कम-से-कम एक बार आयोजित किया जाना अनिवार्य है। यह प्रावधान इसलिए बनाया गया है ताकि स्थानीय निकाय से जुड़े विकास कार्यों, योजनाओं और प्रशासनिक मामलों की नियमित समीक्षा हो सके तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर समय पर निर्णय लिए जा सकें। इसके बावजूद लगातार बैठक नहीं होना नियमों और कानून की अनदेखी को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि बोर्ड की बैठक नहीं होने के कारण नगर निगम क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं विकासात्मक निर्णय लंबित पड़े हुए हैं। इससे न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी हो रही है, बल्कि जनता से जुड़े कई आवश्यक मामलों पर भी समय पर निर्णय नहीं लिए जा पा रहे हैं। मानगो जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र में नियमित बोर्ड बैठक का आयोजन अत्यंत आवश्यक है।

विधायक ने यह भी बताया कि 16 अप्रैल को आयोजित पहली बोर्ड बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) की प्रति भी अब तक उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई है। जबकि वे निगम बोर्ड के पदेन सदस्य हैं और नियमों के अनुसार उन्हें बैठक की कार्यवाही की प्रति उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने इसे प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही के दृष्टिकोण से गंभीर विषय बताया है।

सरयू राय ने अपर नगर आयुक्त से मांग की है कि पहली बैठक की कार्यवाही की प्रति उन्हें अविलंब उपलब्ध कराई जाए। साथ ही मानगो नगर निगम बोर्ड की अगली बैठक तत्काल आहूत की जाए, ताकि नगर निगम क्षेत्र के विकास, आधारभूत सुविधाओं, जन समस्याओं और लंबित प्रस्तावों पर नियमानुसार विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए जा सकें।

उन्होंने कहा कि नगर निगम की नियमित बैठकों का आयोजन लोकतांत्रिक व्यवस्था और स्थानीय स्वशासन की मूल भावना के अनुरूप है। ऐसे में नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि जनता के हितों की रक्षा के साथ-साथ विकास कार्यों को भी गति मिल सके।

एक वर्ष बाद फिर गूंजेगा "हरे कृष्ण" का संकीर्तन, 16 जुलाई को जमशेदपुर में निकलेगी भव्य श्रीजगन्नाथ रथयात्रा

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर एक वर्ष की प्रतीक्षा के बाद एक बार फिर भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा का साक्षी बनने जा रहा है। इस्कॉन जमशेदपुर के तत्वावधान में भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलभद्र की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा 16 जुलाई, गुरुवार को बिष्टुपुर स्थित श्री राधा गोविंद (आंध्र भक्त श्री राम) मंदिर से पूरे धार्मिक उत्साह, श्रद्धा और भक्ति के साथ निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर मंगलवार को इस्कॉन की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में रथयात्रा की तैयारियों और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

आयोजकों के अनुसार रथयात्रा दोपहर 2:30 बजे विधिवत पूजा-अर्चना और विशेष अनुष्ठान के बाद मंदिर परिसर से प्रारंभ होगी। लगभग 4.5 किलोमीटर लंबी यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शाम करीब 7:30 बजे साकची वाहन पड़ाव पहुंचेगी। यात्रा का मार्ग गोपाल मैदान, गुरु नानक गोलचक्कर, स्ट्रेट माइल रोड और कीनन स्टेडियम होते हुए साकची तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान हजारों श्रद्धालु "हरे कृष्ण, हरे राम" के संकीर्तन और भजन-कीर्तन के बीच भगवान के रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

इस वर्ष की रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता तीन विशाल और आकर्षक रथ होंगे, जिन्हें फूलों, रंग-बिरंगी पताकाओं, ध्वजों और विशेष प्रकाश सज्जा से भव्य रूप दिया गया है। इन रथों पर भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भगवान बलभद्र विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे और श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। इस्कॉन के वरिष्ठ आचार्य स्वामी पद्मनाम जगन्नाथ दास जी के मार्गदर्शन में पिछले एक माह से रथयात्रा की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं।

आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्था की है। यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन के लिए लगभग एक हजार प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। ये स्वयंसेवक रथ संचालन, श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन, आपातकालीन सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं का समन्वय करेंगे। इसके अलावा संभावित बाधाओं और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए भी विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है।

रथयात्रा को सफल बनाने में शहर की अनेक सामाजिक, धार्मिक और सेवा संस्थाएं भी अपनी भागीदारी निभाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर सेवा शिविर लगाए जाएंगे, जहां पेयजल, महाप्रसाद, शीतल पेय, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस सेवा कार्य में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, दुर्गा वाहिनी, क्रीड़ा भारती, रेड क्रॉस, ग्रीन कैंप्स फाउंडेशन, लव वॉरियर्स, रोटरी, जेसीआई, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल समाज तथा गोशाला समिति सहित कई संस्थाएं सहयोग करेंगी।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर भगवान की आरती, भजन-कीर्तन और महाप्रसाद वितरण का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आध्यात्मिक उत्सव से जुड़ सकें। इस्कॉन का उद्देश्य रथयात्रा को केवल एक धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखकर सामाजिक समरसता, प्रेम, करुणा और मानवता का संदेश देने वाले महोत्सव के रूप में स्थापित करना है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए स्वामी पद्मनाम जगन्नाथ दास जी ने कहा कि रथयात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम, सेवा, करुणा और भाईचारे का संदेश देने वाला उत्सव है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल हों तथा शांति, अनुशासन और आपसी सद्भाव बनाए रखते हुए रथयात्रा को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, नवागंतुकों का हुआ भव्य स्वागत

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिलः शहीद निर्मल महतो इंटर कॉलेज दुमदुमी (नीमडीह) में मंगलवार को जेआईएस फाउंडेशन चांडिल पॉलिटेक्निक कॉलेज के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान सह विदाई समारोह (सत्र 2024-26) एवं नवागंतुक छात्र-छात्राओं (सत्र 2026-28) के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ईचागढ़ विधायक सविता महतो शामिल हुईं।

समारोह में वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को विधायक सविता महतो ने प्रशस्ति पत्र, मेडल, प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं सत्र 2026-28 के 11वीं कक्षा में नामांकित नए छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए उनका परिचय कराया गया। अपने संबोधन में विधायक सविता महतो ने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता की सबसे मजबूत नींव है और निरंतर प्रयास से विद्यार्थी अपने जीवन में उच्च मुकाम हासिल कर सकते हैं। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में कॉलेज के शासी निकाय के सचिव हरिपद महतो, पूर्व प्राचार्य निर्मल चंद्र महतो, पूर्व प्रभारी प्राचार्य संजीत कुमार महतो, प्रभारी प्राचार्य बलिराम कुमार, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई

समाज जागरण रंजीत तिवारी रामेश्वर वाराणसी।।

सेवापुरी विकासखंड के अंतर्गत पीएम श्री विद्यालय ठटरा से ब्लॉक स्तरीय 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जन-जागरूकता रैली निकाली गई। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करना तथा अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना था। रैली का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह,तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली क्षेत्र के विभिन्न बस्ती से होकर गुजरी। इस दौरान छात्र-छात्राएं हाथों में तख्तियां, बैनर एवं स्लोगन लिए शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील करते रहे। रैली के समापन के बाद पीएम श्री विद्यालय ठटरा में स्कूल चलो अभियान के प्रथम चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानाध्यापकों एवं

शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह एवं ग्राम प्रधान सुनील कुमार बिंद द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

खंड शिक्षा अधिकारी सेवापुरी संजय कुमार यादव ने सभी अतिथियों, प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालयों को बाल-मित्र (चाइल्ड फ्रेंडली) वातावरण प्रदान कर अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा ही आगे की संपूर्ण शिक्षा की मजबूत नींव है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसके प्रति जागरूक होकर प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराने में सहयोग करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि बीडीओ सेवापुरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि गुरुजनों की देश निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित रह जाता है तो उसका भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए सभी को सामूहिक प्रयास से प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विगत वर्ष की तुलना में अधिक नामांकन करने वाले छह विद्यालयों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें उच्च प्राथमिक विद्यालय घोसिला, कम्पोजिट विद्यालय देहली विनायक, प्राथमिक विद्यालय खगरामपुर , कम्पोजिट विद्यालय गैरहा, प्राथमिक विद्यालय गोसाईपुर तथा प्राथमिक विद्यालय कालिकाधाम द्वितीय शामिल रहे। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत सर्वाधिक नामांकन करने वाले तीन विद्यालयों को भी सम्मानित किया गया। इनमें उच्च प्राथमिक विद्यालय ठटरा ने 195 छात्र-छात्राओं का नामांकन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कम्पोजिट विद्यालय

करधना ने 139 तथा पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय ठटरा ने नवीन शैक्षिक सत्र में 119 छात्र-छात्राओं का नामांकन कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।इस अवसर पर पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, सेवापुरी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष काशीनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, दिनेश सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, सेवापुरी के आनंद कुमार सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ज्ञानवापी में सुलह की राह बंद

समाज जागरण रंजीत तिवारी वाराणसी।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी विवाद में सुप्रीम कोर्ट की पहल पर शुरू हुई मध्य स्थता प्रक्रिया के अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद अब सभी की निगाहें सर्वोच्च न्यायालय पर टिक गई हैं। हिंदू पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें पहले से ही इस बात की आशंका थी कि बातचीत के जरिए समाधान निकलना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सदियों पुराने ऐतिहासिक, धार्मिक और कानूनी पहलुओं से जुड़े इस विवाद में पक्षों के बीच सहमति नहीं बन सकी। अब मध्यस्थता की पूरी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी और उसी के आधार पर आगे की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

चतुर्वेदी ने कहा कि यदि मध्यस्थता सफल नहीं होती है तो उसके बाद फैसला करना पूरी तरह सुप्रीम कोर्ट का अधिकार है। न्यायालय रिपोर्ट का अध्ययन कर आगे की सुनवाई और आवश्यक आदेश तय करेगा।

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता ने कहा कि उनका पक्ष लगातार यही मांग करता रहा है कि ज्ञानवापी परिसर में हिंदू श्रद्धालुओं को उनके धार्मिक अधिकारों के अनुरूप पूजा-अर्चना और दर्शन की अनुमति मिले। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अंतिम निर्णय सर्वोच्च न्यायालय को ही करना है और सभी पक्ष न्यायालय के आदेश के प्रति बाध्य होंगे।

उन्होंने कहा कि अब अगली सुनवाई महत्वपूर्ण होगी। मध्यस्थता प्रक्रिया समाप्त होने के बाद मामला एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया के केंद्र में आ गया है और सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट के अगले कदम पर टिकी हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सबको सम्मान करना होगा।

धान की रोपाई के लिए बारिश ने साथ छोड़ा तो नहर के पानी से किसानों की जगी उम्मीदें

12 जुलाई को धनसीरिया माइनर को खुलना चाहिए लेकिन नहीं खुला किसान पानी के लिए हो रहे परेशान धान की रोपाई पिछड़ रही।

समाज जागरण

राजगढ़ मीरजापुर / विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बारिश में मुंह मोड़ा। बारिश न होने से किसान चिंतित है। धान की नर्सरी तैयार है लेकिन बारिश न होने से किसान परेशान हो रहे हैं क्षेत्र के किस जगदीश सिंह संदीप कुमार अनिल सिंह सतीश कुमार ने बताया कि धान की नर्सरी खेतों में तैयार हो चुकी है बारिश का इंतजार है इस वर्ष अच्छी बारिश न होने से धान की पैदावार सही तरीके से नहीं हो पाएगी किसानों ने कहा कि नहर का पानी ए जान से उम्मीद जगी है किसान संदीप ने बताया कि नहर के पानी से धान की रोपाई हो रही है लेकिन नहर को खोला नहीं जा रहा है किसान समरसेबल मोनोब्लॉक लगाकर अपना धान रोकने में लगे हुए हैं। किसान विमलेश ने बताया कि सेमरा रजवाहा से निकली माइनर धन सीरिया को जाने वाली कम मात्रा में नहर में पानी जा रहा है किसान पानी के लिए परेशान है धान की नर्सरी

तैयार है रोपाई के लिए किसान पानी के लिए परेशान हो रहे हैं किसानों ने कहा कि 12 जुलाई को नहर पूरी तरह से खुल जाना चाहिए था लेकिन नहीं खुला किसने की सुनने वाला कोई नहीं है किसी तरह किसान धान की रोपाई में लगे हुए हैं। किसान आसमान में टकटकी लगाए हुए देख रहे हैं कब बारिश हो और खेत में पानी भर जाए लेकिन बारिश ने भी साथ छोड़ दिया है आधा जुलाई का महीना बीत रहा है लेकिन इस बार अच्छी बारिश नहीं हुई है। जिले के आला अधिकारी को ध्यान देना चाहिए नहर को पूरी तरह से खुलवाना चाहिए जिससे किसान धान की रोपाई कर ले।

सेमरा रजवाहा से जा रहा है पानी मड़िहान लगभग 15 दिनों से लेकिन राजगढ़ क्षेत्र के किसानों को पानी कम नसीब हो रहा है। बारिश न होने से भीषण गर्मी पड़ रही है। धान की रोपाई से खेतों में पड़ रही दरार।

लोकगीत गायक चिंगन यादव की गंगा में डूबने से मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।:बड़ागांव थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गांव के रहने वाले 65 वर्षीय प्रसिद्ध लोकगीत गायक चिंगन यादव की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। उनका शव चौबेपुर थाना क्षेत्र के गौरा और चंद्रावती घाट के बीच नदी में मिलने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चिंगन यादव सोमवार को चौबेपुर थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव में अपने गुरु भाई के निधन की सूचना मिलने पर अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। जब वह गांव पहुंचे तो उन्हें पता चला कि अंतिम यात्रा पहले ही श्मशान घाट के लिए निकल चुकी है। इसके बाद उन्होंने सीधे गंगा किनारे के रास्ते अंत्येष्टि स्थल तक पहुंचने का निर्णय लिया।

बताया जाता है कि वह पहले गौरा घाट पहुंचे, जहां मौजूद लोगों से जानकारी लेने पर पता चला कि अंतिम संस्कार चंद्रावती घाट पर किया जा रहा है। इसके बाद वह गंगा किनारे-किनारे पैदल चंद्रावती घाट की ओर बढ़ने लगे। इसी दौरान रास्ते में किसी स्थान पर उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह गंगा नदी में जा गिरे। आशंका है कि गहरे पानी में चले जाने के कारण वह बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई।

उधर, देर शाम तक चिंगन यादव के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने पहले परिचितों और रिश्तेदारों से संपर्क किया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। इसके बाद सोनबरसा गांव के लोगों से भी जानकारी ली गई और उनकी तलाश शुरू की गई।

खोजबीन के दौरान पता चला कि

गौरा और चंद्रावती घाट के बीच गंगा नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए शिवपुर स्थित मोर्चरी भेज दिया था। देर रात परिजन मोर्चरी पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान चिंगन यादव के रूप में की। पहचान होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की। परिजनों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। चिंगन यादव पूर्वांचल के लोकगीतों के जाने-माने गायक माने जाते थे। उन्होंने वर्षों तक अपने गायन के माध्यम से क्षेत्र की लोक संस्कृति को पहचान दिलाई। सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी प्रस्तुति को लोग विशेष रूप से पसंद करते थे। उनके निधन की खबर फैलते ही क्षेत्र के कलाकारों, शुभचिंतकों और ग्रामीणों में शोक की लहर फैल गई। लोगों ने उनके निधन को लोकसंगीत जगत के लिए बड़ी क्षति बताया। परिवार की बात करें तो चिंगन यादव अपने पीछे दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका एक पुत्र निजी कंपनी में कार्यरत है, जबकि दूसरा वाराणसी कचहरी परिसर में चाय की दुकान संचालित करता है।

परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला गंगा नदी में डूबने से हुई दुर्घटनात्मक मृत्यु का प्रतीत होता है।

छुट्टी पर घर आए फौजी के सामने मां-बहन से मारपीट, वीडियो वायरल

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के कोइराजपुर गांव में छुट्टी पर घर आए एक फौजी के सामने उसकी मां के साथ मारपीट और अभद्रता किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने गांव के लोगों पर सरकारी चकमार्ग काटने का विरोध करने पर हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कोइराजपुर निवासी लालती देवी ने बड़ागांव थाने में दी गई तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब छह बजे गांव के निवासी गोपाल यादव, मुरारी यादव, संजय यादव, सियाराम यादव, दयाराम यादव, मनोज यादव व राहुल यादव उनके खेत के पास स्थित सरकारी चकमार्ग को फावड़े से काट रहे थे। उनके पुत्र ने जब घटना का वीडियो बनाना शुरू किया तो आरोपित भड़क गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। मां को बचाने के लिए परिवार के अन्य लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने लालती देवी को बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और उनके साथ मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान उनकी साड़ी फाड़ दी गई तथा अभद्र हरकत किया गया। सबसे मार्मिक पहलू यह रहा

कि पीड़िता का एक पुत्र भारतीय सेना में तैनात है और इन दिनों अवकाश पर घर आया हुआ था। तहरीर के अनुसार, फौजी बेटे के सामने ही उसकी मां के साथ मारपीट की गई। विरोध करने पर उसके साथ भी हाथापाई की गई। बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों को भी नहीं बख्शा गया और सभी के साथ मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोटें आईं। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। साथ ही आरोपितों ने पुलिस में शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने और गांव में रहने न देने की धमकी भी दी।

पीड़िता ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं थाना प्रभारी बड़ागांव प्रवीण कुमार सिंह का कहना है कि मामले की शिकायत मिली है। रास्ते का

विवाद है। शिकायतकताओं को राजस्व विभाग से नापी करवाने की सलाह दी गई है और मारपीट मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मीरजापुर के लाल पेड़ा कारोबारियों को मिलेगी आर्थिक उड़ान

लाल पेड़ा कारोबार से जुड़े व्यवसायियों को प्रोत्साहित करने के लिए योगी सरकार दे रही भारी अनुदान

एक जिला एक व्यंजन (ODOC) योजना के तहत मीरजापुर के लाल पेड़ा को किया था शामिल

समाज जागरण

मीरजापुर /मीरजापुर के एक जिला-एक व्यंजन यानि ओडीओसी योजना के तहत चयनित लाल पेड़ा के कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान प्रदान करेगी। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत कुछ दिनों पहले ही लाल पेड़ा का चयन किया गया है। सरकार की ओर से दी जा रही आर्थिक मदद लाल पेड़ा को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ ही इसके कारोबार से जुड़े कारीगरों के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलने का भी काम करेगी।

जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त संदीप कुमार ने बताया कि एक जिला-एक व्यंजन योजना के तहत 25 लाख रुपए से लेकर 5 करोड़ रुपए तक की परियोजना लागत पर उद्यमी को अनुदान प्रदान किया जाएगा। परियोजना लागत 25 लाख रुपए तक पर अनुदान राशि 25 प्रतिशत, 25 लाख से अधिक और 50 लाख तक पर परियोजना लागत का 20 प्रतिशत, 50 लाख से अधिक एवं 1.5 करोड़ रुपए तक पर परियोजना लागत का 10 प्रतिशत या 10 लाख में से जो अधिक हो और 1.5 करोड़ से अधिक की परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत या 50 लाख में से जो कम हो, वह अनुदान प्रदान किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि जनपद में लाल पेड़ा बनाने की लगभग 65 ईकाइयां क्रियाशील हैं, जहां लगभग 400 लोग इस कारोबार से जुड़े हुए हैं। बताया कि सामान्य श्रेणी के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्प संख्यक, ट्रांसजेंडर, महिला एवं दिव्यांग लाभार्थी को परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। उद्यम शुरू करने के दो वर्ष बाद सफलतापूर्वक संचालित होने पर अनुदान राशि बैंक ऋण में समायोजित की जाएगी। बताया कि अनुदान प्राप्त करने के लिए संबंधित उद्यमी विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के मकसद से सरकार मार्जिन मनी के रूप में अनुदान प्रदान करेगी। इससे ओडीओसी के अंतर्गत चयनित लाल पेड़ा से जुड़े उद्यमियों के काम को बढ़ावा मिलेगा।

प्रशिक्षण से बढ़ेगी पेड़ा की मिठास, निखरेगा हुनर

उन्होंने बताया कि लाल पेड़ा बनाने वाले मीरजापुर के कारीगरों के पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार विशेष प्रशिक्षण

कार्यक्रम भी चलाएगी। इसमें व्यंजनों की पैकेजिंग, गुणवत्ता, स्वच्छता के मानक और लंबी शेल्फ-लाइफ सुनिश्चित करने के गुर सिखाए जाएंगे। जिससे मीरजापुर के बने ये लाल पेड़े बिना खराब हुए देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच सकें।

नियमित भ्रमण करके नियमानुसार उर्वरक वितरण सुनिश्चित करायें:सुरेंद्र कुमार मौर्य

समाज जागरण रंजीत तिवारी वाराणसी।

सहायक आयुक्त एवंसहायकनिबंधक सहकारिता वाराणसी सुरेंद्र कुमार मौर्य द्वारा मंगलवार को विभागीय अधिकारियो की बैठक मे शासकीय योजनाओ की प्रगति समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त द्वारा उर्वरक वितरण,नवगठित एमपैक्स की प्रगति, निष्क्रिय समितियो को सक्रिय कराने की प्रगति,गोदाम मरम्मत तथा नये गोदामो के निर्माण की प्रगति के संबंध मे समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक मे सहायक आयुक्त ने नवगठित एमपैक्स को सक्रिय करने के संबंध मे उर्वरकलाईसेंस,पैनकार्ड,जीएसटी रजिस्ट्रेशन की प्रगति का भी जायजा लिया। बैठक मे उपस्थित सभी अपर जिला सहकारी अधिकारियो, सचिव जिलासहकारीबैंक ,व सभी एडीओ को निर्देशित किया की उर्वरक वितरण मे नियमबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करायें।किसी को अनुमन्य

मात्रा से अधिक उर्वरक न दी जाए।किसानो को कोई असुविधा या समस्या न हो। बैठक मे उर्वरक हेतु ससमय आरटीजीएस कराने, विशिष्ट आडिट अनुपालन,आरकेवीवाई की समितियो मे अवशेष राशि जमा कराने पर भी चर्चा हुई। बैठक मे एडीसीओ अवधेश कुमार सिंह, लालजी, विजयकुमार, माधवराम, संगीता वर्मा,अपर सांख्यिकीय अधिकारी शैलेश श्रीवास्तव, एडीओ प्रदीप मौर्य, अरविंद कुमार सिंह,अरूण कुमार सिंह,कन्हैयालाल मौर्य, नन्दकिशोर, सचिव ऋषिकुमारसिंह इत्यादि मौजूद रहे।

शिक्षा के साथ छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर भविष्य के दिशा तय करने के लिए प्रेरित किया जाना जरूरी है

*कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को उनके विधिक आधिकार, आत्मनिर्भर बन लक्ष्य की प्राप्ति की दी गई प्रेरणा।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाराणसी द्वारा जे० पी० महिला महाविद्यालय, अटेसुआ ,मुर्दहा बाजार में नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने तथा भविष्य की दिशा तय करने के लिए प्रेरित किया जाना जरूरी है। नारी सशक्तिकरण के लिए शिक्षा, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता अत्यंत आवश्यक है, जिससे छात्राएं समाज में अपनी सशक्त पहचान बना सकें। बतौर अतिथि मदन चौहान, विनोद कुमार कन्नौजिया, कुसुमलता , खुशबू जैसल एवं मनीष कुमार सिंह ने छात्राओं को महिला अधिकारों, विधिक जागरूकता एवं नारी सशक्तिकरण से संबंधित

विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देते हुए सही मार्गदर्शन प्राप्त करने पर बल दिया। साथ ही छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने एवं अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक सुरेंद्र पटेल सहित राजेंद्र प्रसाद, महेंद्र, वीरेंद्र, शैलेन्द्र एवं इंद्रजीत ने विचार व्यक्त कर सहयोग प्रदान किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. चरण सिंह ने किया। इस अवसर पर अर्चना पटेल, ज्योति गुप्ता, निशा पटेल, नीलम पटेल ,राजेंद्र प्रसाद ,राम प्रकाश गुप्ता, बिंदु वर्मा, सरोज पटेल,संध्या विश्वकर्मा , दिनेश कुमार यादव एवं अरविन्द प्रजापति सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनीता सिंह ने किया।

किसानों को धान और ढेंचा का बीज वितरित

समाज जागरण रंजीत तिवारी वाराणसी।

प्रदेश के किसानों की उन्नतिशील बीज से अपनी उपज बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे अनेकों योजना के अंतर्गत मंगलवार को यूपी एग्रीज परियोजना में ग्राम सभा बखरा नियामताबाद के लगभग 52 किसानों को धान और ढेंचा का बीज वितरित किया गया।जिसमे प्रति किसानों को 40 किलो ढ़ेचा और 15 किलो धान का बीज उत्पब्ध कराया गया।किसानों को बीज वितरित करते हुए कृषि तकनीकी सहायक निशांत मिश्रा ने कहा धान की बीज बुआई से पूर्व अच्छी प्रकार से बीज शोधन कर ही किसान भाई बुआई करे।वही ढेंचा की फसल उगाने से खेत की उर्वरा शक्ति में काफी वृद्धि होती हैं किसानों को वर्ष में एक बार खेत मे ढेंचा की फसल उगना चाहिए।

निःशुल्क बीज प्राप्त कर किसानों ने सरकार के इस योजना के लिए धन्यवाद किया।बीज प्राप्त करने वाले किसानों में मुख्य रूप से भोला पटेल, गुरुदेव ,अमरदेव,फूलजार,संजय,कल्लू,सूर्यबली यादव, शंकर, श्याम्बली,तेज प्रताप सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

कौशल विकास के द्वारा ही महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकेंगी

*एक माह का सिलाई प्रशिक्षण देकर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र किया गया वितरित।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी ।महिलाओं , किशोरियों के कौशल विकास एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उनके अंदर अभिरुचि के अनुरूप कौशल होना जरूरी है जिससे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

जन कल्याण सोशल सोसाइटी के तत्वावधान में ग्राम पंचायत शिवरामपुर स्थित सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र पर एक माह के समर कैम्प सिलाई प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण शिविर में 30 महिलाओं एवं किशोरियों ने प्रतिभाग कर कौशल प्राप्त किया।समापन अवसर पर संस्था के डायरेक्टर द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

सिलाई प्रशिक्षिका श्रीमती चंदा विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण के दौरान सभी महिलाओं एवं किशोरियों को

पेटीकोट, ब्लाउज, कुर्ती तथा अन्य परिधानों की सिलाई का प्रैक्टिकल व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकेंगी।

इस अवसर पर महेंद्र कुमार गौतम, अशोक पटेल सहित संस्था के अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी महिलाओं के कौशल विकास एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

आयुक्तों के आदेश को भी ठेंगा

करकेली वाटरशेड में जांच के नाम पर एक साल से जमे तीन इंजीनियर

CM -Monit और TL की साख पर धब्बा

समाज जागरण

उमरिया -- जिले के करकेली जनपद पंचायत में वाटर शेड विभाग के पदस्थ तीन उपयंत्रियो को हटाने के आदेश संभागायुक्त शहडोल के व्दारा एक साल पूर्व कलेक्टर उमरिया को अपने पत्र क्र कार्यालय संभागायुक्त शहडोल (म प्र) के पत्र क्र / फा /38-25 / विकास/ 06/ शिकायत उमरिया/ 25 /3911 शहडोल दिनांक 24-7-25 के व्दारा दिये गये थे, पत्र में तय समय सीमा पर वांछित कार्यवाही न होने पर संभागायुक्त शहडोल ने दुबारा आदेश क्र 4633 दिनांक 28-8-25 में कलेक्टर उमरिया को पत्र लिखकर जांच सहित मनरेगा से हटाने के लिये कहा गया था,लेकिन संभागायुक्त शहडोल के दोनों पत्र न जाने एक साल से कहा गायब हो गयें। संभागायुक्त शहडोल ने पत्र में यह भी साफ तौर पर जिक्र किया था कि यह मामला CM-Monit -B पोर्टल और टाइम लिमिट सूची में सूची बद्ध है जिससे इस आदेश का शीघ्र पालन किया जाये। ध्यान देने योग्य है कि जनपद पंचायत करकेली के वाटरशेड में पदस्थ जितेन्द्र मिश्रा, अमित यादव और लोकपाल लोधी को मनरेगा के अतिरिक्त प्रभार से हटाने की मांग भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने आयुक्त राज्य रोजगार गारंटी परिषद से की गयी थी ।आयुक्त राज्य रोजगार गारंटी परिषद ने संभागायुक्त शहडोल को पत्र क्र 325691 दिनांक 25-6-25 के व्दारा तीनों उपयंत्रियो को हटाने के फरमान जारी किये गए थे ।उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के आदेशों का पालन न होने से जिला प्रशासन की कार्यवाही को लेकर बेहद गंभीर सवाल पैदा हो गयें है, कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के ही दल के आशुतोष अग्रवाल जिलाध्यक्ष की मांग और दो - दो आयुक्तों के आदेश के बाद जिले में बैठे प्रशासनिक अधिकारियों ने उस

कार्यालय संभागायुक्त, शहडोल संभाग शहडोल (मध्यप्रदेश)

पर अमल क्यों नहीं किया। मनरेगा में अंगद के पैर जमाये बैठे वाटर शेड के यह इंजीनियरों ने यह साबित कर दिया है कि अपने बास को खुश रखोगें, तो आप भी खुश रहोगे।

CM-Monit और TL की भी फजीहत -- उपयंत्रियो को कार्य मुक्त करने का यह मामला सी एम मोनिट और तय अवधि में पंजीकृत होने के बाद भी प्रभाव हीन बनकर सरकार की किरकिरी करके रख दिया है, जानकर लोगों का कहना है कि सरकार की ज्यादा फजीहत न हो इस लिए इस मामले से हाथ खींच लिया।

क्या कहते हैं नियम -- मनरेगा शिकायत प्रतितोषण नियम 2012 की कंडिका 6(11) में शिकायत मिलते ही ऐसे अधिकारी को तत्काल पद से पृथक करते हुए जांच करनी चाहिए। साथ ही आयुक्त मनरेगा और संभागायुक्त के आदेश के बाद इन इंजीनियरों को न हटाना न सिर्फ आदेशों की अवहेलना है, यह जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की असली सूरत है जो आइने जैसे साफ दिखा रही है।

आखिर कब होंगे कार्य मुक्त --- आयुक्त राज्य रोजगार गारंटी परिषद भोपाल और संभागायुक्त शहडोल के बार बार विधि संगत आदेशों के बाद भी वर्षों से जमे वाटर शेड के इंजीनियरों की कार्य शैली देखकर प्रतीत होता है कि जिस तरह अंगद ने रावण की सभा में आखिर में पैर सत्ता पक्ष के जिलाध्यक्ष भी उनकी ताकत और पकड़ के सामने बौने साबित हो रहे है यह भी सोचनीय है! सत्ता पक्ष के जिलाध्यक्ष भी उनकी ताकत और पकड़ के सामने बौने साबित हो रहे है यह भी सोचनीय है !हटा लिया था, वैसे ही जब वह हटना चाहेंगे तभी हटेगे। क्योंकि समृद्ध शाली उपयंत्रियों के ऊपर प्रशासन का चाबुक तो बेअसर है और जनता जिले की इस व्यवस्था से बेहद मर्माहत है । की जिले में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की यह दुर्गति हैं, तो आम आदमी का हित कितना सुरक्षित रहेगा।

उपयंत्रियो से हारे जिलाध्यक्ष-- गौर तलब है की उपयंत्रियो को कार्य मुक्त कराने के इस मामले में उमरिया जिला प्रशासन से सत्ता पक्ष के जिलाध्यक्ष भी हार मान बैठ गयें है। जिले की इस प्रशासनिक व्यवस्था के चलते इन उपयंत्रियो की ताकत और पकड़ के सामने जिलाध्यक्ष बौने साबित हो रहे है जो की अत्यंत सोचनीय और जिले के नागरिकों के चिंता का बिषय बना हुआ है , जब जिले के सत्ता पक्ष के नेता ही हराश और हताहत होकर जन हितों के मामले से अपनी फजीहत कराने से बचने के लिए अलग कर लिया,तब तो आम आदमी की बिसात ही क्या है।

शास विद्यालय में राजनीतिक गतिविधियों की संलिप्तता को लेकर सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली --- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के कार्यक्रम में शासकीय कन्या विद्यालय पाली की शिक्षिकाओं के कथित रूप से शामिल होने के मामले को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने गंभीर आपत्ति जताते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिरसिंहपुर पाली को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। एनएसयूआई के प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो एवं अन्य जानकारियों के आधार पर यह मामला सामने आया है, जिसमें शासकीय कन्या विद्यालय पाली की कुछ शिक्षिकाएं(शासकीय कन्या विद्यालय के प्राचार्य मुख्य रूप से एक राजनीतिक कार्य क्रम में उपस्थित रहकर छात्र संगठन के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से दिखाई दे रही हैं। यदि जांच में यह तथ्य सही पाए जाते हैं तो यह शासकीय सेवा आचरण नियमों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा तथा इससे शिक्षा

व्यवस्था की निष्पक्षता एवं गरिमा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ज्ञापन में प्रशासन से मांग की गई है कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, कार्यक्रम में शामिल शिक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाए तथा यदि किसी प्रकार का नियम उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने कहा कि शासकीय विद्यालय शिक्षा का मंदिर हैं और यहां कार्यरत शिक्षकों से पूर्ण निष्पक्षता एवं सेवा आचरण नियमों के पालन की अपेक्षा की जाती है। किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों में शिक्षकों की संलिप्तता शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया दुर्गेश नामदेव जावेद खान रवि प्रजापति फैजान नियाजी लकी वर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करोड़ों की नई तहसील भवन में शौचालय पर ताला, खुले में जाने को मजबूर ग्रामीण

अनूपपुर में प्रशासनिक लापरवाही उजागर —दूर -दराज से आने वाले महिला- पुरुष परेशान, पानी और मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव

समाज जागरण

अनूपपुर। जिले में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए नए तहसील कार्यालय का भवन आम लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। तहसील कार्यालय परिसर में बने शौचालय पर ताला लटका हुआ है, जिसके कारण दूर-दराज के गांवों से अपनी जमीन, राजस्व और अन्य शासकीय कार्यों के लिए आने वाले महिला एवं पुरुषों को खुले में शौच जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल आम नागरिकों की गरिमा पर सवाल खड़े करती है, बल्कि प्रशासन की कार्यशैली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस इस भवन के निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन आम जनता के लिए सबसे जरूरी सुविधा–

शौचालय–ही उपलब्ध नहीं है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को उठानी पड़ रही है। घंटों तक अपने कार्य के लिए तहसील कार्यालय में इंतजार करने वाले लोग मजबूरी में इधर-उधर भटकते नजर आते हैं।

जानकारी के अनुसार, शौचालय में ताला लगे होने के कारण कई लोग आसपास खुले स्थानों का सहारा लेने को विवश हैं। इससे स्वच्छता अभियान और सरकार के खुले में शौच मुक्त भारत के दावों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी कार्यालयों में ही ऐसी स्थिति रहेगी तो आम जनता को सुविधाएं कैसे मिलेंगी।

वहीं, तहसील परिसर में मौजूद कुछ अधिवक्ताओं ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि नए भवन में लंबे समय तक पेयजल की भी गंभीर समस्या बनी रही। उनका कहना था कि कई दिनों तक अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक पानी के लिए परेशान होते रहे। अब शौचालय पर ताला लगने से स्थिति और भी गंभीर हो गई है। उनका कहना है कि प्रशासन को इन मूलभूत समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए।

ग्रामीणों का कहना है कि वे कई किलोमीटर दूर से बस और अन्य साधनों से तहसील कार्यालय पहुंचते हैं। कई बार पूरे दिन कार्यालय में रहना पड़ता है, लेकिन न तो शौचालय की सुविधा मिलती है और न ही पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था। इससे महिलाओं को सबसे अधिक असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च कर भवन तो बना दिया गया, लेकिन उसके संचालन और रखरखाव की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया। यदि शौचालय किसी तकनीकी या रखरखाव संबंधी कारण से बंद है, तो इसकी स्पष्ट सूचना भी परिसर में नहीं लगाई गई है और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

अब लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि नए तहसील कार्यालय के शौचालय को तत्काल आम जनता के लिए खोला जाए, नियमित पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा भवन में उपलब्ध सभी मूलभूत सुविधाओं का सुचारु संचालन कराया जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो यह करोड़ों रुपये की सरकारी इमारत केवल "शोपीस" बनकर रह जाएगी और आम जनता को सुविधा देने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। प्रशासन की इस लापरवाही को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जैतहरी में हुआ पौधरोपण

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नगरवासियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

समाज जागरण

जैतहरी। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग, जैतहरी परियोजना कार्यालय में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व परियोजना अधिकारी श्री सतीश कुमार जैन ने किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, कार्यालय स्टाफ तथा नगर के नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं

उपस्थित जनों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम ही नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण की अमूल्य धरोहर भी हैं। उन्होंने सभी से पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करने का भी आग्रह किया। परियोजना अधिकारी श्री सतीश कुमार जैन ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व के सम्मान का भी प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी माता के नाम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। यह आयोजन हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में देखा गया।

जंगल के रास्ते तस्करी करने की कोशिश को नाकाम किया गांजा सहित दो आरोपियो को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

समाज जागरण विजय तिवारी

कटनी ।पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया , थाना प्रभारी संजय दुबे के नेतृत्व मे अपराधो मे लगातार अंकुश लगाने हेतु गांजा बेचने वाली दो आरोपियो को गिरफ्तार किया गया दिनांक 13.07.2026 को मुखबिर की सुचना मिली कि ग्राम बडखेडा के जंगल के पास कोई व्यक्ति गाँजा लिये तस्करी कर रहा है मुखबिर की सूचना पर मौके पर निवार पुलिस पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की जहां

पर आरोपी प्रेमशंकर चौबे पिता स्व.जगन्नाथ चौबे उम्र-50 वर्ष निवासी-अमोदा थाना मझौली जिला जबलपुर हाल अमीरगंज थाना माधवनगर का सफेद रंग का थैला लिये दिखा जो पुलिस को देखकर घबराकर कर भागने की कोशिश किया जिसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गई जिसके कब्जे से थैले के अंदर सफेद रंग की पन्नी में हरे रंग का गांजा जैसा हरी पत्तेदार बीज युक्त गांजा जैसा होना पाया गया ? पादर्थ गांजा की तौल की गई जिसकी कुल मात्रा 01 किलो,10 ग्राम होना पायी गई गाँजा जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया प्रेमशंकर चौबे ने पूछताँछ पर बताया कि मैने गाँजा पूरन बर्मन निवासी मझौली जबलपुर से खरीदा है । जो आरोपी पूरन बर्मन निवासी मझौली जबलपुर को दस्तयाब गिरफ्तार कर दोनो आरोपीगणो प्रेमशंकर चौबे और पूरन बर्मन को माननीय न्यायलय कटनी मे जे. र. पर पेश किया गाया । जो माननीय न्यायलय द्वारा आरोपियो के जेल वारंट बनने पर जिला जेल कटनी मे दाखिल किया गया है । कार्यवाही मे चौकी प्रभारी अंजनी मिश्र, सउनि.राजेश कोरी, प्र. आर. क्र. 76 गौरव सेन ,प्र. आर. 68 मनीष कुमार ,प्र.आर.182 संतोष प्रजापति, आर.352 अरविंद सिंह, 593 शुभम सिंह, म.आर.715 आरती सैयाम के बकील की अहम भूमिका रही ।

बिजुरी में सफाईकर्मियों को स्वच्छता सामग्री व रेनकोट वितरित

समाज जागरण

बिजुरी। नगरपालिका परिषद बिजुरी की अध्यक्ष सहबीन पनिका ने नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मियों का सम्मान करते हुए उन्हें स्वच्छता सामग्री एवं रेनकोट वितरित किए। सफाईकर्मी हर मौसम में दिन-रात मेहनत कर नगर को साफ-सुथरा रखने का कार्य करते हैं। बरसात के मौसम में भी उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से रेनकोट उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वे सुरक्षित तरीके से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

नगरपालिका अध्यक्ष ने सफाईकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नगर की स्वच्छता बनाए रखने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और नगरपालिका उनके हितों एवं सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। इस अवसर पर नगरपालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह, उपयंत्री देवल सिंह, पार्षद अन्नू देवी, लक्ष्मी मुकेश शुक्ला,कलावती सिंह, नमिता कैलाश कोल, कैलाश कोल स्वच्छता प्रभारी डी.एन. मिश्रा, मथुरा कोल, हर्षलाल, शिवनरेश धनवार, कामता सेन, लखन साहू, देवसिंह मरकाम, पंकज श्रीवास्तव,

राज कुमार तरुण मिश्रा,सुरेश धनवार ,मुकेश कलसा, विनोद नाहर सहित बड़ी संख्या में नगरपालिका कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हटा में बीएमओ और सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण, दस्तक अभियान की प्रगति परखी

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

हटा (दमोह)। दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हटा विकासखंड के मडियादो एवं कलकुआ गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों तथा टीकाकरण सत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बीएमओ एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सीडीपीओ ने केंद्रों पर उपलब्ध स्वास्थ्य एवं पोषण

संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने टीकाकरण के लिए तैयार की गई वैक्सीनेशन ड्यू लिस्ट का अवलोकन कर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बच्चा, गर्भवती महिला अथवा धात्री माता नियमित टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में संधारित अभिलेखों, पंजीयों तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र पर उपस्थित महिलाओं से संवाद करते हुए बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता, स्तनपान तथा समय पर टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने दस्तक अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकताओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि दस्तक अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की समय पर पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके लिए प्रत्येक पात्र हितग्राही का चिन्हांकन कर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए ताकि अभियान का प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सके।

गांगी धाम मड़िया में पूरी होती हैं श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं, हनुमान जी के दरबार में उमड़ती है आस्था

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

पन्ना/दमोह दमोह एवं पन्ना जिले की सीमा के समीप स्थित प्रसिद्ध गांगी धाम मड़िया श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ग्राम रनेह से लगभग 20 किलोमीटर तथा बम्हौरी से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस धाम में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान हनुमान के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि धाम में विराजमान भगवान हनुमान के समक्ष सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई प्रार्थना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन के दुख-दर्द दूर होते हैं। इसी आस्था के कारण आसपास के गांवों के साथ-साथ दमोह, पन्ना और अन्य क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। धाम के पुजारी बबलू राजा द्वारा पथरी एवं अन्य रोगों के

लिए पारंपरिक (देसी) औषधि भी श्रद्धालुओं को दी जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अनेक लोगों ने इस औषधि से लाभ मिलने का अनुभव साझा किया है। प्रत्यक्षदर्शियों और श्रद्धालुओं के अनुसार, जो भी व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ गांगी धाम मड़िया पहुंचता है, उसकी मनोकामना पूर्ण होने की मान्यता है। यही कारण है कि प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को यहां

भक्तों का विशेष जमावड़ा देखने को मिलता है और पूरा धाम भक्ति, श्रद्धा एवं धार्मिक वातावरण से गुंजायमान रहता है।

मड़ियादो पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बोलेरो से 162 लीटर अवैध देशी मसाला शराब जब्त

तिंदनी तिगड्डा पर घेराबंदी कर बोलेरो पकड़ी, पन्ना जिले के तीन आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मड़ियादो थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बोलेरो वाहन से 162 लीटर अवैध देशी मसाला शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत

मामला दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया एवं एसडीओपी हटा कृष्णपाल सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम वर्धा की ओर से एक बोलेरो वाहन में अवैध शराब भरकर मड़ियादो लाई जा रही है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी प्रीति पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मेन रोड तिंदनी तिगड्डा पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद बोलेरो वाहन क्रमांक MP-39-C-2154 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में सवार तीन लोगों के कब्जे से 15 कार्टून में रखी 162 लीटर देशी मसाला शराब बरामद हुई। आरोपियों से शराब के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने करीब 95 हजार 400 रुपये मूल्य की अवैध शराब और परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन जब्त कर लिया। इस मामले में थाना मड़ियादो में अपराध क्रमांक 99/2026 के तहत मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशाराम पटैल (45 वर्ष), बृजेश पटैल (35 वर्ष) और केतार वर्मन (30 वर्ष) निवासी ग्राम कोल करहिया, थाना सिमरिया, जिला पन्ना के रूप में हुई है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रीति पाण्डेय, उपनिरीक्षक सरदार सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का भव्य आयोजन आज 15 जुलाई से

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह - शहर के धरमपुरा वार्ड में 15 जुलाई से 22 जुलाई 2026 तक संगीतमय श्रीमद भागवत कथा सप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार कथा का आयोजन निज निवास, धरमपुरा वार्ड, दमोह में किया जाएगा। कथा वाचन बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कथाव्यास पं. श्री कमलेश्वरानंद जी महाराज (श्री शिव सांई धाम मंदिर, बेलाताल) द्वारा किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से हरि इच्छा तक निर्धारित किया गया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी—

15 जुलाईः कलश यात्रा, भक्ति ज्ञान एवं वैराग्य कथा, 16 जुलाईः शुकदेव जी एवं परीक्षित जन्म प्रसंग, 17 जुलाईः परीक्षित श्राप, वामन अवतार व प्रह्लाद चरित्र, 18 जुलाईः श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव, 19 जुलाईः बाल लीलाएं, गोवर्धन लीला एवं छप्पन भोग, 20 जुलाईः कंस वध एवं कृष्ण-रुक्मणी विवाह, 21 जुलाईः सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष, 22 जुलाईः प्रातः हवन-पूजन एवं दोपहर 12 बजे से भंडारा होगा।

इस आयोजन के मुख्य कथा श्रेता के रूप में श्रीमती लक्ष्मीबाई एवं नन्हेलाल बरदिया (सेवानिवृत्त पोस्ट मास्टर) शामिल हैं। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। आयोजन स्थल पर समापन दिवस पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें लेकर पहुंचे फरियादियों की समस्याओं पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और

इसमें प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूरी संवेदनशीलता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि प्रत्येक मामले का गंभीरता से परीक्षण करते हुए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का स्थलीय सत्यापन कर समयबद्ध तरीके से उनका निस्तारण किया जाए। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए
और शिकायतकर्ता को समय पर न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक अपने-अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से बैठकर जनसुनवाई करें, ताकि स्थानीय स्तर पर ही अधिक से अधिक लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि तहसील एवं विकास खंड मुख्यालयों पर भी नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाए और मौके पर ही यथासंभव शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों से जनसमस्याओं के समाधान में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। समयबद्ध कार्रवाई से न केवल लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन फिर शुरू, 24 जुलाई तक करें आवेदन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। मत्स्य विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं, विशेष रूप से निषादराज बोट सब्सिडी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः शुरू कर दी है। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र मत्स्य पालकों को योजना का लाभ उपलब्ध कराना है। इसके लिए विभागीय पोर्टल दोबारा खोल दिया गया है, जिससे छूटे हुए इच्छुक अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकें। सहायक निदेशक मत्स्य, सोनभद्र ने बताया कि इच्छुक आवेदक 9 जुलाई 2026 से 24 जुलाई 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और निर्धारित समय सीमा के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसलिए पात्र अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि योजना से संबंधित परियोजना का विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख तथा अन्य दिशा-निर्देश विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध हैं। आवेदक सभी जानकारी का अध्ययन कर निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को बोट खरीदने के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिलेगी और मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। मत्स्य विभाग ने जिले के सभी पात्र मत्स्य पालकों एवं मछुआरा समुदाय से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय से आवेदन करें। आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या तकनीकी सहायता के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय अवधि में सहायक निदेशक मत्स्य, द्वितीय तल, विकास भवन, सोनभद्र स्थित कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। विभाग का मानना है कि इस योजना के माध्यम से मत्स्य पालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और जिले में मत्स्य पालन व्यवसाय को नई गति मिलेगी।

बसुहारी मे जनसंवाद एवं जनचौपाल मे सुनी गई ग्रामिणों की समस्यायें

संवैधानिक वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए निशुल्क लड़ेंगे लड़ाई - अभिषेक चौबे

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। बसुहारी ग्राम पंचायत मे प्रस्तावित पम्प्ड स्टोरेज परियोजना (PSP) से प्रभावित आदिवासी एवं स्थानीय ग्रामीणों के साथ एक महत्वपूर्ण जनचौपाल एवं जनसंवाद का आयोजन अमन सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एवं अपना दल (एस)

विधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक चौबे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। साथ ही अपना दल (एस) सोनभद्र के जिलाध्यक्ष अंजनी पटेल ,प्रवीण त्रिपाठी, लक्ष्मण गोंड़, राकेश पटेल, नंदु पटेल, हरिप्रसाद धांगर, आलोक पांडेय, अखिलेश पटेल राम कृष्ण गुप्ता,सुनेश पासवान समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।
बैठक में ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण, विस्थापन, वनाधिकार, आजीविका, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रशासन एवं कंपनी की कार्यप्रणाली से संबंधित अपनी समस्याओं और आशंकाओं को विस्तार से रखा।इस अवसर पर अधिवक्ता अभिषेक चौबे ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यदि किसी भी आदिवासी या स्थानीय नागरिक के साथ कंपनी अथवा प्रशासन द्वारा अन्याय किया जाता है, तो वे उनके संवैधानिक एवं वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए निःशुल्क कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि विकास आवश्यक है, लेकिन वह संविधान, कानून और स्थानीय लोगों के अधिकारों की कीमत पर स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने ग्रामीणों से संगठित एवं शांतिपूर्ण ढंग से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आह्वान करते हुए विश्वास दिलाया कि न्याय की इस लड़ाई में वे हर कदम पर उनके साथ खड़े रहेंगे। अंजनी पटेल ने लोगों को संगठित होने का आव्हान करते हुए कहा कि "जल, जंगल, जमीन और जनाधिकार की रक्षा
हमारा संवैधानिक दायित्व है। विकास तभी सार्थक है जब उसमें स्थानीय लोगों का
सम्मान, सहभागिता और न्याय सुनिश्चित हो।" बसुहारी के सभी ग्रामीणों, विशेषकर आदिवासी समाज के भाइयों-बहनों का इस जनसंवाद में सक्रिय सहभागिता रही।

महादेव सेवा समिति की अहम बैठक संपन्नः प्रमोद फिर बने समिति के अध्यक्ष, सावन के दूसरे सोमवार को निकलेगी ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। सावन माह में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक जलाभिषेक एवं कांवड़ यात्रा को लेकर सोमवार शाम महादेव सेवा समिति चोपन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने आगामी आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की तथा सर्वसम्मति से प्रमोद कुमार को एक बार फिर महादेव सेवा समिति का अध्यक्ष चुना। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष सावन के दूसरे सोमवार, 9 अगस्त को चोपन सोन घाट से डाला स्थित अचलेश्वर धाम तक भव्य जलाभिषेक एवं कांवड़ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल होकर "हर-हर महादेव" के जयघोष के साथ पैदल यात्रा करेंगे और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन कई वर्षों से लगातार श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। चोपन नगर में यह कांवड़ यात्रा अपनी भव्यता, अनुशासन और धार्मिक आस्था के लिए विशेष पहचान बना चुकी है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष आयोजन को पिछले वर्षों की अपेक्षा अधिक
भव्य, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति के सभी सदस्यों के सहयोग और शिवभक्तों के आशीर्वाद से यात्रा को नई पहचान दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। बैठक में यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, स्वागत, पेयजल, चिकित्सा सहायता, यातायात प्रबंधन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने अपने-अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया और आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का निर्णय लिया। बैठक में महादेव सेवा समिति के सभी सदस्यों ने एक स्वर में आयोजन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प दोहराया।

मारकुंडी के सैकड़ों किसानों ने बीजों का मिनी किट न मिलने पर विरोध-प्रदर्शन कर लगाये मुदाबाद के नारे

•~उपकृषि निदेशक कार्यालय मंगुराही का घेराव कर जताया आक्रोश

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। मंगुराही स्थित उपकृषि निदेशक कार्यालय पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब ग्राम मारकुण्डी के किसानों ने बीजों के मिनी किट लेने पहुंचे और कृषि
विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को बताया गया कि अभी मिनी किट निःशुल्क नहीं मिलेगा, निःशुल्क मिनी किट आगामी तीन सप्ताह बाद मिलेगा। मौके पर पहुंचे किसानों ने इसकी सूचना ग्राम प्रधान मारकुण्डी उधम सिंह यादव को दी, जिस पर मौके पहुंचे ग्राम प्रधान ने कृषि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से कहा

कि वर्तमान समय में खेती-किसानी का सीजन है और आज से तीन सप्ताह बाद यदि आप मिनी किट को निःशुल्क देंगे, तो इसका किसानों को कोई लाभ नहीं मिलेगा। जब शासन द्वारा उन्नत एवं रोग प्रतिरोधी फसलों के बीजों की मिनी किट को मुफ्त बांटने का प्राविधान है, तो उसे निःशुल्क ही देना चाहिए। इसके अलावा ग्राम प्रधान ने अधिकारियों से यह भी कहा कि इन किसानों ने नियमानुसार दर्शन पोर्टल से पंजीकरण कराकर टोकन जारी कराया है, ताकि उन्हें शासन से निःशुल्क मिनी किट प्राप्त हो सके, परन्तु आज जब खेती किसानी का समय बीत जायेगा,तो बाद में उक्त मिनी किट वितरण का कोई उद्देश्य ही नहीं रह जायेगा। ग्राम प्रधान व किसानों की बातों को कोई असर कृषि विभाग के अधिकारियों पर नहीं पड़ा और वे अपनी बात पर अड़े रहे। मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान व किसानों ने प्रदर्शन किया और इस दरम्यान लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों के मुदार्बाद के नारे लगाये।

बताते है कि उत्तर प्रदेश शासन कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म के तिलहन, दलहन और मोटे अनाज के बीज मुफ्त मिनी किट के रूप में प्रदान करती है। इन किटों को प्राप्त करने के लिए किसानों को दर्शन-एक पोर्टल/ऐप या नजदीकी जन सेवा केंद्र पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। ऑनलाइन बुकिंग के बाद किसानों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से होता है, जिसके बाद स्थानीय राजकीय कृषि बीज भंडार से निःशुल्क मिनी किट बांटी जाती है, परन्तु कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा वर्तमान समय में निःशुल्क मिनी किट न देने से ग्राम प्रधान व ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और ग्राम प्रधान यह आरोप लगाते दिखे कि खेती किसानी के मौसम में निःशुल्क किट नहीं दिया जायेगा, तो बाद में उस मिनी किट का कोई महत्व नहीं रह जायेगा। कृषि विभाग का यह रवैया "का बरखा जब कृषि सुखाने" लोकोक्ति को चरितार्थ करती है, जो कहीं न कहीं शासन की नीति एवं प्रशासनिक अधिकारियों के रवैये को परिभाषित करती है। इस दौरान किसानों ने यह आरोप भी लगाया कि हम किसानों को महीनों से कार्यालय दौड़ाया जा रहा है, परन्तु कई बार कार्यालय जाने के बाद भी उन्हें बैरंग लौटना पड़ा, जिससे किसानों को गुस्सा फूट पड़ा। इस मौके पर ग्राम प्रधान मारकुण्डी उधम सिंह यादव, गुलाब, कमलेश, बुद्धिराम, गोविन्द, भोला, कयर आदि दर्जनों किसान मौजूद रहे।

01 अगस्त से लागू होगी नई सर्किल रेट सूची, डीएम ने मांगे सुझाव और आपत्तियां

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद में वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित नई मूल्यांकन सूची (सर्किल रेट) तैयार कर ली गई है ।उपजिलाधिकारियों
एवं उपनिबंधकों द्वारा संशोधन, परिवर्तन एवं विलोपन से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ को उपलब्ध करा दिए गए हैं। प्रस्तावित सूची खसरा संख्या आधारित अद्यतन आंकड़ों, भूमि की वास्तविक उपयोगिता तथा प्रचलित बाजार दरों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने प्रस्तावित मूल्यांकन सूची पर आमजन, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों से एक सप्ताह के भीतर सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की

हैं। उन्होंने कहा कि प्राप्त सभी सुझावों और आपत्तियों का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जाएंगे। प्रशासन का उद्देश्य संपत्तियों का मूल्यांकन अधिक पारदर्शी, यथार्थपरक और वर्तमान बाजार परिस्थितियों के अनुरूप करना है, ताकि आमजन को उचित एवं न्यायसंगत मूल्यांकन का लाभ मिल सके। अंतिम रूप से

संशोधित मूल्यांकन सूची 1 अगस्त 2026 से पूरे जनपद में प्रभावी कर दी जाएगी। इससे भूमि एवं संपत्ति के पंजीकरण में नई दरें लागू होंगी।

शक्तिनगर पुलिस द्वारा साइबर ठगी के दो पीड़ितों को कुल ₹11,000/- की धनराशि कराई गई वापस

समाज जागरण/ अकबर अली

शक्तिनगर/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक थाना शक्तिनगर सतेन्द्र कुमार राय के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा साइबर ठगी के दो अलग-अलग प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी

कार्रवाई करते हुए
कुल ₹11,000/- (ग्यारह हजार रुपये) पीड़ितों के खातों में सफलतापूर्वक वापस कराए गए। प्रकरण-01 आवेदक चाँद मोहम्मद अंसारी पुत्र अकबर अंसारी, निवासी बस स्टैण्ड, शक्तिनगर, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात साइबर ठग द्वारा धोखाधड़ी कर ₹8,000/- की धनराशि ट्रांसफर करा ली गई थी।

शिकायत प्राप्त होते ही थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा तत्काल बैंक से पत्राचार कर फ्रॉड की गई धनराशि को होल्ड कराया गया तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए ₹8,000/- की सम्पूर्ण धनराशि आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। प्रकरण- 02 आवेदक सैयद अली पुत्र वकील अली, निवासी बस स्टैण्ड, शक्तिनगर, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र के साथ भी किसी अज्ञात साइबर ठग द्वारा धोखाधड़ी कर धनराशि ट्रांसफर करा ली गई थी।

प्रकरण में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक से समन्वय स्थापित किया गया तथा MRM Portal के माध्यम से ₹3,000/- की धनराशि आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई।

चोपन ब्लॉक परिसर में निकला विशालकाय सांप, कर्मचारियों में मची दहशत, सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। बरसात के मौसम में सांप निकलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सोमवार को विकास खंड चोपन परिसर स्थित एक गोदाम में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कर्मचारियों ने एक विशालकाय सांप को गोदाम के अंदर देखा। अचानक सांप दिखाई देने से कर्मचारियों में दहशत फैल गई और सभी गोदाम से बाहर निकल आए। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय स्नेक रेस्क्यूअर विकास अग्रहरि को दी गई। सूचना मिलते ही विकास अग्रहरि मौके पर पहुंचे और गोदाम के अंदर जाकर सांप की तलाश शुरू की। काफी देर तक चली मशक्कत के बाद उन्होंने सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। रेस्क्यू के दौरान मौके पर मौजूद लोग भी बड़ी संख्या में एकत्र हो गए और पूरे अभियान को देखते रहे। धामीन प्रजाती के सांप को पकड़ने के बाद विकास अग्रहरि उसे सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ आए, जिससे किसी भी तरह की जनहानि या वन्यजीव

को नुकसान न पहुंचे।
विकास अग्रहरि ने बताया कि बरसात के मौसम में बिलों में पानी भर जाने के कारण सांप अक्सर सुरक्षित स्थान की तलाश में घरों, कार्यालयों, गोदामों और अन्य भवनों में पहुंच जाते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान ही उन्होंने चोपन क्षेत्र से करीब 40 से 50 सांपों का सफल रेस्क्यू किया है। उनका कहना है कि अधिकांश मामलों में समय पर सूचना मिलने से सांपों को सुरक्षित बचाया जा सका और लोगों को भी किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं सांप दिखाई दे तो घबराएं नहीं और न ही उसे मारने या स्वयं पकड़ने का प्रयास करें।
ऐसी स्थिति में तुरंत प्रशिक्षित स्नेक रेस्क्यू टीम या वन विभाग को सूचना दें। बरसात के मौसम में घरों और आसपास की झाड़ियों की नियमित सफाई करें, अनावश्यक सामान का ढेर न लगने दें तथा बच्चों को भी सतर्क रहने के लिए जागरूक करें। समय रहते सावधानी बरतने से सर्पदंश जैसी घटनाओं से बचा जा सकता है।

संचारी व दस्तक अभियान तेज, जनपद में साफ-सफाई और रोगियों के चिन्हीकरण पर जोर

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद में 1 जुलाई से संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई से दस्तक अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत संक्रामक एवं वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, जनजागरूकता और रोगियों के चिन्हीकरण का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी के

निदेर्शानुसार उच्च जोखिम वाले गांवों में माइक्रोप्लान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें सफाईकर्मी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, पंचायत सहायक और ग्राम प्रधानों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई, हैंडपंपों की मरम्मत, शौचालय निर्माण और मच्छरजनित रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक 1,895 विद्यालयों में जागरूकता रैलियां, 257 ग्रामों में प्रभात फेरियां और 266 ग्राम सभाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इसके अलावा 60 शहरी वार्डों में फॉगिंग, 1,137 हैंडपंपों की मरम्मत, 640 ग्रामीण एवं 676 शहरी नालियों की सफाई सहित अन्य स्वच्छता कार्य भी कराए गए हैं। दस्तक अभियान के तहत घर-घर जाकर बुखार, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ, डायरिया, कालाजार और खांसी-जुकाम जैसे लक्षणों वाले लोगों का चिन्हीकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखें, जलभराव न होने दें तथा किसी भी संक्रामक रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच एवं उपचार कराएं।

कोलकाता में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और मंत्रीगण के साथ की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

विकसित भारत में बंगाल की निर्णायक भूमिका- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प. बंगाल में अटकी परियोजनाएँ मंजूर, इंफ्रास्ट्रक्चर पर 82,000 करोड़ रु. के कार्यों से नई गति- श्री शिवराज सिंह ग्रामीण रोजगार-आजीविका के लिए 8,508 करोड़ रु. का पैकेज और VB-G फ्अट ऋकानून से नई गारंटी- श्री शिवराज मालदा क्लीन प्लांट, सीड हब, राइस-मक्का-ऑर्किड वैल्यू चेन से कृषि में होगा बड़ा बदलाव- श्री शिवराज सिंह 1 लाख ग्रामीण मकान, महिला SHG को 295 करोड़ रु., फसल बीमा-KCC पर विशेष अभियान- श्री शिवराज सिंह प. बंगाल के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाकर साथ- श्री शिवराज सिंह केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पश्चिम बंगाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी और राज्य के मंत्रीगण तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोलकाता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इसमें श्री शिवराज सिंह द्वारा अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और घोषणाएं की गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना, विकसित प. बंगाल के बिना पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने पुरानी स्थिति को याद करते हुए कहा कि पहले जब वे बंगाल आते थे तो विकास रुका हुआ दिखता था, केंद्र की योजनाएँ ठीक से नहीं पहुँचती थीं, लेकिन अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और नए नेतृत्व के साथ बंगाल विकास और प्रगति की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चरः बड़े प्रोजेक्ट और पुरानी रुकावटों पर फैसला
केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पश्चिम बंगाल के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नई गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। सड़क एवं राजमार्ग, रेलवे, मेट्रो, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयला तथा श्रम क्षेत्रों से संबंधित 82,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 19 महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का पहला दौर सफलतापूर्वक संपन्न

भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता में आठ तकनीकी सत्रों के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का पहला दौर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह वार्ता 29 जून से 7 जुलाई 2026 तक वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई थी।

भारत की वार्ता टीम का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार श्री उज्ज्वल कुमार घोष ने किया, जबकि मालदीव प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार श्री यूसुफ रिजा ने किया।

वार्ता के पहले दौर के दौरान, दोनों पक्षों की वार्ता टीमों ने आठ नीतिगत क्षेत्रों को शामिल करते हुए आठ तकनीकी सत्रों में लिखित चर्चा में भाग लिया। दोनों पक्षों ने वार्ता के सभी पहलुओं पर ठोस प्रगति की और कई मुद्दों पर व्यापक सहमति बनी। 8 जुलाई 2026 को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने मालदीव के आर्थिक विकास, परिवहन एवं व्यापार मंत्री श्री मोहम्मद सईद से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने भारत-मालदीव मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता सहित चल रही द्विपक्षीय आर्थिक पहलों की प्रगति की समीक्षा की।

भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को जल्द से जल्द पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने दोनों देशों के लिए नए अवसर खोलने हेतु पर्यटन, स्टार्टअप, डिजिटल भुगतान, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और व्यापार में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति व्यक्त की।

भारत, मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 771.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2024-25 में यह 679.70 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 13.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) से बाजार पहुंच बढ़ाकर, निवेश को सुगम बनाकर, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देकर और दोनों देशों में सतत आर्थिक विकास में योगदान देकर द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद है। दोनों पक्ष निष्पक्षता और पारस्परिकता के सिद्धांतों से निर्देशित एक व्यापक, संतुलित और समग्र समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने भारत-स्पेन आर्थिक साझेदारी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उच्च स्तरीय बैठकों के साथ स्पेन यात्रा का शुभारंभ किया

स्पेन के प्रथम उपराष्ट्रपति और श्री पीयूष गोयल ने व्यापार, निवेश, नवाचार सहयोग के विस्तार पर चर्चा की

श्री पीयूष गोयल ने विनिर्माण और नवाचार साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए स्पेन के उद्योग मंत्री से वातालर्प किया

भारत-स्पेन व्यापार मंच ने द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और उद्योग सहयोग के नए अवसरों की खोज की

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 13 जुलाई, 2026 को अपनी आधिकारिक यात्रा के स्पेन चरण का शुभारंभ किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत-स्पेन आर्थिक साझेदारी को गहरा करने और व्यापार, निवेश, नवाचार एवं उद्योग में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लिया। यह यात्रा द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह यात्रा इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि दोनों देश राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं और भारत-स्पेन द्विभाषी संस्कृति, पर्यटन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष 2026 का भी आयोजन कर रहे हैं।

श्री पीयूष गोयल ने स्पेन सरकार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों के साथ-साथ व्यापारिक प्रमुखों तथा निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों के साथ बातचीत की और भारत-स्पेन व्यापार मंच को संबोधित किया। उन्होंने आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने, अधिक औद्योगिक साझेदारी

को सुविधाजनक बनाने और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत के बढ़ते अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ वातालर्प किया।

श्री गोयल ने स्पेन सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति और

अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं व्यवसाय मंत्री श्री कार्लोस कुएर्पो कैबालेरो के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को सुदृढ़ करने, व्यावसायिक सहयोग बढ़ाने, नवाचार-आधारित विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के तरीकों पर चर्चा की। चर्चा का मुख्य केंद्र बाजार पहुंच में सुधार, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण और दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक साझेदारियों का विस्तार करना था, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, अवसंरचना और नवाचार पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर भी विचार-विमर्श किया और व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने तथा स्पेन के साथ भारत की वाणिज्यिक भागीदारी का विस्तार करने के तरीकों पर विचार किया। दोनों पक्षों ने नए निवेशों को सुगम बनाने और व्यापारिक विश्वास को मजबूत करने के लिए फास्ट ट्रैक तंत्र का पूर्ण उपयोग करने पर सहमति व्यक्त की और इस वर्ष के अंत में भारत-स्पेन आर्थिक सहयोग पर संयुक्त आयोग के अगले सत्र का आयोजन करेंगे। श्री पीयूष गोयल ने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री महामहिम श्री जोर्डी हेरेउ बोहर से भी भेंट की। चर्चा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने, सतत विनिर्माण को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी साझेदारी का समर्थन करने और स्वच्छ ऊर्जा, गतिशीलता, उन्नत विनिर्माण और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी। दोनों पक्षों ने ऑटोमोटिव, रेलवे और स्मार्ट बुनियादी ढांचे में सहयोग विस्तार पर भी चर्चा की। उन्होंने "मेक इन इंडिया" पहल के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग के एक प्रमुख उदाहरण के रूप में सी-295 कार्यक्रम का स्वागत किया। दोनों मंत्रियों ने पर्यटन को एक साझा प्राथमिकता बताया, और 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष के रूप में मनाने पर बल दिया, जो एक ऐसी साझेदारी को दशार्ता है जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं और लोगों को एक दूसरे के करीब ला रही है। दोनों पक्षों ने उद्योग-से-उद्योग जुड़ाव को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण भारत-स्पेन व्यापार मंच था, जिसका आयोजन फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी), स्पेन के चैंबर ऑफ कॉमर्स, स्पैनिश कन्फेडरेशन ऑफ

बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन्स (सीईओई) और आईसीईएक्स स्पेन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस मंच में दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, उद्योगपति और व्यापारिक प्रतिनिधि आर्थिक सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए एक साथ उपस्थित रहें।

बैठक का शुभारंभ स्पेन के चैंबर ऑफ कॉमर्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री इनमाकुलाडा रीरा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति की अध्यक्ष सुश्री मार्टा ब्लैंको, एफआईसीसीआई के अध्यक्ष श्री अनंत गोयनका, भारतीय उद्योग

परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष श्री आर. मुकुंदन और स्पेन तथा अंडोरा में भारत के राजदूत श्री जयंत एन. खोबरागड़े के स्वागत संबोधन के साथ हुआ।

मुख्य सत्र में स्पेन के उद्योग मंत्री श्री जोर्डी गार्सिया ब्रुस्टेंगा और श्री पीयूष गोयल ने संबोधित किया। अपने संबोधन और स्पेन के प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों और व्यापारिक प्रमुखों के साथ बातचीत के दौरान, श्री गोयल ने भारत के विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने, इसकी मजबूत आर्थिक वृद्धि, प्रगतिशील सुधारों और विशाल निवेश अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने स्पेन की कंपनियों को भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्य संबोधन के पश्चात एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र और एक नेटवर्किंग रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जिससे दोनों देशों के व्यापारिक प्रमुखों को वाणिज्यिक साझेदारी और निवेश के अवसरों के विस्तार पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला। श्री गोयल ने स्पेन की व्यापार एवं निवेश प्रोत्साहन एजेंसी, आईसीईएक्स एस्पाना एक्सपोर्टेशियन और इनवर्जन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय निवेश प्रवाह को मजबूत करने, व्यावसायिक संबंधों को सुगम बनाने और भारत के विकास में स्पेनिश उद्यमों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उपायों पर चर्चा की। चर्चा का मुख्य विषय निवेश साझेदारी बढ़ाने, प्रौद्योगिकी सहयोग और दोनों देशों के व्यवसायों को समर्थन देने पर केंद्रित था।

दिन के कार्यक्रम के समापन पर, श्री गोयल ने एफआईसीसी के नेतृत्व में भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ वातालर्प चर्चा सत्र के दौरान, उन्होंने उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ यात्रा के दौरान पहचाने गए अवसरों पर विचार-विमर्श किया और आने वाले वर्षों में स्पेन के साथ भारतीय निवेश और व्यापारिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस यात्रा ने व्यापार, निवेश,

औद्योगिक सहयोग, नवाचार और जन-सामुदायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देकर भारत और स्पेन की रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों देशों के बीच मजबूत राजनीतिक समझ के आधार पर, दोनों पक्षों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा के परिणाम द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को बढ़ाने और व्यवसायों और निवेशकों के लिए नए अवसरों का सृजन करने में योगदान देंगे।

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय में इंडी हाट 2026 का दौरा किया

इंडी हाट 2026 भारत की समृद्ध हथकरघा एवं हस्तशिल्प विरासत का उत्सव है, जो भारत टेक्स 2026 से जुड़ी एक विशेष पहल है भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय ने विकास आयुक्त (हथकरघा) के कार्यालय के साथ मिलकर, नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में ह्यइंडी हाट 2026 - भारत की समृद्ध हथकरघा एवं हस्तशिल्प विरासत का उत्सवह्न आयोजित किया। 'इंडी हाट 2026' का आयोजन 10 से 19 जुलाई 2026 तक किया जा रहा है। इसे 'भारत टेक्स 2026' से जुड़ी एक विशेष पहल के रूप में तैयार किया गया है। 'भारत टेक्स 2026' देश का सबसे बड़ा वैश्विक वस्त्र कार्यक्रम है, जिसका आयोजन 14 से 17 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जाएगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने आज इंडी हाट 2026 का दौरा किया। इस अवसर पर श्रीमती नीलम शमी राव, सचिव, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार; वस्त्र मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी; विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) तथा विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालयों के अधिकारी; भारत टेक्स की संचालन समिति के सदस्य; तथा सहभागी शिल्पकार एवं व्यापारिक आगंतुक भी उपस्थित रहे। केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने उपस्थित गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए कहा, भारत के हथकरघा एवं हस्तशिल्प हमारी सभ्यतागत विरासत, रचनात्मकता तथा हमारे कारीगरों एवं बुनकरों के अतुलनीय कौशल की जीवंत अभिव्यक्ति हैं।

अवसंरचना के सृजन से लेकर सेवा वितरण तकः पेयजल और स्वच्छता विभाग ने जिला कलेक्टरों के पेयजल संवाद का 10वां सम्मेलन आयोजित किया

जल जीवन मिशन २.० के अंतर्गत पांच जिलों ने सतत ग्रामीण जल सेवा वितरण के सर्वोत्तम तौर -तरीकों का प्रदर्शन किया

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला कलेक्टरों के पेयजल संवाद के 10 वें संस्करण का आयोजन किया। इसमें वरिष्ठ अधिकारी, जिला कलेक्टर/उपायुक्त और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मिशन निदेशकों ने एक साथ आकर सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सतत ग्रामीण पेयजल सेवा वितरण को सुदृढ़ करने के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0 के कार्यान्वयन में गति लाने पर विचार-विमर्श किया। डीडीडब्ल्यूएस के सचिव श्री अशोक के.के. मीणा ने संवाद की अध्यक्षता की। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) के अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक श्री कमल किशोर सोआन और डीडीडब्ल्यूएस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें उपस्थित थे।

डीडीडब्ल्यूएस के सचिव श्री अशोक के.के. मीणा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि जल जीवन मिशन एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है जहां ध्यान अवसंरचना के निर्माण से हटकर सामुदायिक-नेतृत्व वाली शासन व्यवस्था (जन भागीदारी) के माध्यम से सुनिश्चित और सतत ग्रामीण पाइपलाइन जल सेवा वितरण पर केंद्रित हो गया है।

श्री अशोक के.के. मीणा ने सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए राज्यों और जिलों से हर घर जल (एचजीजे) ग्राम पंचायतों (जीपी) के प्रमाणीकरण में गति लाने तथा ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों में स्थानीय भागीदारी को बढ़ावा देने और उसे सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल अर्पण को वार्षिक सामुदायिक नेतृत्व वाले कार्यक्रम के रूप में संस्थागत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने जल सेवा वितरण का उल्लेख करते हुए बताया कि जल सेवा आंकलन के अंतर्गत देशभर में 1.17 लाख से अधिक गतिविधियां पहले ही संपन्न हो चुकी हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मिशन के अंतर्गत निर्मित ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों और संपत्तियों का संचालन तथा रखरखाव (ओ एंड एम) अब ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) की ओर से किया जाना चाहिए। सचिव महोदय ने जल प्रशासन में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की बढ़ती भूमिका पर बोलते हुए राज्य और जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पीएम गति शक्ति पोर्टल से जुड़ी हुई सुजलम भारत डिजिटल रजिस्ट्री के माध्यम से स्रोत से नल तक ग्रामीण जल आपूर्ति की सभी संपत्तियों की डिजिटल मैपिंग सुनिश्चित करें । उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि योजना, निगरानी, निवारक रखरखाव और साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जल आपूर्ति संबंधी सभी संपत्तियों को जियो-टैग किया जाना चाहिए।

एक मेज पर बैठे लोगों का समूह - एआई द्वारा उत्पन्न सामग्री गलत हो सकती है। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक श्री कमल किशोर सोआन ने सभा को संबोधित करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जेजेएम 2.0 के उद्देश्यों को व्यापक परिणामों में बदलने में जिला प्रशासनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने बताया कि सतत सेवा वितरण, स्रोत की

स्थिरता, सामुदायिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी-आधारित निगरानी आगे चलकर मिशन के मुख्य स्तंभ होंगे। उन्होंने जिला कलेक्टरों से आग्रह किया कि वे विभिन्न विभागों के बीच समन्वय मजबूत करें, कार्यान्वयन की नियमित समीक्षा करें और नवाचार को बढ़ावा दें तथा साथ ही ग्रामीण पेयजल प्रणालियों की दीर्घकालिक कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए एचजीजे की संपत्तियों का उचित मानचित्रण करें। पेयजल संवाद में ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता सेवाओं की स्थिरता को सुदृढ़ करने में जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य (डब्ल्यूएएसएच) के लिए 16वें वित्त आयोग के अनुदान की महत्वपूर्ण भूमिका को विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से उजागर किया गया। इसमें चयनित पांच जिलों किन्नौर (हिमाचल प्रदेश), हावेरी (कर्नाटक), दुमका (झारखंड), दक्षिण गोवा (गोवा) और उनाकोटी (त्रिपुरा) की प्रगति और सर्वोत्तम तौर-तरीकों के बारे में संबंधित जिला समाहताओं/जिला मजिस्ट्रेटों की ओर से प्रस्तुति दी गई ताकि अन्य जिलों को पेयजल जेजेएम 2.0 के अंतर्गत कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने में सहायता और उनसे सीख मिल सके। पांच जिलों के संबंधित जिला समाहर्ता/जिला मजिस्ट्रेट की प्रस्तुति के माध्यम से साझा किए गए नवोन्मेषी सर्वोत्तम तौर-तरीके

किन्नौर, हिमाचल प्रदेशः उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने दुर्गम पहाड़ी भूभाग, बिखरी हुई बस्तियों और मौसम की चरम चुनौतियों के बावजूद किन्नौर के सभी 210 गांवों में 100 प्रतिशत हर घर जल कवरेज की उपलब्धि को प्रदर्शित किया। जिले में दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल स्रोतों में वृद्धि करने, अवसंरचना के आधुनिकीकरण, तालाबों के जीर्णोद्धार, हिम-जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण जैसे अभिनव उपायों का उल्लेख किया गया। सुजलम भारत डिजिटल रजिस्ट्री को अपनाने, जीआईएस-आधारित निगरानी, नियमित जल एवं स्वच्छता सर्वेक्षण (डीडब्ल्यूएम एस एम) की समीक्षा, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को मजबूत करने और जल महोत्सव, जल अर्पण तथा महिलाओं की ओर से संचालित जल गुणवत्ता परीक्षण जैसी सामुदायिक पहलों ने जेजेएम 2.0 के अंतर्गत सतत सेवा वितरण को और मजबूत किया है। टेबल पर बैठे व्यक्ति द्वारा प्रदर्शित एआई-जनित सामग्री गलत हो सकती है। हावेरी, कर्नाटकः उपायुक्त डॉ. विजयमहंतेश बी. दानम्मनावर ने प्रौद्योगिकी-आधारित शासन और समुदाय-नेतृत्व वाले संचालन एवं रखरखाव के माध्यम से सतत पेयजल सेवाओं को बढ़ावा देने में हावेरी की प्रगति के संबंध में प्रस्तुति दी। जिले में 95.36 प्रतिशत चालू घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) कवरेज हासिल कर लिया गया है और डिजाइन-निर्माण-संचालन-स्थानांतरण (डीबीओटी) मॉडल के अंतर्गत बहुत से गांवों के लिए बड़ी योजनाओं को लागू किया जा रहा है। वहां किए गए प्रमुख नवाचारों में सभी ग्राम पंचायतों में संचालन एवं रखरखाव की नीतियों को सार्वभौमिक रूप से अपनाना, जल आपूर्ति संपत्तियों की जियो-टैगिंग, सुजल गांव-आधारित संपत्ति प्रबंधन, पारदर्शी जल गुणवत्ता निगरानी के लिए जीवा जल मोबाइल एप्लिकेशन और छह गांवों को 247 जल आपूर्ति वाले गांवों के रूप में घोषित करना शामिल है, जिससे सेवा दक्षता में सुधार, जल की खपत में कमी और पंपिंग में लगने वाले समय में कमी आई है। वीडियो चैट के स्क्रीनशॉट में दिखाई गई कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री गलत हो सकती है।

दुमका, झारखंडः उपायुक्त श्री अभिजीत सिन्हा ने ग्रामीण पेयजल अवसंरचना को बहाल करने और उसे बनाए रखने के लिए दुमका में अपनाई गई सफल समन्वय-आधारित रणनीति का उल्लेख किया। एकीकृत नियंत्रण कक्ष की स्थापना, ग्राम स्तर के रखरखाव कर्मियों का प्रशिक्षण, स्थानीय स्तर पर विकसित पुर्जों की आपूर्ति श्रृंखला और सुदृढ़ शिकायत निवारण तंत्र ने कार्यक्षमता और उत्तरदायित्व में उल्लेखनीय वृद्धि की है। जिले में जन भागीदारी, जल अर्पण दिवस, जल सहिया, उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह और जल गुणवत्ता निगरानी के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी ने जल आपूर्ति प्रणालियों के स्वामित्व और स्थिरता को और मजबूत किया है। किसी व्यक्ति द्वारा कृत्रिम रूप से तैयार की गई सामग्री का स्क्रीनशॉट गलत हो सकता है।

दक्षिण गोवा, गोवाः कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट सुश्री ईगन क्लैटस ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों और सतत जल संसाधन प्रबंधन के माध्यम से स्मार्ट जल उपयोगिता विकसित करने के दक्षिण गोवा के दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। जिले में जल जीवन मिशन की सभी 118 परियोजनाओं को पूरा करके चालू कर दिया गया है, जिससे सभी ग्रामीण घरों को नल के पानी से जोड़ना सुनिश्चित हो गया है जबकि राज्य में पेयजल की लगभग 96 प्रतिशत मांग सतही जल आधारित क्षेत्रीय जल आपूर्ति प्रणालियों के माध्यम से पूरी की जा रही है। जिले में जीआईएस-आधारित नेटवर्क मैपिंग, आईओटी-सक्षम निगरानी, एससीएडीए सिस्टम, स्मार्ट मीटरिंग पहल, नियमित डीडब्ल्यूएएसएम समीक्षा, ग्राम-स्तरीय जल गुणवत्ता निगरानी और सुव्यवस्थित संचालन एवं रखरखाव योजना को अपनाने से विश्वसनीय, कुशल और सतत पेयजल सेवा वितरण को मजबूती मिल रही है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के स्क्रीनशॉट में दिखाई गई एआई-जनरेटेड सामग्री गलत हो सकती है।

उनाकोटी, त्रिपुराः जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर सुश्री मेघा जैन ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने में जिले की प्रगति पर प्रकाश डाला। जिले में 89.16 प्रतिशत चालू घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) कवरेज से 47,800 से अधिक परिवारों को लाभ मिल रहा है। जिले में नियमित जल आपूर्ति प्रबंधन (डीडब्ल्यूएसएम) संबंधी बैठकों, तृतीय-पक्ष के निरीक्षणों, डिजिटल शिकायत निवारण मंचों और सामुदायिक सहभागिता तंत्रों के माध्यम से सुदृढ़ निगरानी का प्रदर्शन किया गया है। भूजल पुनर्भरण, स्रोत स्थिरता, एमजीएनआरईजीएस, वित्त आयोग अनुदान और एसबीएम (जी) के साथ समन्वय, तथा नवीन पुनर्भरण उपायों पर बल दिया गया है। वहीं, कलिगिरी सतही जल परियोजना के सफल कार्यान्वयन ने प्रदर्शित किया है कि कैसे समुदायिक-नेतृत्व वाली योजना ने दूरस्थ सीमावर्ती गांवों में मौसमी और टैंकर-आधारित आपूर्ति को स्थायी पाइपयुक्त पेयजल से बदलकर जल उपलब्धता में परिवर्तन ला दिया जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

एनजेजेएम के अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक श्री कमल किशोर सोआन ने अपने समापन भाषण में जिलों की ओर से अपनाए गए नवोन्मेषी दृष्टिकोणों की सराहना की और इस बात पर बल दिया कि जेजेएम 2.0 की

सफलता सामुदायिक नेतृत्व वाली शासन व्यवस्था को बढ़ावा देने में जिला कलेक्टरों के सक्रिय नेतृत्व पर निर्भर करती है। पेयजल संवाद ने जेजेएम के अंतर्गत हासिल की गई उपलब्धियों, मौजूदा चुनौतियों और सर्वोत्तम तौर-तरीकों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया जिससे हर घर जल के अंतर्गत प्रगति को गति देने के लिए अपनाए गए विविध दृष्टिकोणों को रेखांकित किया गया।

यूनिसेफ इंडिया, पीआईबी-पश्चिमी क्षेत्र और एम्स-नागपुर ने बाल्यावस्था की गैर-संचारी बीमारियों की मीडिया कवरेज क्षमता बढ़ाने संबंधी दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला आयोजित की

मीडियाकर्मियों को एम्स नागपुर के उत्कृष्टता केंद्र में बाल्यावस्था की गैर-संक्रामक बीमारियों की देखभाल का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ

बचपन में होने वाली गैर-संक्रामक बीमारियों की मीडिया कवरेज क्षमता बढ़ाने संबंधी दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला आज नागपुर के एम्स में संपन्न हुई। कार्यशाला में पश्चिमी भारत के 30 से

अधिक मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष-यूनिसेफ इंडिया, प्रेस सूचना ब्यूरो-पश्चिमी क्षेत्र और एम्स नागपुर ने संयुक्त रूप से यह कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में मीडियाकर्मियों को बाल्यावस्था की गैर-संक्रामक बीमारियों का निदान, उपचार और प्रबंधन तथा स्वास्थ्य रिपोर्टिंग बेहतर बनाने की सर्वोत्तम पद्धतियों की जानकारी मिली।

कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया कर्मियों को 5 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों और 10 से 19 वर्ष की आयु के किशोरों में गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते खतरे से अवगत कराना था। पश्चिमी और मध्य भारत के जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बाल्यावस्था के गैर संचारी रोगों में प्रायः निदान और विशेषज्ञ देखभाल की सीमित पहुंच उपलब्ध हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में गतिहीन जीवनशैली, मोबाइल पर रील देखने में समय व्यतीत करने और आहार में बदलाव के कारण बचपन में मोटापे, मधुमेह-डाइबिटीज और मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसी स्थितियों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। ग्रामीण, आदिवासी या शहरी क्षेत्र में कोई भी हों, बचपन की इन स्थितियों का पता जटिलताएं बढ़ने तक नहीं चल पाता।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रेस सूचना ब्यूरो-पश्चिमी क्षेत्र की महानिदेशक स्मिता वत्स शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि जन स्वास्थ्य रिपोर्टिंग जागरूकता और जन कार्रवाई को आकार देती है। पत्रकारों का यह अहम दायित्व है कि वे साक्ष्य-आधारित जानकारी दें और लोगों को अपनी रिपोर्ट द्वारा बच्चों को प्रभावित करने वाली स्वास्थ्य संबंधी उभरती चुनौतियां बताएं।

एम्स नागपुर के कार्यकारी निदेशक डॉ. प्रशांत जोशी ने कहा कि बाल्यावस्था के गैर-संक्रामक रोगों का इनक्यूबेशन पीरियड (किसी रोगजनक के संपर्क में आने और लक्षणों के पहली बार प्रकट होने के बीच का समय) लंबा होता है और ये बचपन से ही शुरू हो जाती हैं; इसलिए, शीघ्र निदान, निरंतर देखभाल और सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली अनिवार्य और महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि एम्स नागपुर ऐसी देखभाल पद्धतियां विकसित करने को प्रतिबद्ध है जिन्हें देश भर में लागू किया जा सके। डॉ. जोशी ने कहा कि परिवारों को इन लक्षणों को जल्दी पहचानने और समय पर उपचार के लिए प्रेरित करने में मीडिया मदद कर सकता है।

यूनिसेफ इंडिया की संचार, पक्ष समर्थक और सहयोग प्रमुख जाफरीन चौधरी ने कहा कि मीडिया बाल्यावस्था की गैर-संक्रामक बीमारियों पर सटीक और सहानुभूतिपूर्ण रिपोर्टिंग कर छिपे हुए मुद्दे सामने लाता है। वह इनके शीघ्र निदान को प्रोत्साहित करता है, बीमारी से जुड़ी सामाजिक बदनामी को चुनौती देता है और इस बात को पुष्ट करता है कि इन बीमारियों से बचाव और उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ को पीआईबी, एम्स नागपुर और पत्रकारों के साथ सहयोग द्वारा इन सूचनाओं को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में गर्व है और साथ मिलकर, हम जानकारी दे सकते हैं, कार्रवाई के लिए प्रेरित कर सकते हैं और बच्चों को बीमारियों से उबरने और स्वस्थ होने में मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अपर महानिदेशक, डॉ. तुषार एन नाले ने सरकार के गैर संचारी रोग कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया।

महाराष्ट्र सरकार ने इस वर्ष के आरंभ में, यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से राज्य में बाल्यावस्था संबंधी गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और प्रबंधन सुदृढ़ बनाने के लिए एम्स नागपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। साझेदारी के तहत एम्स नागपुर को इसमें तकनीकी उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है।

यूनिसेफ महाराष्ट्र के प्रमुख संजय सिंह ने कहा कि बाल्यावस्था की गैर-संक्रामक बीमारियां अब जटिल नहीं रह गई हैं। ये चुनौती उभरती जन स्वास्थ्य प्राथमिकता हैं और एम्स नागपुर और महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर हम शीघ्र निदान, रेफरल प्रणाली और गुणवत्तापूर्ण देखभाल बेहतर बना रहे हैं ताकि प्रत्येक बच्चे को आवश्यकतानुसार समय पर सहायता मिल सके। कार्यशाला के दौरान मीडियाकर्मियों ने एम्स नागपुर स्थित बाल रोग उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया और डॉक्टरों, पीड़ित बच्चों और स्वास्थ्य सेवा कर्मियों से मुलाकात की और दीर्घकालिक देखभाल स्थितियां प्रत्यक्ष रूप से देखीं। मीडियाकर्मियों ने पारस्परिक प्रश्नोत्तरी में भी भाग लिया, जिससे बाल्यावस्था के गैर-संचारी रोगों के बारे में जानकारी और समूहों में काम करते हुए समाचार संबंधी विचार और रिपोर्टिंग दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिली।

कार्यशाला पूर्व भूमिका सत्र के साथ आरंभ हुई, जिसमें एम्स नागपुर के बाल रोग विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी गिरीश ने बाल्यावस्था के गैर-संचारी बीमारियों को समझने पर ज्ञानवर्धक जानकारी दी। कार्यशाला में भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य रिपोर्टिंग के

लिए मीडियाकर्मियों को उपलब्ध कराए गए संसाधनों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि मीडियाकर्मी स्वास्थ्य संबंधी समाचारों पर नियमित और अद्यतन सामग्री के लिए पीआईबी का उपयोग विभिन्न भाषाओं में कैसे कर सकते हैं। इसमें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और नमूना पंजीकरण प्रणाली सर्वेक्षण, पोषण-ट्रैकर वेबसाइट और अन्य सुलभ अंतर-मंत्रालयी संसाधनों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। यह कार्यशाला सतत सहभागिता के आरंभ का प्रतीक है जो सितंबर 2026 में गैर-संक्रामक रोग सप्ताह तक सक्रियता पूर्वक चलेगी। यह पहल बाल्यावस्था के गैर-संचारी रोगों के बारे में लोगों की समझ बढ़ाने और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य रिपोर्टिंग बेहतर बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा रही।

21 पंचायत, 35 नगर वार्ड, दो लाख से अधिक आबादी... फिर भी एक साल से बीडीओ विहीन गम्हरिया

सरकार की नई नीति भी उठा रही सवाल, 12 से अधिक पंचायत वाले प्रखंड में अलग बीडीओ-सीओ का प्रावधान, फिर गम्हरिया क्यों उपेक्षित? - रश्मि भेंगरा

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 14 जुलाई 2026: झारखंड का औद्योगिक हृदय कहे जाने वाले गम्हरिया प्रखंड में पिछले लगभग एक वर्ष से नियमित प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) की नियुक्ति नहीं होने से प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। गम्हरिया का प्रभार फिलहाल अंचल अधिकारी के अतिरिक्त जिम्मे है। भाजपा नेत्री रश्मि भेंगरा का आरोप है कि इसका सीधा असर पंचायतों की विकास योजनाओं, सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और आम जनता को मिलने वाली सेवाओं पर पड़ रहा है।

रश्मि बताती है कि गम्हरिया के अंतिम नियमित बीडीओ का स्थानांतरण 16 अगस्त 2025 को हुआ था। इसके बाद से आज तक इस पद पर किसी अधिकारी की नियमित नियुक्ति नहीं की गई।

गम्हरिया छोटा प्रखंड नहीं, सबसे अधिक कार्यभार वाले क्षेत्रों में शामिल

गम्हरिया प्रखंड में 21 ग्राम पंचायतें हैं। इनमें 8 पंचायतें प्रशासनिक रूप से गम्हरिया प्रखंड में शामिल हैं, लेकिन उनका राजस्व क्षेत्र सरायकेला अंचल के अधीन है। इसके अलावा आदित्यपुर नगर निगम के 35 वार्डों से जुड़े अनेक विकास एवं समन्वय कार्य भी इसी प्रखंड प्रशासन के माध्यम से संचालित होते हैं। औद्योगिक क्षेत्र, बड़ी आबादी और ग्रामीण-शहरी मिश्रित प्रशासनिक ढांचे के कारण यह प्रखंड सामान्य प्रखंडों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील माना जाता है।

सरकार के अपने फैसले पर भी उठ रहे सवाल

हाल ही में झारखंड सरकार ने निर्णय लिया है कि 12 से अधिक पंचायत वाले प्रखंडों में बीडीओ और अंचल अधिकारी के अलग-अलग पदस्थापन की व्यवस्था रहेगी, जबकि कम पंचायत वाले प्रखंडों में आवश्यकता के अनुसार एक अधिकारी को दोनों का दायित्व दिया जा सकेगा।ऐसे में रश्मि ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है कि 21 पंचायतों और दो लाख से अधिक आबादी वाले गम्हरिया प्रखंड में पिछले एक वर्ष से नियमित बीडीओ का नहीं होना सरकार की घोषित नीति की भावना के विपरीत प्रतीत होता है। जब सरकार स्वयं बड़े प्रखंडों में अलग बीडीओ और सीओ की आवश्यकता स्वीकार कर चुकी है, तब गम्हरिया जैसे महत्वपूर्ण प्रखंड को अब तक नियमित बीडीओ क्यों नहीं मिला?

विकास योजनाओं पर पड़ रहा असर

ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों का भी कहना है कि पंचायतों की योजनाओं की स्वीकृति, विकास कार्यों की समीक्षा, ग्राम सभाओं से जुड़े विषय, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, पंचायत स्तरीय विकास योजनाओं सहित कई कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। वहीं अंचल अधिकारी पर भूमि, दाखिल-खारिज, राजस्व, अतिक्रमण और न्यायिक प्रकृति के मामलों का पहले से ही भारी दबाव है।

सरकार से तत्काल नियुक्ति की मांग

रश्मि भेंगरा ने उपायुक्त, सरायकेला - खरसावां के माध्यम से सरकार से मांग की है कि गम्हरिया प्रखंड में अविलंब नियमित प्रखंड विकास पदाधिकारी की नियुक्ति की जाए। उनका कहना है कि यह केवल एक प्रशासनिक पदस्थापन का मामला नहीं, बल्कि दो लाख से अधिक आबादी, 21 पंचायतों और औद्योगिक क्षेत्र के समुचित विकास का प्रश्न है।

भारी मात्रा में अंग्रेजी और देशी शराब के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार बाइक जप्त

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के माली थाना क्षेत्र के अम्बा-धमनी गांव के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी और देशी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है एवं एक बाइक को जप्त किया है। बरामद अंग्रेजी शराब में गॉडफादर बियर 56 पीस,किंगफिशर बियर 06 पीस, देशी टनाका शराब - 180 पीस है। वहीं मौके से गिरफ्तार तस्कर रोहित कुमार, पिता ठाकुर सिंह, ग्राम- करवंदिया, थाना- सासाराम मुफस्सिल, जिला- रोहतास और छोटू कुमार, पिता जनेश्वर राम, ग्राम- पथरा, थाना- एनटीपीसी खैरा, जिला- औरंगाबाद है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सीएसआईआर यूजीसी नेट जून 2026: प्रवेश पत्र जारी17-18 जुलाई को होगी परीक्षा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने बहुप्रतीक्षित सीएसआईआर यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) जारी कर दिए हैं। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले लाखों अभ्यर्थी अब एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से अपने क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा का आयोजन 17 और 18 जुलाई, 2026 को कंप्यूटर आधारित मोड में किया जाएगा। एनटीए द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। 17 जुलाई को पहली पाली (सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे) में जीव विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित होगी। वहीं, दूसरी पाली (दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे) में गणित विज्ञान और भौतिक विज्ञान के अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। दूसरे दिन, यानी 18 जुलाई को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक रसायन विज्ञान तथा पृथ्वी, वायुमंडलीय, महासागरीय एवं ग्रह विज्ञान विषयों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। एनटीए ने अभ्यर्थियों को निर्देशित किया है कि प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के बाद उस पर अंकित नाम, फोटो, परीक्षा केंद्र का पता, परीक्षा तिथि और समय जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों का भली-भांति मिलान कर लें। किसी भी त्रुटि की स्थिति में उम्मीदवारों को तुरंत एजेंसी से संपर्क करने की सलाह दी गई है। प्रवेश पत्र पूरी तरह से ऑनलाइन जारी किए गए हैं; डाक के माध्यम से किसी भी अभ्यर्थी को कोई प्रति नहीं भेजी जाएगी। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र की प्रिंट कॉपी और एक वैध फोटो पहचान पत्र अनिवार्य रूप से साथ ले जाना होगा। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि यह प्रवेश पत्र 'अस्थायी' है और इसे अंतिम पात्रता की स्वीकृति नहीं माना जाना चाहिए। परीक्षार्थियों को केंद्र पर रिपोर्टिंग समय से पहले पहुंचने और परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। यह परीक्षा उच्च शिक्षा और शोध क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पटना में ब्यूटी पार्लर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना के वीआईपी इलाकों में ब्यूटी पार्लर की आड़ में फल-फूल रहे अनैतिक धंधों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गांधी मैदान और कोतवाली थाना क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष सघन छापेमारी अभियान के दौरान दो ब्यूटी पार्लरों से आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने दो संचालकों को हिरासत में लिया है, जिनसे गहन पूछताछ जारी है। लंबे समय से मिल रही गुप्त सूचनाओं और शिकायतों के आधार पर पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया था। इस टीम ने कोतवाली और गांधी मैदान इलाके के लगभग 50 ब्यूटी पार्लरों में एक साथ छापेमारी की। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध रूप से संचालित पार्लरों में हड़कंप मच गया। कई पार्लर संचालक पुलिस को देखते ही अपने प्रतिष्ठान बंद कर फरार हो गए।छापेमारी के दौरान खुलासा हुआ कि पकड़े गए दोनों ब्यूटी पार्लर पूरी तरह से अवैध थे। इनके पास श्रम विभाग (लेबर डिपार्टमेंट) का अनिवार्य पंजीकरण तक नहीं था। नियमों की अनदेखी कर ये पार्लर रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों में मनमाने ढंग से चलाए जा रहे थे। तलाशी के दौरान पुलिस ने वहां से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है, जिससे सेक्स रैकेट चलाने की पुष्टि हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी ममता कल्याणी ने बताया कि बरामद सामान और गुप्त सूचनाओं के आधार पर हिरासत में लिए गए संचालकों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, "जांच में जिन अन्य लोगों के नाम सामने आएंगे, उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" पुलिस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजधानी में बिना वैध पंजीकरण और नियमों के विरुद्ध चलने वाले किसी भी प्रतिष्ठान को बख्शा नहीं जाएगा। इस छापेमारी के बाद स्थानीय निवासियों ने पुलिस के इस कदम की सराहना की है। लोगों का कहना है कि वीआईपी इलाकों में इस तरह की गतिविधियों से सामाजिक माहौल खराब हो रहा था। पुलिस अब शहर के अन्य इलाकों में भी इसी तरह का अभियान चलाने की तैयारी कर रही है ताकि अवैध गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाया जा सके।

पटना के नौबतपुर SFC गोदाम विवाद, प्रशासन की चुप्पी पर भड़के पोलदार, काम ठप करने की चेतावनी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नौबतपुर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित राज्य खाद्य निगम के गोदाम में मजदूरी दर को लेकर उपजा विवाद अब गंभीर होता जा रहा है। ठेकेदार और पोलदारों के बीच चल रहे इस गतिरोध के पांच दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से मजदूरों में भारी आक्रोश है। गोदाम में कार्यरत पोलदारों—दिनेश कुमार, वीरेंद्र कुमार और संजय कुमार का आरोप है कि वे वर्ष 2008 से अनाज की लोडिंग और अनलोडिंग का कार्य कर रहे हैं। सरकारी नियमानुसार उन्हें प्रति बोरा 10.20 का भुगतान मिलना चाहिए, लेकिन ठेकेदार द्वारा उन्हें मात्र 4 प्रति बोरा की दर से मजदूरी दी जा रही है। मजदूरों का कहना है कि भीषण महंगाई के इस दौर में इतनी कम मजदूरी में उनके परिवारों का भरण-पोषण करना असंभव हो गया है। मजदूरों ने इस मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से की थी, लेकिन अब तक न तो ठेकेदार से स्पष्टीकरण मांगा गया है और न ही कार्यस्थल पर मजदूरी दरों की समीक्षा के लिए कोई आधिकारिक टीम ही भेजी गई है। दूसरी ओर, ठेकेदार टुन्नु गुप्ता का अपना पक्ष है। उनका तर्क है कि सरकार से उन्हें ट्रांसपोर्टिंग और लोडिंग मद में 38 प्रति क्विंटल की दर से भुगतान मिलता है, जबकि उनका वास्तविक खर्च 40 तक पहुंच जाता है। इस वित्तीय घाटे के कारण वे सरकारी दर पर मजदूरी देने में असमर्थ हैं।प्रशासन की चुप्पी और ठेकेदार के अड़ियल रुख से निराश मजदूरों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। पोलदारों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन ने अविलंब हस्तक्षेप कर ठेकेदारी व्यवस्था की निष्पक्ष जांच नहीं की और उन्हें सरकारी दर पर उनका हक नहीं दिलाया, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। मजदूरों की इस चेतावनी ने स्थानीय प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। यदि काम बंद हुआ, तो प्रखंड की जन वितरण प्रणाली सीधे तौर पर प्रभावित होगी, जिससे आम उपभोक्ताओं को राशन के लिए परेशानी झेलनी पड़ सकती है। स्थानीय लोग अब इस मामले में त्वरित प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं ताकि अनाज आपूर्ति व्यवस्था बाधित न हो।

पटना के आईजीआईएमएस इमरजेंसी में दलालों पर अब प्रशासन का कड़ा पहरा सादे वेश में तैनात रहेगी निगरानी टीम

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान की इमरजेंसी में सक्रिय दलालों पर नकेल कसने के लिए संस्थान प्रशासन ने कमर कस ली है। मरीजों को दलालों के चंगुल से बचाने और परिजनों की परेशानी दूर करने के लिए अब नई सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत इमरजेंसी में अब बाहरी लोगों की दखलंदाजी पूरी तरह समाप्त करने की योजना है। अस्पताल प्रशासन ने निर्णय लिया है कि अब एंबुलेंस या निजी वाहन से आने वाले मरीजों को इमरजेंसी तक पहुंचाने का जिम्मा संस्थान के अपने कर्मचारी निभाएंगे। इसके लिए प्रत्येक शिफ्ट में चार कर्मचारियों की अलग से तैनाती की जाएगी। ये कर्मचारी मरीजों को वाहन से उतारकर सीधे इमरजेंसी कैजुअल्टी तक पहुंचाएंगे, जिससे दलालों द्वारा मरीजों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाने की कुत्सित कोशिशों पर रोक लग सकेगी।प्रशासन ने दलालों को चिह्नित करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तेज कर दी है। कंट्रोल रूम को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेंटर के पास लगातार कई दिनों तक किसी संदिग्ध व्यक्ति की आवाजाही दिखे, तो उसे तुरंत हिरासत में लेकर सुरक्षाकर्मियों के माध्यम से पूछताछ की जाए। संदिग्ध पाए जाने पर शास्त्रीनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस की मदद ली जाएगी। IGIMS की 98 बेड वाली इमरजेंसी में रोजाना 300 से 350 मरीज भर्ती होने आते हैं। इनमें अधिकांश मरीज गया, जहानाबाद, नालंदा, दरभंगा और छपरा जैसे जिलों से होते हैं। पुराने इमरजेंसी वार्ड पर मरीजों का अत्यधिक दबाव है, जबकि 500 बेड का नया इमरजेंसी वार्ड अभी शुरू नहीं हो पाया है। इसी भीड़भाड़ का फायदा उठाकर दलाल सक्रिय हो जाते हैं और बेड न मिलने का डर दिखाकर गंभीर मरीजों को निजी अस्पतालों में ले जाने का 'खेल' करते हैं। प्रशासन का दावा है कि नई व्यवस्था से दलाली पर प्रभावी अंकुश लगेगा और आम मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

बंटी यादव हत्याकांड में पटना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

लापरवाही बरतने वाले 3 एएसआई और एक होमगार्ड जवान निलंबित

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी में चर्चित बंटी यादव अपहरण और हत्याकांड मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। सिटी एसपी (सेंट्रल) ममता कल्याणी ने कर्तव्य में घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और उदासीनता के आरोप में कोतवाली थाना के तीन सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) और एक होमगार्ड जवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जिन पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है, उनमें एएसआई प्रवीण कुमार पंकज, एएसआई अवधेश कुमार, एएसआई वीर बहादुर सिंह और होमगार्ड जवान सुदर्शन प्रसाद शामिल हैं। निलंबन की अवधि के दौरान इन सभी का मुख्यालय नवीन पुलिस केंद्र, पटना निर्धारित किया गया है।उल्लेखनीय है कि बंटी यादव के साथ मारपीट कर अपहरण की यह दुस्साहसिक घटना पटना जंक्शन स्थित टीओपी (पुलिस आउटपोस्ट) से मात्र 100 मीटर की दूरी पर अंजाम दी गई थी। इतनी कम दूरी पर हुई वारदात के बावजूद न तो टीओपी प्रभारी को इसकी भनक लगी और न ही गश्ती दल या ईआरएसएस 112 पर तैनात अधिकारियों ने कोई तत्परता दिखाई। सुरक्षा व्यवस्था में इस बड़ी चूक को गंभीरता से लेते हुए सिटी एसपी ने यह सख्त कदम उठाया है।सिटी एसपी ममता कल्याणी ने सभी निलंबित कर्मियों को आदेश जारी कर अगले तीन दिनों के भीतर अपने बचाव में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए सिटी एसपी ने स्पष्ट किया है कि कर्तव्य के प्रति लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है। विभागीय सूत्रों की मानें तो भविष्य में सुरक्षा व्यवस्था और गश्ती दल की कार्यशैली की भी गहन समीक्षा की जाएगी ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इस घटना ने पुलिस की सक्रियता पर कई सवाल खड़े कर दिए थे, जिसके बाद अब विभाग अपनी छवि सुधारने के लिए कड़े तेवर अपना रहा है।

पटना से 25 हजार का इनामी कुख्यात नाज अहमद गिरफ्तार, दर्ज हैं 34 गंभीर मामले

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। एसटीएफ की विशेष टीम ने मोतिहारी जिले के 25 हजार रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी नाज अहमद खान उर्फ पप्पू खान को पटना से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी की पुष्टि होते ही पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है।गिरफ्तार अपराधी नाज अहमद खान पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया थाना अंतर्गत बैरिया ग्राम का निवासी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वांछित अपराधी पटना में छिपकर रह रहा है। सूचना मिलते ही एसटीएफ की विशेष टीम सक्रिय हुई और पटना के दीघा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर उसे दबोच लिया। बताया जा रहा है कि वह काफी समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था। नाज अहमद का आपराधिक इतिहास काफी लंबा और खतरनाक रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ मोतिहारी के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, अपहरण, डकैती और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर धाराओं में कुल 34 मामले दर्ज हैं। वह केसरिया थाना कांड संख्या 124/26 में मुख्य रूप से वांछित था, जो इसी वर्ष 20 मार्च को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। कुख्यात नाज अहमद की गिरफ्तारी से पूर्वी चंपारण के व्यवसायियों और आम नागरिकों ने बड़ी राहत की सांस ली है। लंबे समय से वह अपनी आपराधिक गतिविधियों के जरिए इलाके में दहशत का पर्याय बना हुआ था। पुलिस अब उसे रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है ताकि उससे पूछताछ कर उसके अन्य सहयोगियों और आपराधिक नेटवर्क का पता लगाया जा सके। एसटीएफ की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है। पुलिस का कहना है कि राज्य में सक्रिय ऐसे फरार अपराधियों के खिलाफ आगे भी विशेष अभियान जारी रहेगा।

पटना में नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

बिहार विधानसभा में नियुक्ति का झांसा देकर युवक को ठगा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। बिहार विधानसभा सचिवालय में नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक युवक से लाखों रुपये ऐंठ लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर पटना के साइबर अपराध थाने में मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित कृष्णा कन्हैया, जो पुरन्दरपुर का निवासी है, ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसकी मुलाकात कंकड़बाग निवासी पप्पू कुमार से हुई थी। आरोपी ने खुद की पहुंच का हवाला देते हुए उसे बिहार विधानसभा सचिवालय में सरकारी नौकरी दिलवाने का वादा किया। इस झांसे में आकर पीड़ित ने अपने एसबीआई खाते से दो बार में बड़ी रकम आरोपी को दे दी। पैसे लेने के बाद जब पीड़ित ने नौकरी ज्वाइनिंग को लेकर दबाव बनाया, तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। हद तो तब हो गई जब आरोपी ने पीड़ित के व्हाट्सएप पर एक फर्जी नियुक्ति पत्र (जॉइनिंग लेटर) भेज दिया। बाद में जांच करने पर जब पत्र फर्जी निकला, तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। घबराए युवक ने सबसे पहले राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पटना साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई।साइबर थाने की पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी पप्पू कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के बैंक खातों और डिजिटल फुटप्रिंट्स की जांच की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही, पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में आकर सरकारी नौकरी के नाम पर पैसे न दें। पुलिस का कहना है कि यह एक बड़ा रैकेट हो सकता है, जिसकी गहनता से जांच की जा रही है।

पटना में मोबाइल में दिखी हथियार की तस्वीर, पुलिस ने बिछाया जाल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के रामकृष्णानगर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने त्वरित और तकनीकी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस पूरे मामले का सनसनीखेज खुलासा महज एक मोबाइल फोन में मिली तस्वीर से हुआ। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 13 जुलाई को दिन की गश्ती के दौरान एक संदिग्ध युवक को पूछताछ के लिए रामकृष्णानगर थाने लाया गया था। युवक की पहचान खेमनीचक निवासी प्रकाश कुमार सिन्हा के रूप में हुई। जब पुलिस ने शक के आधार पर उसके मोबाइल फोन की गैलरी चेक की, तो उसमें एक अवैध आग्नेयास्त्र (हथियार) की तस्वीर मिली। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ के आगे प्रकाश टूट गया और उसने कबूल किया कि यह हथियार उसके एक दोस्त का है। प्रकाश की सटीक निशानदेही पर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और अगमकुआं थाना क्षेत्र के भूतनाथ मुसहरी टोला स्थित एक किराये के मकान पर छापेमारी की। यहां से पुलिस ने मुख्य आरोपित दीपक कुमार उर्फ भैरव को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से हथियारों की यह खेप बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि दीपक मूल रूप से खेमनीचक का ही रहने वाला है और यहां छिपकर रह रहा था। नगर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) शैलजा ने बताया कि मोबाइल में मिली तस्वीर के आधार पर पुलिस टीम ने बेहद मुस्तैदी से काम किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और अब उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड का सत्यापन किया जा रहा है। इस सफल छापेमारी अभियान में रामकृष्णा नगर थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा, पुलिस अवर निरीक्षक मिथुन कुमार, अरविंद कुमार सिंह, प्रियंका अनंत, सहायक अवर निरीक्षक अविनाश कुमार, धनंजय कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस का यह अपराध नियंत्रण अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पटना मरीन ड्राइव पर उत्पाद विभाग का प्रहार कार से 200 लीटर विदेशी शराब बरामद, छपरा का तस्कर गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना के मरीन ड्राइव (गांधी मैदान) इलाके में मंगलवार की शाम उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने शराब माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गुप्त सूचना के आधार पर विभाग की टीम ने एक इको मारुति कार को घेरकर तलाशी ली, जिसमें से भारी मात्रा में विदेशी शराब की खेप बरामद की गई। इस कार्रवाई ने इलाके में अवैध शराब के कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा दिया है। उत्पाद विभाग के निरीक्षकों को मंगलवार शाम करीब 4:40 बजे एक पुख्ता सूचना मिली थी कि एक कार के जरिए भारी मात्रा में विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए निरीक्षक अजीत कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए मरीन ड्राइव क्षेत्र में नाकेबंदी की और संदिग्ध इको मारुति कार (निबंधन संख्या BR06 CS-5420) को रुकने का इशारा किया। जांच के दौरान जब गाड़ी की तलाशी ली गई, तो अंदर से 17 कार्टन विदेशी शराब बरामद हुई। विभाग के अनुसार, जब्त की गई शराब की कुल मात्रा 200.640 लीटर है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने शराब के साथ-साथ तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है। मौके से गिरफ्तार आरोपी की पहचान छपरा निवासी शिवम कुमार के रूप में हुई है। उत्पाद विभाग अब उससे सघन पूछताछ कर रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि शराब की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसकी डिलेवरी पटना में किन लोगों को दी जानी थी। विभाग इस पूरे रैकेट के मुख्य सूत्रधारों तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। इस सफल छापेमारी अभियान में निरीक्षक अजीत कुमार के साथ अवर निरीक्षक सोनम कुमारी, एएसआई अजीत परेल, डब्ल्यू कुमार और उत्पाद सिपाही विनिता, अभिजीत, सुरेंद्र, राजकुमार व संदीप शामिल रहे। विभाग ने बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पटना के बाढ़ में दिनदहाड़े 1 लाख रुपये की झपटमारी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि दिनदहाड़े लूट और झपटमारी की घटनाओं को अंजाम देकर वे पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। मंगलवार को भुवनेश्वरी चौक के समीप हुई एक ऐसी ही वारदात ने इलाके में सनसनी फैला दी, जहाँ बाइक सवार दो बदमाशों ने एक सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक के हाथ से रुपयों से भरा बैग झपट लिया। पीड़ित के बैग में 1 लाख रुपये नकद थे, जिसे उन्होंने बैंक से निकाला था।पीड़ित अरविंद कुमार, जो चर्च रोड के निवासी हैं, ने बताया कि उन्होंने घर के आवश्यक कार्यों के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) से एक लाख रुपये की निकासी की थी। रुपये निकालने के बाद वे पासबुक अपडेट कराने के उद्देश्य से एसबीआई की अनुग्रह नारायण सिंह कॉलेज शाखा जाने के लिए भुवनेश्वरी चौक के पास ऑटो में सवार हुए। जैसे ही ऑटो थोड़ी दूर आगे बढ़ा, बाइक पर सवार दो नकाबपोश अपराधी उनके बेहद करीब पहुंचे। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, बदमाशों ने झपट्टा मारकर रुपयों से भरा उनका बैग छीन लिया और तेज रफ्तार में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित ने बाढ़ थाने पहुंचकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए लिखित आवेदन दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बाढ़ थाना प्रभारी ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। थाना प्रभारी ने कहा, "हम तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने में जुटे हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और लूटी गई राशि बरामद करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।"

पटना के जानीपुर में चल रही थी मिनी गन फैक्ट्री

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी के खिलाफ छेड़े गए अभियान में बड़ी कामयाबी हासिल की है। मंगलवार को पुलिस ने जानीपुर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में छापेमारी कर एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से हथियार बनाने के धंधे में शामिल मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई

सिटी एसपी (पश्चिम) संकेत कुमार ने बताया कि जानीपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नगवां गांव निवासी मंजूर हसन अपने घर में अवैध रूप से देसी कट्टा बनाने और उसे असेंबल करने का काम कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए फुलवारीशरीफ एसडीपीओ-2 दीपक कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से आरोपित के घर की घेराबंदी की, जिससे उसे भागने का कोई मौका नहीं मिला और वह रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपित के घर की गहन तलाशी लेने पर पुलिस को एक तैयार देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक अर्धनिर्मित बैरल और हथियार बनाने में प्रयुक्त होने वाली लोहे की आरी, रेती और अन्य मशीनें बरामद हुईं। बरामद सामान से स्पष्ट है कि यह जगह लंबे समय से अवैध हथियारों के निर्माण का मुख्य केंद्र बनी हुई थी। पुलिस ने मौके से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है, जो इस पूरे तस्करी नेटवर्क को बेनकाब करने में अहम भूमिका निभाएगा।